



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 26, 1973 (ज्येष्ठ 5, 1895)

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1973 (JYAISTHA 5, 1895)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अप्रैल 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री सुन्दर लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 2 अप्रैल 1973 से 30 जून 1973 तक 90 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 अप्रैल 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० डी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 9 अप्रैल 1973 से 16 जून, 1973 तक 69 दिन की अवधि के लिए अथवा अग्रेतर आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० पी० शिम्पी को, राष्ट्रपति द्वारा 9 अप्रैल 1973 से 7 जून 1973 तक 60 दिन की अवधि के लिए अथवा

—76 GI/73

अग्रेतर आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० के० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 9 अप्रैल 1973 से 2 जून 1973 तक 55 दिन की अवधि के लिए अथवा अग्रेतर आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत

अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

#### केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली-16, दिनांक 7 मई 1973

फा० सं० 7-4/73-प्रशासन—केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो में इस समय तदर्थ आधार पर नियुक्त निम्नलिखित अनुवाद

अधिकारियों को उनके नामों के आगे दी गई तारीखों से नियमित अनुवाद अधिकारी नियुक्त किया जाता है :—

नाम	केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो में नियमित अनुवाद अधिकारी के रूप में नियुक्ति की तारीख
1. श्रीमती सुलभा नारंग	29-4-1972
2. श्री ए० के० मालवीय	29-4-1972
3. श्री एम० आर० शर्मा	29-4-1972
4. श्री एस० हसन	29-4-1972
5. श्री एन० आर० बजाज	29-4-1972
6. श्री के० के० गुप्त	29-4-1972
7. श्री एन० एन० अम्बासी	23-9-1972
8. श्रीमती सी० के० ठुकराल	23-9-1972
9. श्री एस० के० अग्रवाल	23-9-1972

2. निम्नलिखित व्यक्तियों को जो इस समय केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो में बरिष्ठ अनुवादक के रूप में काम कर रहे हैं, अगला आदेश जारी होने तक, तारीख 2-4-1973 (अपराह्न) से नियमित अनुवाद अधिकारी नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री माधव सिंह,
2. श्री हरि शरण दास
3. श्री रामेश्वर दयाल

गोविन्द मिश्र  
निदेशक

#### महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-3, दिनांक 25 अप्रैल 1973

सं० ई०-16014(3)/16/73-प्रशा०-I—असम राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री गोपाल चन्द्र गोगोई ने दिनांक 16 अप्रैल 1973 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पूर्वी जोन, के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० ई० 38013(3)/11/73-प्रशा०-I—जाडु-गोश से स्थानान्तरित होने पर, श्री जॉन चौहान ने दिनांक 12/4/1973 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रांची, की 16वीं, बटालियन के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 8 मई 1973

सं० ई०-38013(1)/1/73-एडी०-1—उत्तर प्रदेश 1953 के आई० पी० एस० श्री तुषार दत्त ने स्थानान्तरित होने पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में 8 मई, 1973 पूर्वाह्न से (उत्तर और पश्चिम जोन) के सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभाला उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 9 मई 1973

सं० ई०-24015/14/73-एडी०-1—परिणाम स्वरूप पूर्ण-नियुक्ति के समाप्त होने पर श्री ई० एल० रामानाथन ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की न० 6 बटालियन मद्रास उर्वरक समिति मद्रास से सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार 28-3-73 अपराह्न से त्याग कर 29-3-73 पूर्वाह्न से 61 दिनों की सेवान्तर छुट्टी पर प्रस्थान किया।

सं० ई०-29018(2)/7/73-एडी०-1—श्री के० रामामूर्ति आई० पी० एस० ने 4 मई, 1973 पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल दक्षिण जोन में सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभाला। उनका मुख्यालय मद्रास में होगा।

एम० गोपालन  
महानिरीक्षक

#### कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 7 मई 1973

सं० 25/11/73-आर० जी० (ए०डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री अत्तर सिंह, आई० ए० एस०, हिमाचल प्रदेश के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक की सेवाएं दिनांक 18 अप्रैल 1973 के पूर्वाह्न से हिमाचल प्रदेश सरकार के सुपुर्द सवर्ष वापस करते हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी सवर्ष निर्णय किया है कि श्री अत्तर सिंह हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्तर्गत संयुक्त कृषि उत्पादन आयुक्त के सामान्य कार्यभार के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश के जनगणना निदेशक, एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के पद पर, उपरोक्त दिनांक से अगले आदेश जारी होने तक, पदेन रूप से कार्य करेंगे।

ए० चन्द्रशेखर  
भारत के महापंजीकार  
एवं पदेन संयुक्त सचिव

#### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

##### महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांची, दिनांक 3 मई 1973

सं० ओ० ई० आई०-Audio-58—महालेखाकार, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा के लेखा परीक्षक के कार्यालय के स्थायी अधीनस्थ लेखा सेवा लेखाकार श्री रामजी सिंह को

उसके कार्यालय में स्थानापन्न सहायक परीक्षक के पद पर 3 अप्रैल 1973 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक पदोन्नत करते हैं।

एन० पी० हरन,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन), बिहार

#### पूर्ति मंत्रालय,

#### मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

नई दिल्ली-11 दिनांक 3 मई 1973

सं० ए० 32014/73-74/प्रशासन/सम०/655-58—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी पूर्ति विभाग, खाद्य एवं कृषि मन्त्रालय तथा पुनर्वास, नई दिल्ली ने अपने संस्थान के अनुभाग अधिकारी ! पहले एस० ए० एस० लेखाकार का पदनाम। श्री एस० पी० चटर्जी को दिनांक 12-4-73 की पूर्वाह्न से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी 'पूर्ति विभाग' मद्रास के कार्यालय में अगले आदेश तक, कार्यवाहक वेतन तथा लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

फिर भी उनकी पदोन्नति सूची में उनसे वरिष्ठों के अधिकार एवं दावों से पूर्वाग्रह रहित होगी।

सं० ए० 32014/73-74/प्रशासन/सम०/655-58—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी पूर्ति विभाग खाद्य एवं कृषि मन्त्रालय तथा पुनर्वास नई दिल्ली ने अपने संस्थान के अनुभाग अधिकारी ! पहले एस० ए० एस० लेखाकार का पदनाम। श्री एस० पी० चटर्जी को दिनांक 12-4-73 की पूर्वाह्न से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी 'पूर्ति विभाग' मद्रास के कार्यालय में अगले आदेश तक कार्यवाहक वेतन तथा लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

फिर भी, उनकी पदोन्नति सूची में उनके वरिष्ठों के अधिकार एवं दावों से पूर्वाग्रह रहित होगी।

अरुणा माखन  
उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

#### महालेखाकार का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1973

सं० 7/7-239/73-74/24—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य, श्री जी० शेल्बरंगम को महा लेखाकार, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 590-30-830-35-900 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 13-4-73 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

ह० अपठनीय  
केशव.  
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

अहमदाबाद, दिनांक मई 1973

सं० इस्ट० (ए)/60/704—महालेखाकार गुजरात अहमदाबाद ने अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य सर्वश्री टी० वेंकटेशन और पी० रामसुब्रामनी को दिनांक, 21-4-73 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात अहमदाबाद के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० एच० छाया  
उपमहालेखाकार, प्रशासन

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 मई 1973

सं० प्रशासन/17-14/72—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जगन्नाथ नागपाल, अनुभाग अधिकारी को, कृषि अनुसंधान सांख्यिकी शिक्षण केन्द्र (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के कार्यालय से वापस आने पर, आगामी आदेश तक दिनांक 27 अप्रैल 1973 पूर्वाह्न से प्रधान कार्यालय में स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

गुरु बरुण सिंह,  
मुख्य लेखा परीक्षक

#### रक्षा लेखा विभाग

#### कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 मई 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459(i) के प्रावधानों के अन्तर्गत, स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने का नोटिस दिये जाने पर और उसके रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा स्वीकृत हो जाने पर, श्री राम प्रकाश धवन स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/458) को जो रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान के संगठन में सेवा रत हैं, 4 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायगा।

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459(i) के प्रावधानों के अन्तर्गत, 23 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से स्वेच्छा से निवृत्त होने की अनुज्ञा दिये जाने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण के संगठन में सेवारत श्री टी० एस० गुरु स्वामी, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/51) को उसी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायगा।

श्री गुरुस्वामी की सेवा निवृत्ति पूर्व 7-5-1973 से 22-8-1973 तक 108 दिन की अर्जित छुट्टी स्वीकृत की गई है। उनको 23-8-1973 से 26-8-1973 तक 4 दिन की अर्जित छुट्टी भी स्वीकृत की गई।

सी० वी० नागेन्द्र,  
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

### सूचना और प्रशासन मंत्रालय

#### प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1973

सं० ए० 22013/3/70 प्रशासन-1—श्री आर० बी० सिंह व्यापार कार्यकर्ता को सहायक व्यापार व्यवस्थापक 7-5-1973 से 14-8-1973 तक श्री जय किशोर, सहायक व्यापार व्यवस्थापक के स्थान पर नियुक्त किया जाता है जिन्हें कि अवकाश प्रदान किया गया है। उनका यह स्थानान्तरण अस्थायी होगा।

के० एन० बामजई,  
निदेशक

### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 4 मई 1973

सं० 8/20/50-सीब्वन्दी-1—श्री एम० के० जैन की श्री के० एस० कुडवा के अवकाश पर जाने से प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्ति होने के कारण फिल्म प्रभाग के नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता ने श्री ए० एस० चार्लस स्थानापन्न अधीक्षक को दिनांक 30-4-1973 के अपराह्न से फिल्म प्रभाग, बम्बई में सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एस० के० राय  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता

### विज्ञापन और दूर्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 1973

सं० ए० 38015/1/72-एस्ट-1—अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर, इस निदेशालय में ए० वाई० गाडबोले, स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी, 24 अप्रैल 1973 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

रोशन लाल जैन,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

### आकाशवाणी महानिदेशालय

#### (सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1973

सं० ए० 35017/1/73-सि० नि०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कनिष्ठ इंजीनियरों को आकाशवाणी के सिविल निर्माण विभाग में रु० 350-900 के ग्रेड में सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में उनके नामों के आगे लिखी तारीखों से प्रथमतः एक साल की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान कार्यालय में जिस पद पर है	जिस पद पर नियुक्त किया गया	नियुक्ति की तिथि	तैनाती का स्थान
1	2	3	4	5	6
1.	श्री जी० पी० वाण्ये	कनिष्ठ इंजीनियर	सहायक इंजीनियर	17-2-73	रीवा
2.	श्री बी० चौधुरी	—यही—	—यही—	4-4-73	अगरतला

जे० जे० तोलानी,  
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी,  
कृते महानिदेशक



**स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1973

सं० 11-2/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री पी० आई० पद्मनाभन को निम्नलिखित अवधियों के लिए उक्त सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(1) 1 मार्च, 1973 से 11 मार्च 1973 तक।

(2) 13 मार्च, 1973 से 30 अप्रैल, 1973 तक।

राष्ट्रपति श्री पी० आई० पद्मनाभन को उक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप निदेशक प्रशासन भी नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना

उप निदेशक प्रशासन

**पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय**

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल 1973

सं० प्र०-6/76(4)/58—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कंध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से निरीक्षण निदेशक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थायी हुए	स्थायी होने की तारीख	अभ्युक्तियां
1.	ए० एस० नगरकट्टी	स्थानापन्न निरीक्षण निदेशक	भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-1 में निरीक्षण निदेशक	4-12-71	श्री आई० एल० पटेल के स्थान पर जो 31-12-71 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।
2.	श्री सी० आर० सरकार	—वही—	—वही—	1-5-72	श्री एस० आर० रे के स्थान पर जो 30-4-72 के (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

विद्या सागर

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

**कार्यालय, कल्याण-आयुक्त, अभ्रक खान श्रम हितकारी कोष**

भीलवाड़ा, दिनांक 9 मई 1973

सं० 2/5/73-स्थापना (1)—अभ्रक खान श्रम हितकारी संस्थान बिहार के अधिदर्शक (सिविल) श्री एच० के० सहाय की सहायक अभियंता, अभ्रक खान श्रम हितकारी संस्थान, राजस्थान, भीलवाड़ा, के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री एच० के० सहाय ने उपर्युक्त सहायक अभियंता के पद का कार्यभार दिनांक 8 जनवरी, 1973 (अपराह्न) में संभाल लिया है।

नन्द लाल शर्मा,

कल्याण-आयुक्त

अभ्रक खान श्रम हितकारी कोष, राजस्थान

**कृषि मंत्रालय**

(कृषि विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन० एच० 4 फरीदाबाद, दिनांक 7 मई 1973

सं० मि० 3/169/66-प्र० फ० I—कुमारी आर० सुशीला, विपणन विकास अधिकारी (फ० ड०) को, उसके खाद्य विभाग के अन्तर्गत वरिष्ठ निरीक्षक अधिकारी (फल तथा सब्जी परिरक्षण) नियुक्त होने पर इस निदेशालय से, उसके कर्तव्यों से दिनांक 3-4-1973 (अपराह्न) से भार मुक्त किया गया।

एन० के० मुरालीधरा राव,

कृषि विपणन सलाहकार

**वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय**

देहरादून, दिनांक 5 मई 1973

सं० 16/122/67-स्था०-1—दिनांक 18-3-73 के अपराह्न को अधिवर्षता वयस प्राप्त करने पर श्री एस० एन० मित्र, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान प्रयोगशाला बंगलौर, ने 19-3-73 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्याम किशोर सेठ,  
अध्यक्ष,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

**वाणिज्य मंत्रालय****वस्त्र आयुक्त कार्यालय**

बम्बई-20, दिनांक 7 मई 1973

सं० 3(1)/65-सी० एल० बी०-II—सूती वस्त्र (निर्यात नियंत्रण) आदेश, 1949 के खंड 4 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की सामान्य अनुज्ञा सं० 3(1)/65-सी० एल० बी०-II दिनांक 29 जनवरी 1966 रद्द करता हूँ।

रामचन्द्र सक्सेना,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

**इस्पात और खान मंत्रालय****(खान विभाग)****भारतीय खनि विभाग**

नागपुर, दिनांक 10 मई 1973

सं० ए०-19011(102)/70 सि० ए०—डा० आर० एस० दिनेश, रसायनज्ञ, भारतीय खनि विभाग को दिनांक 16-4-73 से तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग में प्रवर रसायनज्ञ के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिये मुक्त कर दिया गया है।

एस० बालगोपाल,  
कार्यालय-अध्यक्ष  
कृते नियंत्रक

**औद्योगिक विकास मंत्रालय****विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय**

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1973

सं० 12(713)/72-प्रशा० (राजपत्रित)—लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित हो जाने पर श्री ए० बी० साहा ने 1-1-1973 को पूर्वाह्न में लघु उद्योग सेवा संस्थान कलकत्ता में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पद-भार त्याग दिया।

सं० ए०-19018(1)/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग श्री एन० के० निओगी को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में एक अर्द्ध-स्थायी ल० उ० सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री निओगी ने 20-12-72 को पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 9 मार्च 1973

सं० ए०-19018/30/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग श्री वी० गोपाल कृष्णन् को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान त्रिचूर में एक अर्द्ध-स्थायी लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, शाखा सेवा संस्थान सिलचर (अन्तर्गत ल० उ० से० सं० गौहाटी) में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री गोपालकृष्णन् ने 18 जनवरी 1973 को पूर्वाह्न में उक्त पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 21 अप्रैल 1973

सं० 12(602)/68-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नयी दिल्ली श्री एम० एस० चौहान को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान इन्दौर में एक लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 31 मार्च, 1973 को अपराह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 26 अप्रैल 1973

सं० ए०-19018/43/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नयी दिल्ली श्री जोगांकुर राय को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में एक लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 24-3-1973 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018/47/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नयी दिल्ली श्री एन० जी० बी० सुब्रह्मण्यम् को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में एक स्थायी लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 26 मार्च को पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018/48/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नयी दिल्ली श्री पी० एस० सुब्रह्मण्यम् को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में अधीक्षक हैं, उसी सेवा संस्थान में छुट्टी पर गए श्री आर० एस० शिन्डे के स्थान पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/46/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग श्री एस० एम० भटनागर को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में एक लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 2 अप्रैल, 1973 को पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 9 मई 1973

सं० ए०-19018/8/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग श्री जी० सी० गोयल (अर्द्ध-स्थायी अन्वेषक) को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान पटना में ल० उ० सम्बर्द्धन अधिकारी हैं, अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान पटना के अन्तर्गत विस्तार केन्द्र रांची में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 5 मार्च, 1973 को पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

क० वे० नारायणन्,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

#### प्रमुख इंजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1973

सं० 5/2/70-ई०सी०-1—राष्ट्रपति, 1971 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर श्री राजेन्द्र प्रसाद भारद्वाज को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के स्थायी पद पर 1-3-1973 के पूर्वाह्न से परीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश सरवरिया,  
प्रशासन उप-निदेशक,  
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1973

सं० 2 8/9/71-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, श्री जी० जी० घोष, सहायक इंजीनियर (सिविल) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में बिल्कुल तदर्थ और अनंतिम आधार पर 30-6-1973 तक या जब तक स्थगन आवेश को कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा रद्द न किया जाए, जो भी पहले हो, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में स्थानापन्न बने रहने की अनुमति देते हैं।

वेद प्रकाश सरवरिया,  
प्रशासन उप-निदेशक

और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए नितांत अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 14-4-73 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन तथा 10 प्रतिशत भत्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री कैलाश नाथ ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 10 मई 1973

सं० क-19012/315/72-प्रशासन पांच—श्री एस० एस० गांगुली का संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किये जाने के फलस्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसाद से उन्हें केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 26-3-73 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री गांगुली उपर्युक्त तिथि तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

सं० क-19012/400/73, प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री के० एस० रंगास्वामी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 6-4-73 से आगामी आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री के० एस० रंगास्वामी ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन  
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और वि० आयोग

#### केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 8 मई 1973

सं० क-19012/399/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री कैलाश नाथ को केन्द्रीय जल

#### केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 11 मई 1973

सं० 3-297/73-ईस्ट II—श्री राजेन्द्र कुमार ठाकुर को दिनांक 30-3-1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उन

के मुख्यावास चन्डीगढ़ के साथ बेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डे  
अधीक्षक अभियन्ता

### परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजना

बम्बई-8, दिनांक 30 अप्रैल 1973

सं० 05000/327/37/18-330—भारी पानी परियोजना की सहायक लेखा अधिकारी कुमारी माणिक अनन्त प्रधान ने उनका विवाह हो जाने पर, 17-2-1973 से अपना नाम बदल कर श्रीमती माणिक मुकुन्द कार्णिक रख लिया है।

टी० सी० सत्याकीर्ति  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

### राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 4 मई 1973

संख्या रापविप/04627/2/(388)/71-377—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता ने (श्रीमती) रुतम्मा दानियल, इस परियोजना की अस्थायी सहायक-परिचारिका को इसी परियोजना में दिनांक 19 अक्तूबर, 1972 के अपराह्न से 30 जनवरी, 1973 के अपराह्न तक के लिए प्रधान परिचारिका के पद पर अस्थायी स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

आर० के० बाली  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

### कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1973

सं० ए० 32013/4/72-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री एस० वेंकास्वामी, सहायक निदेशक उपस्कर को श्री पी० जी० बार्डे के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने पर हुई रिक्ति में 12 अप्रैल, 1973 से नियमित व्यवस्था किए जाने तक उपनिदेशक (उपस्कर) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/7/72 ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री पी० जी० बार्डे उपनिदेशक (उपस्कर) को 12/4/1973 पूर्वाह्न से नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली नियुक्त किया है।

दिनांक 9 मई 1973

सं० ए० 19014/48/72-ई० एच०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री पी० जी० बार्डे, क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, 7-5-1973 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 31013/4/72-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री एस० मुखोपाध्याय को 5-10-1971 से नागर विमानन विभाग में सहायक निदेशक (उपस्कर)/विद्युत् और यांत्रिक अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

### केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 21 अप्रैल 1973

सं० 3/1973—श्री एन० राम मोहन राव, रसायन सहायक ग्रेड-I सीमा शुल्क प्रयोगशाला, मद्रास को दिनांक 30-3-73 (पूर्०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्रावीजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन,  
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

### वित्त मंत्रालय (अर्थ विभाग)

#### प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 7 मई 1973

सं० 3(15)/—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 3(15)/6853 दिनांक 12-10-72 के अनुबन्ध में, जिसके द्वारा श्री पी० एल० नारायणन, निरीक्षक (नियंत्रण) की स्थानापन्न रूप से प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के पद पर सं० 400-25-500 30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के बेतन मान में तदर्थ आधार पर दिनांक 9 अक्तूबर 1972 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिये नियुक्ति की गई थी, यह अधिसूचित किया जाता है कि उनको दिनांक 9 अप्रैल 1973 (मध्याह्न) से अगले 6 माह की अवधि के लिये उसी स्थिति में बने रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

पी० एस० शिवराम  
महाप्रबंधक

### रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1973

सं० 73/इल्यू० 4/सी० ओ० एन० एल०/एस० सी०/3—जनसाधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने मिराज-कुर्दुवादी-लाटूर छोटी लाइन खण्ड (364 कि० मी०) को बड़ी लाइन में बदलने और लाटूर से लाटूर रोड तक (34 कि० मी०) एक बड़ी लाइन

विधान के लिए प्रारंभिक इंजीनियरिंग एवं यातायात सर्वेक्षणों की स्वीकृति दे दी है। उक्त सर्वेक्षण दक्षिण-मध्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

एच० एफ० पिन्टो  
सचिव रेलवे बोर्ड

### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1973

सं० 752-ई०/167(ई०/ए०)—उत्तर रेलवे के दर्जा-II के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से अंतिम/अंतिम रूप से स्थायी कर दिया गया है।

क्रम सं०	नाम	स्थाईकरण की तारीख	कार्यालय जिसमें स्थाई किए गए हैं।
		अंतिम	अंतिम
1.	श्री आर० बी० माथुर (पहले से स्थायी किये जा चुके हैं)	25-3-73	12-11-72 भारतीय रेल यातायात सेवा।
2.	श्री एस० एन० मिश्र	12-11-72	19-11-72 भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा
3.	श्री जे० पी० शर्मा	19-11-72	—

सी० एस० परमेश्वरन  
महाप्रबन्धक

### केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-कार्यालय

बंगलौर, दिनांक 11 दिसम्बर 1972

सं० 12/72—केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, के निम्नलिखित श्रेणी II, अप्रेजर/अधीक्षकों ने वित्त मंत्रालय के दिनांक 16-11-72 के फा० सं० ए०-22012/8/72-ए०डी०-1 के अनुसरण में, रु० 400-400-450-30-510-द० रो०-700-40-1100-50/2-1250 के वेतन-मान में केन्द्रीय उत्पादनशुल्क अधीक्षकों, श्रेणी I, के रूप में पदोन्नत होने पर, उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीखों से तथा स्थानों पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी I, के अधीक्षकों का कार्यभार संभाल लिया है।

2-76GI/73

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तैनाती का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री			
1.	सी० पुष्पस्वामी	मुख्यालय कार्यालय, बंगलौर	22-11-72 दोपहर-पूर्व
2.	वी० वी० पंडित कारवाड़	परिमंडल कार्यालय	25-11-72 दोपहर-पूर्व
3.	बी० एस० पाटिल आई० डी० ओ० हुबली [अधीक्षक (टी) के रूप में]		4-12-72 दोपहर-पूर्व

सं० 13/72—वित्त मंत्रालय के आदेश फा० सं० 22012/8/72, दिनांक 16-11-72 के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के अधीक्षक, श्रेणी II, श्री टी० बी० पटसूप्ते ने, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, के रूप में पदोन्नत होने पर, श्री एस० काक सहायक समाहर्ता को कार्यभार से मुक्त करते हुए, 30-11-72 के दोपहर-बाद से सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, निपानी प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया है। श्री काक स्थानान्तरण पर इलाहाबाद चले गये हैं।

आर० वी० सिन्हा  
समाहर्ता

### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क क्लेक्टोरेट

बड़ौदा, दिनांक 13 अप्रैल 1973

सं० 2/73 निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों ने, जो इस कार्यालय सिबन्दी आदेश सं० 30/1973 दिनांक 13-3-73 के अधीन, स्थानापन्न रूप से श्रेणी-II अधिकारी नियुक्त किये गये थे, (इन्होंने) प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से प्रशासी अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति	तिथि से कार्यभार सम्भाला
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	के० के० महता	प्रशासी अधिकारी, मण्डल कार्यालय, नडीयाद	22-3-73 (पूर्वाह्न)
2.	पी० के० मुले	प्रशासी अधिकारी, मण्डल कार्यालय, अहम-दाबाद-1	20-3-73 (पूर्वाह्न)
3.	एम० वाय० पटेल	प्रशासी अधिकारी, मण्डल कार्यालय, बड़ौदा-11 (अपराह्न)	13-3-73
4.	एन० एम० परीख	प्रशासी अधिकारी, मंडल कार्यालय, सीमा शुल्क अहमदाबाद।	20-3-73 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
5.	के० के० देशाई	प्रशासी अधिकारी, मंडल कार्यालय, आणंद ।	29-3-73 (पूर्वाह्न)
6.	एच० सी० दवे	प्रशासी अधिकारी मण्डल कार्यालय भाव- नगर ।	15-3-73 (अपराह्न)
7.	के० बी० दवे	प्रशासी अधिकारी, सीमा शुल्क मण्डल कार्यालय, आदिपुर ।	15-3-73 (अपराह्न)
8.	सी० सी० भट्ट	प्रशासी अधिकारी, सीमा शुल्क, मण्डल कार्यालय, जामनगर ।	26-3-73 (पूर्वाह्न)
9.	पी० एम० कंसारा	प्रशासी अधिकारी, मंडल कार्यालय, बड़ौदा-1 ।	13-3-73 (अपराह्न)
10.	आर० सी० महेता	प्रशासी अधिकारी, मण्डल कार्यालय, अहमदाबाद-11	20-3-73 (अपराह्न)

डी० एन० लाल,  
समाहर्ता

डी० एन० लाल,  
समाहर्ता

**समाहर्तालय केन्द्रीय सीमा व उत्पादन शुल्क  
(केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विंग)**

कोचीन-3, दिनांक 26 अप्रैल 1973

सी० सं० 11/3/13/73-स्थापना-1—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के इस समाहर्ता कार्यालय के निम्नलिखित कार्यालय अधीनस्थों को प्रत्येक के नाम के आगे दिखाई गयी तिथि से प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (श्रेणी-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्ति की गयी है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वे क्षेत्र संगठन जहाँ पदोन्नति के बाद तैनात किया गया है	प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री पी० वासुदेवन	प्रशासन अधिकारी, आई० टी० ओ० एन० कुलम।	31-3-73 अपराह्न
2.	श्री टी० उस्मान कोया	प्रशासन अधिकारी, आई० टी० ओ० कोजिहकोडे।	28-3-73 पूर्वाह्न
3.	श्री टी० टी० गोविन्दन नायर	सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, मुख्यालय कोचीन।	26-3-73 पूर्वाह्न

एस० वेंकटरामा अश्वर,  
समाहर्ता

**कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय**

**कम्पनी अधिनियम 1956 और नाइट क्लब प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

दिल्ली, दिनांक 5 मई 1973

सं० 4499/4665—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नाइट क्लब प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और मिमानी इलेक्ट्रिकल्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

दिल्ली, दिनांक 5 मई 1973

सं० 5171/4667—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मिमानी इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर० के० जैन,  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,  
दिल्ली व हरियाणा

**कम्पनी अधिनियम 1956 और नालन्दा ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

पटना, दिनांक 7 मई 1973

सं० 20(843) 72-73/883—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नालन्दा ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीथ  
कम्पनी निबंधक, बिहार

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और देव बास एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

सं० 16655/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर देवदास एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० जी० अनन्तकृष्णन्,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

“कम्पनी अधिनियम 1956 और जयटेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में”।

चण्डीगढ़, दिनांक 7 मई 1973

सं० G/stat/560/2239—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जयटेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश व चण्डीगढ़

“कम्पनी अधिनियम, 1956 और महाकोशल मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर के विषय में”।

ग्वालियर-1, दिनांक 10 मई 1973

सं० 29/लिवरी/256—कम्पनी पिटीशन संख्या 7 की 1969 में मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय, जबलपुर ने तारीख 30 मार्च, 73 के आदेश द्वारा महाकोशल मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर का परिसमापन करने का आदेश दिया है तथा सरकारी परिसमापक को इस कम्पनी का समापन नियुक्त किया है।

महेश प्रसाद,  
समवाय पंजीयक, मध्य प्रदेश,

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना।

बम्बई-20, दिनांक 9 मई 1973

निर्देश सं० अर्जन इ-3/22/72-73—यतः, मुझे श्री आर० वी० नेरूरकर, नि० सं० आ० अर्जन इ-3 बम्बई 1 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार, मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 1139 बं० 50 न० पा० सं० जी-3058, सयानी रोड, है, जो (1) 522 पहली खेड गली, वार्ड जी० 522, बम्बई-25 डीडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 30-11-72 को समाप्त पञ्चाङ्गे को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री यशवंतलाल नरोत्तमदास कन्ट्रेक्टर,
2. मैसर्स भारत टिम्बर इंडस्ट्रीज (बम्बई) प्रा० लि० (अन्तरिती)
3. —यथोक्त—  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —यथोक्त—  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए

आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम भाग या टुकड़ा जो एल्फिन्स्टन रोड पर स्थित और पड़ा हुआ है, बम्बई के फोर्ट से बाहर रजिस्ट्रीकरण उप-जिले में है, नाप से 1058 वर्गगज या उसके लगभग में (884-62 वर्गमीटर के लगभग के समकक्ष) के घेरे में है, और बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में रजिस्ट्री किया हुआ है, जिसकी सं० 8, पत्रक, 530 कडेस्ट्रल सर्वे सं० 1139, लोअर परेल डिवीजन है और इस प्रकार घिरा हुआ है। पूर्व की ओर या में जेओ गिरगांव डिसोजाकी सम्पत्ति से पश्चिम की ओर या में एक निजी सड़क से, उत्तर की ओर या में नरानदास गोपलाजी की सम्पत्ति से और दक्षिण की ओर या में निजी सड़क से।

निर्देश सं० अर्जन इ-3/21/72-73—यतः, मुझे, श्री आर०जी० नेहरूकर, नि० सं० आ० अर्जन इ-3 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० न० सं० 1139 बं० मं० न० पा०/सं० जी०-3058, सयानी रोड है, जो (1) 522, पहली खेड गली, वाई जी० 522, बम्बई-25 डी० डी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1972 को समाप्त पखवाड़े को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीलाल नरोत्तमदास कन्ट्रैक्टर (अन्तरक)
2. मैसेस भारत टिम्बर इंडस्ट्रीज (बम्बई) प्रा० लि० (अन्तरिती)
3. —यथोक्त— (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —यथोक्त—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।



## अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम भाग या टुकड़ा जो एल्फिन्स्टन रोड पर स्थित और पड़ा हुआ है, बम्बई के फोर्ट से बाहर रजिस्ट्रीकरण उपजिले में है, नाप से 1058 वर्गगज या उसके लगभग में (884-62 वर्ग मीटर के लगभग के समकक्ष) के घेरे में है, और बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में रजिस्ट्री किया हुआ है, जिसकी सं० 5, पत्रक सं०, 530 कडेस्ट्रल सर्वे सं० 1139 लोअर परेल डिवीजन है और इस प्रकार घिरा हुआ है। पूर्व की ओर या में जो गिरगाव डिसोजा की सम्पत्ति से पश्चिम की ओर या में एक निजी सड़क है, उत्तर की ओर या में नरानदास गोपालजी की सम्पत्ति से और दक्षिण की ओर या में निजी सड़क है।

आर० जी० नेरुरकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख 9-5-1973

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

बम्बई-400020, दिनांक 11 मई 1973

सं० अ० सं० 10 नि० सं० आ० अ० ई-4/73-74—यतः, मुझे, एन० डी० अन्जारिया नि० सं० आ०, अ० ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 280 हिस्सा सं० 15 सी० टी० एस० सं० 1268 है, जो गांव-राजन, दांडा, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री (अन्तरक)  
रोलाबट परेशग्र गौर भिसेस अनी परेश, 32 बी, राजन, बांद्रा, बम्बई-50.
- (2) श्री (अन्तरिती)  
हम्बल होम को आ० हाऊसींग सोसायटी लिमिटेड  
प्लॉट सं० एन्० ए० 345, शेर्ली, राजनरोड, बांद्रा  
बम्बई-50.

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

वह भूमि जो गांव-राजन् में है, सर्वेक्षण सं० 280, हिस्सा सं० 15, सी० टी० एस० सं० 1268, ब 326 वर्गगज है।

सं० अ० सं० 9/नि० सं० आ०, अ० ई०-4/73-74—यतः मुझे, एन० डी० अन्जारिया, नि० ब० आ० अ-ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 439, हिस्सा सं० 6-भाग (ए०) है, जो कोले कल्याण बी० एस० डी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 24-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम सुरेश सदार रामगानी, 31, माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50। (अन्तरक)
2. कुमारी लिन्डेन को आ हाऊसींग सोसायटी लिमिटेड, राधा भवन, हिंदु कालोनी, रोड-2, बम्बई-14। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिआक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खाली भूमि या प्लाट जिसका क्षेत्रफल 422 वर्ग गज है तथा सर्वेक्षण सं० 439, हिस्सा सं० 6-भाग (ए), और जो कोलेकल्याण, बम्बई, उपनगर जिले, में स्थित है।

दिनांक 16 मई 1973

सं० अ० ई०-2/10/5/73-74—यतः, मुझे, श्री एन० डी० अन्जारिया, नि० सं० अ०, अर्जन इलाका-2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 292, एच नं० 1 (अंश) है, जो कुर्ली-गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 279-ग अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ए०-एच० बाड़िया चेरिटी ट्रस्ट, बम्बई के ट्रस्टी (अन्तरक)।
- (2) श्री सुशील कुमार द्वारकानाथ वैद्य 8, नार्वे अपार्टमेंट, शीव, बम्बई-22 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

- (1) अर्देसीर करसेठजी पेस्टनजी बाड़िया।
- (2) नरी करसेठजी पोस्टनजी बाड़िया।
- (3) जहांगीर अदसीर करसेठजी बाड़िया।
- (4) रट्टी करसेठजी पेस्टनजी बाड़िया।
- (5) शेरों अर्देसीर करसेठजी बाड़िया।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 -क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम भाग या खण्ड जो बृहत् बम्बई में कुर्ला गांव में बम्बई उपनगर जिला (अब बृहत् बम्बई), रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, तालुका दक्षिण सालसेट्टे में स्थित है, जिसकी सर्वेक्षण सं० 292 (हिस्सा सं० 1 (अंश) कुर्ला गांव की. है और नाप में 746-41 वर्ग गज (624 वर्ग मीटर या उसके लगभग) है, तथा निम्नलिखित अर्थात् उत्तर में या की और सर्वेक्षण सं० 292 (अंश) से, जो आर० डब्ल्यू० गुडल के कब्जे में हैं, दक्षिण में या की और, सर्वेक्षण सं० 292 (अंश) जो एम० एस० खानोबकर के कब्जे में है, पश्चिम में या की और 60 फीट की प्रस्तावित सड़क और सर्वेक्षण में 292 (अंश) तथा पूर्व में या की और सर्वेक्षण सं० 292 (अंश) और उस प्लान में, जो इससे उपाबद्ध है, उस पर लाल रंग में रेखांकित की गई है।

अ० सं० अ० ई०-2/11/6 73-74 16 मई, 1973—यतः, मुझे श्री एन० डी० अन्जारिया, नि० सं०, आ०, अर्जन-ई०-2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 292, एच० नं० 1 (अंश) है, जो कुर्ला, गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितवे (अन्तरितियों) के बीच तक पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) ए०-एच० वाडिया चेरिटी ट्रस्ट, बम्बई के ट्रस्टी, (अन्तरक)।
- (2) श्री सुशील कुमार द्वारकानाथ वैद्य, 8 नार्वे अपार्टमेंट, शीव, बम्बई-12। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियों शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्तसबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

- (1) अर्देशिर करसेठजी पेस्टनजी वाडिया।
- (2) नरी करसेठजी पेस्टनजी वाडिया।
- (3) जहांगीर अर्देशीर करसेठजी वाडिया।
- (4) रट्टी करसेठजी पेस्टनजी वाडिया।
- (5) शेरों अर्दुस्तर करसेठजी वाडिया।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम भूतल या खण्ड, जो बहुत बम्बई में कुर्ला गांव में, बम्बई-उपनगर जिला (अब वृहत् बम्बई), रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, तालका दक्षिण सालसेट्टे में स्थित है, जिसकी सर्वेक्षण

सं० 292 हिस्सा 1 (अंश) कुर्ला गांव की है और नाप में 303-78 वर्गगज (254-00 वर्गमीटर के बराबर या उसके लगभग) हैं, तथा निम्नलिखित से घिरा हुआ है, अर्थात् उत्तर में या की और सर्वेक्षण सं० 292 (अंश) से, जो श्री एस० डी० वैद्य, के कब्जे में और अंशतः आर० एम० एम० कुपीर के कब्जे में पश्चिम में या की और 60 फीट चौड़ी प्रस्तावित सड़क और पूर्व में और सर्वेक्षण सं० 292 (अंश), बी० श्री एस० डी० वैद्य के कब्जे में है। और इस प्लान में, जो इससे उपाबद्ध है। तथा उस पर लाल रंग में रेखांकित है।

एन० डी० अन्जारिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख 16-5-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

निदेश सं० टी० आर०-707/सी० 127/कलकत्ता-1-72-73 आइ० ए० सी०/अक्यूजिशन/आइ-1/कलकत्ता—यतः, मुझे श्री एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये को अधिक है और जिसकी सं० 99/5/1/2 है, जो बालीगंज प्रेस कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ अस्योरेस, न० 5, गवर्नमेंट प्रेस, नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-11-72 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ललिता घोष (अन्तरक)
- (2) डा० समिर कुमार बिश्वास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खाली वस्तु जमीन का बटा हुआ उत्तरी भाग जिसका नम्बर, 99/5/9/2, वाली गंज प्लेस, कलकत्ता, क्षेत्र-5 कठा, 2-छटाक और 8 बर्ग फीट के करीब।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निदेश सं० एसी० 3/आर०-II/कैल/73-74—यतः मुझे श्री एम० एन० सिवारी, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम 3-76GI/73

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24/1 है, जो बेलविड्येर रोड अलीपुर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सेज 5 गवर्नमेंट प्लेस आफ कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके, दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य, से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने के लिए सुकर बनाना और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती आलोकलता पात्र (अन्तरक)
- (2) श्री कालीपद बनर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो

भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

नं० 24/1, बेलबिडेयर रोड अलीपुर कलकत्ता में स्थित खाली जमीन ।

निर्देश सं० एसी० 2 (आर II) कैल/73-74—यतः, मुझे, श्री एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24/1 है, जो बेलबिडेयर रोड, अलीपुर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्तेज 5 गवर्नमेंट प्लेस आफ कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी बिजन बालावास (अन्तरक)
2. श्री कालीपद बनर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

नं० 24/1, बेलबिडेयर रोड अलीपुर कलकत्ता में स्थित खाली जमीन ।

दिनांक 10 मई 1973

निर्देश सं० एसी-1/आर०-II/कैल/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो पार्क-साइड रोड थाना टालीगंज कलकत्ता-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ़ ऐस्योरेन्सेज 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 नवम्बर, 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) डा० सोमेन्द्र चन्द्र गुप्त (अन्तरक)  
(2) श्री प्रदीप कुमार नन्दी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 13 पार्कसाइड रोड थाना टालीगंज कलकत्ता-26 में 4 कडा 2 छटाक 19 वर्ग फीट भूमि तथा जिस पर खड़ा मकान इत्यादि।

सक्षम प्राधिकारी  
एम० एन० तिवारी

पी-13, चौरंगी स्थावर कलकत्ता अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1973

निर्देश सं० 244/72-73—यतः, मुझे, टी० श्री राम नरसिम्हम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 321/1 काली भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाइन्ट सब रजिस्ट्रार-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मार्च 15 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने का कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री बी० स्वामिनाथन (अन्तरक)
- (2) श्री लता स्वामिनाथन
- (3) श्री मति आर० मुर्ज्जी
- (4) श्री गोविन्द स्वामिनाथन—निगमिन प्रतिनिधि ए० सुब्रह्मण्यम

[2. श्रीमति शैलिनी रवीन्द्रन (अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि आर० एस० नं० 321/1।

निर्देश सं० 239/72-73:—यतः, मुझे, टी० श्री डाम नरसिम्हन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० आर० एस० सं० 359/सी० सी० सं० 381 प्लॉट नाट सं० B है, जो 55, हार्मिंगटन रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाइन्ट सब रजिस्ट्रार-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मार्च, 2 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कोता रघुरामेय्या, और श्रीमति लक्ष्मी नारायनम्मा 14, अशोका रोड, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. श्री एम० कृष्णमूर्ति, 26 स्टेलिंग रोड, (अन्तरिती) मद्रास-34

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की



तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आर० एस० सं० 359, सी० सी० सं० 381, प्लाट-बी० 3-ब्रौड, 180 स्क्वेयर फीट 55, हार्टिंगटन रोड, मद्रास।

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1973

निर्देश सं० 240/72-73—यतः, मुझे, श्री टी० श्री रामनरसिंहम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एन० सं० 359/सी० सी० सं० 381 प्लाट-ए है, जो 55 हार्टिंगटन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाइन्ट सब रजिस्ट्रार-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री कोतारपुरामेंय्या, और श्रीमती लक्ष्मी नारायणम्मा  
14, अशोका रोड, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. श्री एम० कृष्णमूर्ति,  
26 स्टर्लिंग रोड, मद्रास, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आर० एस० सं० 359/सी० सी० सं० 381-प्लेट-ए०  
3 ग्रांड, 182 स्क्वेयर फीट 55, हरिंगटन रोड, मद्रास

निर्देश सं० 241/72-73—यतः, मुझे, श्री टी० श्रीराम नरसिम्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 359/सी० सी० सं० 381, प्लेट-सी० है, जो 55, हरिंगटन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाब्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाइन्ट सब रजिस्ट्रार-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 279-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) कोता रघुरामेरय्या और श्रीमती लक्ष्मी नारायणम्मा, 14, अशोक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० शिवभाग्यम्, 26 स्टेलिंग रोड मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आर० एस० सं० 359, सी० सी० सं० 381, प्लेट-सी०, 3-ग्रांड 433-स्क्वायर फीट 55, हरिंगटन रोड, एगमोर, मद्रास।

निर्देश सं० 191/72-73—यतः, मुझे, श्री टी० श्रीराम नरसिम्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लेट सं० 17/1 है, जो हरिंगटन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पश्चिम मद्रास पेरिमेड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती, धनमाल, श्री एस० गोविन्दराजुलु नायडु, 9/1 बेल्लाल गलि ऐयनावरम, मद्रास । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जयलक्ष्मी सुन्दरमूर्ती, 58, त्यागराय रोड, मद्रास-17 । (अन्तरिती)
- (3) श्रीमती नम्बू चेट्टी (मासिक (वह व्यक्ति, जिसके बारक पर रहनेवाली) अधिभोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एगमोर गांव के ओ० एस० सं० 91, आर० एस० सं० 353 में बसा हुआ प्लॉट 17/1 ले आउट सं० 250 (1959 के)—हारिंगटन रोड, मद्रास-2 ग्रीड, 260 स्कोयर फीट (110' × 46') पश्चिम मद्रास रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, मद्रास ।

निर्देश सं० 18372/73—यतः मुझे टी० श्रीराम नरसिम्हम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट-4 है, जो गिलक्रिस्ट गार्डन्स में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जार्जन्ट सब रजिस्ट्रार-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विजय स्वामिनाथम्, (2) कुमारी श्रीलता स्वामिनाथम्, (3) श्रीमती रेवती मुकर्जी, (4) श्रीगोविन्द स्वामिनाथन, (अन्तरक)

(2) श्री भी० एम० पटेल और आर० भी० पटेल, 11, अकारा, हरिताटन रोड, मद्रास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

\*\*\*

\*\*\* यह सभी काली भूमि जो उपाबद्ध प्लान में प्लॉट 4 है और लाल रंग से दिखाया गया है और जो 3 ग्राउंड और 13 स्क्वेयर फीट और जिसकी पश्चिमी ओर 55'; पूरब 45', उत्तर 117'-6" और दक्षिण 132'-6" और जिसके उत्तर में "अंकारा" मकान; पश्चिम में प्लॉट-5; दक्षिण में 12' रोड और पूरब में गिलिफ्रस्ट अवन्यू रोड है । यह 42, हारिंगटन रोड, चेल्मुट्ट, मद्रास 31 में एगमोर के आर० एस० सं० 321/1 में बसा है ।

नि० सं० 197/72-73—यतः, [मुझे टी० श्री रामनरसिम्हम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन समझ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 है, जो रटलन्ड गेट, IV गल मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाहन्ट सब रजिस्ट्रार-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती एम० अलगम्मी, 8, विषफ, बालन अवन्नु, लेन (पश्चिम), मद्रास-4 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती (डा०) ए० रहमन उप्पीसा 51, कवण चेट्टी गली, मद्रास-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आपेक्षों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

6, रतलण्ड गेट-4 गली, मद्रास-6।

(टी० श्री० रामनरसिम्हन)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 30-4-73

मोहर

† (जो लागू न हो उसे काट दें)

एरणाकुलम, दिनांक 4 मई 1973

निर्देश सं० एल० सी० 1/73-74—यनः, मुखे के० राजगोपालन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20/577, टी० बी० रोड, पालघाट है, जो कोप्पम अथं कीपुमुरी देशं, ब्लोक नं० 4/16, पालघाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालघाट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत प्रलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

4-76GI/73

के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुलेमान 2, खातर मोहदीन, पुत्र ई० नूरमोहम्मद रावत्तर, रोबिनसन रोड, कोप्पम, अंश देशं। (अन्तरक)

2. श्री पिरगिरी अंशं पल्लिपुरम ग्रामं, पी० एस० लक्ष्मी-नारायण अय्यर, पुत्र सुप्रह्लादम अय्यर। (अन्तरिती)

† 3. डिप्टी चीफ एकाउन्टेन्ट, केरल स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड, रेवेन्यू बिल्डिंग डिवाजन, टी० बी० रोड, पालघाट। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)।

† 4. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए

जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोप्पांश, कीर्पुमुरी देश, ब्लॉक 4/16, सं० नं० 855-2ए०-57 सेन्ट०, सं० नं० 860-2 बी०-27 सेन्ट—टी० बी० रोड के पश्चिम भाग के मकान, उसमें स्थित संडास खाना, स्थान-घर, और पूर्वी-पश्चिम की भित्ति तथा मकान के दक्षिण में स्थित कुआं के 50 प्रतिशत अधिकार—

निर्देश सं० एल० सी० 2/73-74—यतः, मुझे, के० राजगोपालन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 421/6जी०, 6/42/ई०, 6/42/ई० है, जो वाई० एम० सी० ए० रोड, कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दत्तान्त्रि राऊजी गौरे, पुत्र राऊजी अनंत गौरी शास्त्री, कलत्तिल कुम्भु। (अन्तरक)

2. श्रीमती परयाणी काण्डी वेदुत, माधवी, 2, हेमलता, 3, बेरीन घलयराडु। (अन्तरिती)

3. श्री केरला ट्रान्सपोर्ट कंपनी एन्ड बालकृष्णन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कालिकट टाऊन के कलत्तिल कुम्भु अंश देश में पट्टाकान्डी परबु। ए० 40/सी-4-आर० एस० 6-8-208—में जमीन तथा मकान—क्षेत्रफल 0.208 एकड़—50 प्रतिशत अधिकार।

के० राजगोपालन,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

तारीख : 4-5-73

मोहर :

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी०-1/73-74—यतः, मुझे, एम० के० कृष्णस्वामी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-7-688 है, जो दीवान हेवडी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972 नवम्बर 16 तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अब्बास यार जंग (अन्तरक)  
नावाब यार जंग दिवान हेवडी हैदराबाद
2. श्री सय्यद फयाज उल्ला खानन (अन्तरिती)  
सय्यद साले मुहम्मद पंजशा, हैदराबाद

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

#### अनुसूची

हैदराबाद (आ० प्र०) निजाम बाग, दिवान हेवडी के अन्दर घर नं० 22/7/ 688 का एक भाग क्षेत्रफल : 829 वर्ग गज, 693 वर्ग मीटर

उत्तर : 40', सरकारी रास्ता

दक्षिण : अब्बास यार जंग के अपूर खाना

पूरब : अब्बास यार जंगका घर

पश्चिम : अब्बास यार जंग का घर

एम० के० कृष्णस्वामी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख :—9-5-1973  
मोहर

पूना-411004 दिनांक 16 मई 1973

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसंबर-72/ कलयान/73-74—यतः, मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्थी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 15 (बी०) रामबाग लेन-5 है, जो कलयान, जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलयान, जिला थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 369-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (ए) श्री गणपत बालकृष्ण अध्याल  
(बी) श्रीमती राधाबाई बालकृष्ण अध्याल  
(सी) श्रीमती विमल विश्वास उलप, रामबाग लेन-5 कलयान (अन्तरक)
2. श्री झुजार कालाभाई झागवाला, स्टेशन रोड, कलयान (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट और मकान—रामबाग लेन-5।

हाउस नं० 15(बी), कलयान, जिला थाना।

प्लॉट क्षेत्रफल—764 स्क्वेयर मीटर्स

मकान—2 इमले (आर० सी० सी० कन्स्ट्रक्शन)।

निर्देश सं० सी० ५० 5/दिसंबर 72/थाना/73-74 यतः, मुझे, एस० पी० कृष्ण मूर्थी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 6(पी०) 7(पी०) चेंबणी है, जो थाना जिला में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 दिसम्बर, 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957



(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इंडियन ह्यम पाइप कंपनी, कन्स्ट्रक्शन हाउस, बलाड ईस्टेट, फोर्ट, बांबे। (अन्तरक)
2. (ए) श्री केशव टी० रानडे, थाना।  
(बी) श्री मुकुद के० नातू, थाना।  
(सी) श्रीमती सुधा मधुकरे पटवर्धन, थाना।  
(डी) श्री चंद्रशेखर पी० परांजपे, थाना।  
(ई) श्री एम० बाई० परांजपे, थाना।  
(एफ) श्री भाधव के० नातू, थाना। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसूची

स० नं० 6 (पी०), 7 (पी०), चेंदणी, जिला थाना।

फी होल्ड प्लॉट—क्षेत्रफल 927-96 वर्ग मीटर्स।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

पुरुष आई०टी०एन०एस०.....

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर-72/थाना/73-74 यतः, मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स० नं०-6, चेंदणी है, जो थाना जिला में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इंडियन ह्यूम पाइप कंपनी कन्स्ट्रक्शन हाउस ब्लाईड, इस्टेट, फोर्ट बाम्बे। (अन्तरक)
2. (ए) श्री केशव टी० रानडे, थाना  
(बी) श्री मुकुंद के० नातू, थाना :  
(सी) श्रीमती सुधा मधुकर पटवर्धन, थाना।  
(डी) श्री चंद्रशेखर, पी० परांजपे, थाना।  
(ई) श्री एम० बाई० परांजपे, थाना।  
(एफ) श्री माधव के० नातू थाना। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सं० नं० 6, चेंदणी, थाना, जिला थाना।

फ्री होल्ड प्लॉट—क्षेत्रफल 1688.92 स्केयर मीटर्स

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर-72/उल्हासनगर/73-74—  
यतः, मुझे एस० पी० कृष्णमूर्ती आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 668, सेक्शन 7-B है, जो उल्हास नगर नं० 3, थाना जिला में स्थित है (और इसके उपाबन्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री सेवानंद जेठाराम, बाघवानी, बरैक नं० 405, कैप-1, उल्हास नगर, जिला थाना, (अन्तरक)
2. श्री ग्यान चन्द वेरोहमल, चेयरमैन, जय अपार्टमेंट्स को-ऑप-सोसायटी, थाना, (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर

पूर्वाक्त व्याक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के लिए समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 668, सेक्शन 7-B, उल्तास नगर-3 जिला थाना।  
क्षेत्रफल —585 वर्ग मीटर।

निर्देश सं० सी० ए० 5/के०अरी-73/हवेली-II/73-74—यतः, मुझे एस० पी० कृष्णामूर्थी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 372-ए/1, पूना, प्लॉट नं० 4 (पार्ट), 5, 6, 9 (पार्ट) 10 एण्ड 11 (पार्ट) है, जो कोरेगांव पार्क, पूना, में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शामलता कुमारी बी० एन० सिन्हा, सिन्हा सागरा, कोरेगांव नार्थ, मेन रोड, पूना-1 (अन्तरक)।
2. कुमारी सुनीवाई शापूजी अंकलेसरीया 5, प्रीन्स आफ बैल्स ब्राइन्ड, पूना-1 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

ओपन लैंड और प्लाट नं० 4 (पार्ट), 5, 6 (पार्ट) 9 (पार्ट), 10, 11 (पार्ट)—सर्वे नं० 372-ए/1, कोरेगांव पार्क, पूना-1 क्षेत्रफल—22325 वर्ग फीट ।

निर्देश सं० सी० ए० 5/फेब्रु०-73/हवेली-II/73-74—यतः, मुझे एस० पी० कृष्णमूर्थी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 372-ए/1, प्लाट नं० 3 एण्ड 4 (पार्ट) और 11 (पार्ट) है, जो कोरेगांव पार्क पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना, हवेली-II, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1 श्रीमती शमलता कुमारी बी० सिन्हा, सिन्हा हाऊस, कोरेगांव नार्थ, मेन रोड, पूना-1 (अन्तरक) ।
- 2 श्री दीनशा शापूजी, अंकलेसरीया, नं० 7 फेडरीक टरेसेस, एम० जी० रोड, पूना-1, (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

ओपन प्लाट नं० 3 तथा 4 (पार्ट) और 11 (पार्ट) सं० नं० 372-ए/1, पूना कोरेगांव, पार्क, पूना-1 क्षेत्रफल—9773 वर्ग फीट ।

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी 73/हवेली-II/73-74—यतः, मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्थी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, सं० नं० 372-ए/1 है, जो कोरेगांव पार्क, पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती देवी एम० सिन्हा, सिन्हा हाउस, कोरेगांव नार्थ, मेन रोड, पूना-1, (अन्तरक) ।

2. श्री दिनशा शापूजी अंकलसरीया, नं० 7, फ्रेडरीक टेरेसस, एम० जी० रोड, पूना-1 (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

5—76GI/73

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

ओपन प्लॉट नं० 2, स० नं० 372/ए/1, कोरेगांव पार्क, पून-1, क्षेत्रफल—7294 वर्गफीट ।

एस० पी० कृष्णामूर्थी,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

मोहर :

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एसआर-1/(मार्च) (1)/14(41)/73-74—यतः, मुझे, पी० के० शर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14 है, जो मार्केट सैक्टर नं० 1, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा तय पाया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीम सेन फुल्ल पुत्र श्री स्व० श्री मथुरा दास मबारा नागराथ पेन्टस लिमिटेड माल रोड, कानपुर (अन्तरक)।

2. श्री मोहन लाल महाजन पुत्र श्री मुन्शी राम महाजन, 25/122 शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० 14, मार्केट सैक्टर नं० 1, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 142 वर्ग गज है और जो निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : दुकान नं० 12

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : मार्केट का अहाता

निर्देश नं० आई०ए० गी०/एक्यू-1/ए(7)/11(29)/72-7  
—यतः मुझे, पी० के० शर्मा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जी-33 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री खुशी राम निवासी एच-60 ढाका, दिल्ली-9। (अन्तरक)।

2. श्री हरीश चन्द्र पुत्र श्री मोती राम निवासी ई-35 कीर्ति नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 50 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० जी-33, बाली नगर नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क

पूर्व : प्लॉट नं० जी-34

पश्चिम : प्लॉट नं० जी-32

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एनयु-1/ए(4)/9(23)/72-73—यतः, मुझे, पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/₹ १० से अधिक है और जिसकी सं० ई 4/25 है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे आबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नसीम अन्सारी पुत्र मोहम्मद नईमन अन्सारी, ई 4/25 माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरक)।

2. श्रीमती तारा देवी कोकला पत्नी श्री शिव नारायण शास्त्री, ई 4/25 माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० ई 4/25 माडल टाउन दिल्ली जो कि 324 वर्गगज की होल्ड, प्लॉट पर बना हुआ है और निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :

दक्षिण : मकान नं० ई 4/24-बी

उत्तर : सड़क

पूर्व : मकान नं० ई 4/28

पश्चिम : सड़क

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/ए (6) 9(26)/72-73 —यतः मुझे पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी-11/5 है, जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं :—

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री (i) श्री मंगल राम पुत्र श्री बारू मल, निवासी गांव ब डाकखाना जैनपुर, तहसील सोनीपत, जिला रोहतक (हरयाना) (ii) श्रीमति कलावली बेवा श्री जय नारायण, निवासी मकान नं० 4316 गली बहूजी, पहाड़ी धीरज, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मंगल सेन टन्डन पुत्र श्री सरदार मल, निवासी एफ 14/9, माडल टाऊन, दिल्ली (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आदेश किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० सी०-11/5, माडल टाऊन दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 450 वर्गगज है और जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर—प्लॉट नं० सी० 11/6

दक्षिण—दूसरों की भूमि

पूर्व—प्लॉट नं० सी० 11/3

पश्चिम—सड़क

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/ए (7)/24(65)/72-73 यतः मुझे पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये के अधिक है और जिसकी सं० 60 है, जो दक्षिण पटेलनगर मारकीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—



(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और मत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी, परनी श्री साहेब दयाल खुराना 5/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली: (अन्तरक)

2. श्री रवि किरण पुत्र श्री राम लाल 30/15 ए० वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. सर्व/श्री (i) विद्यासागर कपूर  
(ii) एम० एल० शर्मा  
(iii) टी० एन० चड्ढा 60, दक्षिण पटेल नगर मार्कीट, नई दिल्ली।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दो मंजिल दुकान नम्बर 60, दक्षिण—पटेल नगर मार्कीट दक्षिण पटेल नगर, नई दिल्ली में जो कि लगभग 68 वर्गगज भूमि पर बनी हुई है और जिसकी सीमायें निम्नलिखित हैं:

उत्तर—दुकान नं० 59

दक्षिण—दुकान नं० 61

पूर्व—गली

पश्चिम—मार्ग

पी० के० शरण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 18-5-73

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

नई दिल्ली, दिनांक 168 मई 1973

सं० एल० डी० एच० 141/73-74—यतः, मुझे म० ध० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित स्थावर मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 586 है, जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि (अन्तरकों) को अन्तरिती (अतिरिक्तियों) के वस्व तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुशील गिल पति श्री बी० एस० गिल, 2557/35-सी० चण्डीगढ़ (अन्तरक) ।
- (2) श्रीमती प्रितिभा कुमार पति श्री यशपाल कुमार, 586 माडल टाऊन, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कोठी नं० 586 माडल टाऊन, लुधियाना

प्ररूप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

सं० एल० डी० एच० 142/73-74—यतः, मुझे ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, या विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित स्थावर मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 586 है, जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुशील गिल पति श्री बी० एस० गिल 2557/35-सी० चण्डीगढ़ (अन्तरक) ।
- (2) श्री बहादुर सिंह पुत्र आतमा सिंह 199 माडल टाऊन, लुधियाना ।

- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट न० 586, माडल टाऊन, लुधियाना

सं० एल० डी० एच०/143/73-74:—यतः, मुझे ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये को अधिक है और जो कि म० नं० BXIX 132 के पीछे है, जो रानी सांसी रोड (घुमार मण्डी) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री रमेश चन्द्र, राजेश चन्द्र, (अन्तरक)  
श्रीमति दर्शना सिंगला और  
श्रीमति अचला प्रकाश, 19-  
कानूनगो, लाला का बाजार  
मेरठ शहर।
- (2) श्री ज्ञान चन्द पुत्र अर्जुन दास (अन्तरिती)  
मण्डी बाग, खजानचिया,  
लुधियाना।
- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।
- (4) श्री/श्रीमति/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्-  
पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में

हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रिहायशी प्लॉट जो कि म० नं० बी० XIX 132 के पीछे, रानी झांसी रोड़ पर है।

सं० एल० डी० एच०/144/73-74:—यतः, मुझे, ग० प० सिंह सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भाग मकान नं० 1322, है, जो रजिन्द्र नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शिवनाथ राय लखन (अन्तरक)  
पाल मकान नं० 1322  
राजिन्द्र नगर, लुधियाना।
- (2) श्री राम लाल बाजार सराफा, लुधियाना (अन्तरिती)
- (3) श्री सक्की गीता पाठशाला (वह व्यक्ति, जिसके मकान नं० 1322, रजिन्द्र अधिभोग में सम्पत्ति नगर लुधियाना। है)।
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके, बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भाग मकान नं० 1322, राजिन्द्र नगर लुधियाना

सं० एल० डी० एच०/144/73-74:—यतः, मुझे ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये को अधिक है और जिसकी सं० भाग म० नं० 1322 है, जो राजिन्द्र नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना : और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शिवनाथ राय लखनपाल (अन्तरक)  
पुत्र श्री राधा किशन बासी  
मकान नं० 1322 राजिन्द्र  
नगर लुधियाना
- (2) श्रीमती रूप रानी बी० VIII— (अन्तरिती)  
105, कोठी मेघसिंह,  
लुधियाना ।
- (3) सच्ची गीता पाठशाला, मकान (वह व्यक्ति जिसके  
नं० 1322 राजिन्द्र नगर अधिभोग में सम्पत्ति  
लुधियाना है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भाग म० नं० 1322 राजिन्द्र नगर, लुधियाना

सं० एल० डी० एच०/144/73-74:—यतः मुझे, ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये को अधिक है और जिसकी सं० भाग म० नं० 1322 है, जो राजिन्द्र नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय

पाया गया ऐसे अन्तरक के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शिव नाथ राये लखन- (अन्तरक)  
पाल पुत्र श्री राधा किशन  
वासी रजिन्द्र नगर, लुधियाना
- (2) श्री अमरद प्रकाश पुत्र श्री (अन्तरिती)  
राम लाल सच्चि गीता पाठ-  
शाला वासी बी VIII-105 कोठी मेघसिंह लुधियाना  
मकान नं० 1322 रजिन्द्र नगर, लुधियाना

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग म० नं० 1322, रजिन्द्र नगर, लुधियाना

निदेश सं० एलडीएच/145/73-74 यतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो टगोर नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1 का 16) के अधीन 17-11-1972 को पूर्वाजित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने के लिए सुकर बनाना और/या:

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) गुरदीप सिंह पुत्र बलवन्त सिंह; सुरजीत सिंह पुत्र भगत सिंह; प्रीतम सिंह पुत्र मेवा सिंह गांव नारंगवाला त० और जिला लुधियाना। (अन्तरक)
  - (2) श्री ओम प्रकाश भल्ला; बनवारी लाल भल्ला पुत्र किशोरी लाल 1017 टागोर नगर लुधियाना। (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

400 वर्ग गज पलाट टागोर नगर लुधियाना।

निर्देश सं० एल० डी० एच०/146/7374/—यतः, मुझे, जी० पो० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)—अर्जन रंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2173 मकान नं० वो-XVIII है जो पीरुबन्दा महला

अबदुल्लापुर दुगड़ी रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19.....को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती माया कौर पत्नि भगत सिंह 500/3 माडल टाऊन लुधियाना (अन्तरक)
- (2) इरमोहन सिंह पुत्र भगत सिंह 500/3 माडल टाऊन लुधियाना (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि

कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी०-XVIII/2173 आकार 1228 1/2 वर्ग गज 3 कमरे एक हाल, दो स्टोर, एक कार्यालय का कमरा, सीढ़ी, टट्टियाँ आदि/और बिजली की जुड़वाई आदि।

चन्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1973

निदेश सं० एल० डी० एच०/147/73-74/— यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं०... जो आकाशपुरी बिन्दरावन रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वी सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तर के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनाने के लिए सुपर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुपर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सत पाल प्रेम चन्द अमरजीत, पुत्र मनोहर लाल गौध मंडाली त० नवां शहर जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल राम स्वरूप कृष्णदेव (अन्तरिती)
- (3) श्री जनक राज पुत्र कृपा राम कालीया मकान नं० बी०-II016/10, लुधियाना। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत कए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

484 बगंगज पलाट आकाशपुरी, बिन्दरावन रोड, लुधियाना।

निदेश सं० एल० डी० एच०/148/73-74/— यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रंज कार्यालय चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 71 एल० है, जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)



के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 71-एल० 526 4/9 वर्ग गज, माडल टाऊन, लुधियाना ।

निर्देश सं० सी० एच० डी०/149/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 स्ट्रीट एस० (न्यू म० नं० 3498) सैक्टर 23-डी चन्डीगढ़ है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरबंस सिंह पुत्र संत सिंह, मकान एस० सी० बी० 4 बसंत रोड नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शकला कोली पत्नी श्री इन्द्र मोहन कोली 71-एल० माडल टाऊन लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जसवंत सिंह गिल सुपुत्र श्री आत्मा सिंह एस० सी० एफ० नं० 10, सैक्टर 15-सी, चन्डीगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जोगिन्द्रो देवी धर्मपत्नी श्री राम चन्द एस० सी० एफ० नं० 10 सैक्टर 15-सी चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लेट नं० 2 स्ट्रीट एस० (न्यू म० नं० 3498) सैक्टर 23-डी चन्डीगढ़।

निदेश सं० सी० एच० डी०/150/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोड चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लेट नं० 6 स्ट्रीट टी० (न्यू म० नं० 109) सैक्टर 20 ए० चन्डीगढ़ जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय राष्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-1972 को पूर्ववर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री द्वारका दास सुपुत्र श्री हृशरत राय मदान डी-39 नरायना डी० डी० ए० नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती आशा लता भारद्वाज धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र पाल भारद्वाज नई क्रीशना नगर बटाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लेट नं० 6 स्ट्रीट टी० (न्यू म० नं० 109) सैक्टर 20-ए चन्डीगढ़।

निदेश सं० सी० एच० डी०/151/73-74:—अतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी

सं. नं० 348 सैक्टर 35-डी० है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1972 को पूर्वचित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वचित्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कैप्टन परउपकार सिंह सीबिया सपुत्र मेजर दरबारा सिंह 5-बी० सरावा नगर लुधियाना (अन्तरक)
- (2) श्री सेवा सिंह सपुत्र श्री शाम सिंह गांव फीलों तहसील खरड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वचित्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सं० नं० 3118 सैक्टर 35-डी० चन्डीगढ़

निर्देश सं० सी० एच० डी०/152/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 3011 सैक्टर 35-डी० है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-72 को पूर्वचित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेजर रतन सिंह सपुत्र लेट गोपी राम, गांव और डा० नसराला, जिला होशियारपुर (अन्तरक)
- (2) सर्व श्री महना सिंह सपुत्र दर्मान सिंह, बंगा सिंह सपुत्र बखशीश सिंह, गांव रगिया, जिला रोपड़

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म० नं० 3011 सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़।

निर्देश सं० सी० एच० डी०/153/73/74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 3006 सैक्टर 35-डी है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

27-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कैप्टन अमरीक सिंह सपुत्र श्री अवतार सिंह गांव रगिया जिला रोपड़ (28 जवाहर नगर लोडावाली रोड़ जलन्धर) (अन्तरक)
- (2) श्री जगत सिंह सपुत्र श्री गुरुमुख सिंह गांव सहारायन तहसील खरड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रिक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे

और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म० नं० 3006 सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़।

निर्देश सं० सी.एच.डी./154/73-74—यतः मुझे, जी पी सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जुन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० को अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 स्ट्रीट बी-2 न्यू म० नं० 2361 सैक्टर 23-सी है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-1972 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बाली बीरेन्द्र कोर धर्मपत्नी श्री नरेन्द्र बीर सिंह 62-ए डी.कैस कालोनी नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) सर्व श्री जगजीत सिंह, हरभजन सिंह, हरपाल सिंह सपुत्र श्री जोगीन्द्र सिंह, गाँव इकलौका लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से तीस दिन की अवधि; जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लॉट नं० 7, स्ट्रीट बी-2 (न्यू म० नं० 2361) सैक्टर 23-सी० चण्डीगढ़।

निर्देश सं० सी.एच.डी./155/73-74—यतः, मुझे, जी पी सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जुन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3 342, सैक्टर 35-D है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-1972 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशोरी लाल सपुत्र श्री गुरदास धुसू श्री भमरजीत सिंह सपुत्र श्री मेहर सिंह म० नं० 1670 सैक्टर 22-B चण्डीगढ़ (अन्तरिक)

(2) श्रीमती वाली प्रीतम कौर धर्मपत्नी श्री हरमोहन्यार सिंह रेलवे रोड जलन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

म० नं० 3342 सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़

निदेश सं० एच० एस० आर 156/73/74 :—यतः, मुझे, ग०प० सिंह सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 40 बलाक ए० है, जो मुहला बजीरपुरा हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बहादुर सिंह पुत्र गंगाजल महला सैनियां मुख्तियारे आम विजय कुमार पुत्र शबील दास रावील दास पुत्र लेख राज महल सैनिया, हिसार । (अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवानी देवी पति नोवा राये गोयल विजय नगर निकट टेलीग्राफ कार्यालय हिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 40 ब्लाक ए वजीरपुरा, हिसार।

ग० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज झण्डीगढ़

तारीख : 18-5-1973

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

जयपुर, दिनांक 10 मई 1973

सं० जे० 3/72(1)/83/398/193—यतः मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-8 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः एवं, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामावतार गुप्ता पुत्र श्री रुद्रमल चौधरी द्वारा मुख्तयार खास श्री प्रभुदयाल अग्रवाल (अन्तरक)

2. श्रीमती जीवनी देवी पति सरवन राम गोंयल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० बी-8, चौकड़ी हवाली शहर स्कीम आदर्श नगर, राजापार्क, गोविन्द मार्ग (पागलखाना रोड) जयपुर का आधा उत्तरी भाग क्षेत्रफल 1050 वर्ग गज और उस पर खड़ी इमारत।

निर्देश सं० जे-3/72 (1) 2/8/397-यतः, मुझे, सं० च० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-8 है जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, एवं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ति देवी तिजोरीवाल  
पति श्री भवानी शंकर तिजोरीवाल  
द्वारा मुक्तयार खास श्री प्रभुदयाल अग्रवाल (अन्तरक)
2. श्री मूल चन्द अग्रवाल एवं  
महावीर प्रसाद अग्रवाल (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नम्बर बी० 8 चौकड़ी हवाली शहर, स्कीम आदर्श नगर, राजा पार्क, गोविन्द मार्ग (पागल खाना रोड) जयपुर का आधा दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 1050 वर्ग गज और उस पर खड़ी इमारत।

निर्देश सं० जे-3/72(1) 11081406-यतः, मुझे, श्री सं० च० पराशर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 82 है, जो चौकड़ी हवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972 को पूर्वोक्त



सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः एव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ले० माधवेन्द्र सिंह, द्वारा मुस्तयार (अन्तरक) खास मेजर जनरल कवर भगवती सिंह, पुत्र ठाकुर देवी सिंह
2. श्री भोलाराम पुत्र श्रीभौरिया राम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा उसमें यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 82, चाँकड़ी हवाली, शहर, पश्चिम सरदार पटेल मार्ग, धूलेश्वर गार्डन, जयपुर क्षेत्रफल 856 वर्गगज।

जयपुर, 10-5-73

निदेश सं० जे०-3/73(1)/18/119—यतः, मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं० सी० 37 है, जो भगवान दास रोड जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार अनुसार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, एव धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल उन्नेराय  
आत्मज श्री भगत वालीराम (अन्तरक)
2. मेसर्स फूलचन्द वीरेन्द्र कुमार कर्ता  
श्री फूलचन्द जैन,  
मेसर्स वीरेन्द्र कुमार सोमेशकुमार (अन्तरिती)  
कर्ता वीरेन्द्र कुमार

- † 3. श्रीमति डिलारे (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- † 4. श्री फूलचन्द श्री वीरेन्द्र कुमार श्रीमती पुष्पा देवी श्रीमती पद्मा जैन श्री वीरेन्द्र कुमार संरक्षक नाबालिग सोमेश कुमार वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जयपुर शहर के अन्दर भगवानदास रोड, पर प्लॉट नं० सी 37 का भाग जिसकी माप 1336 वर्ग गज है और जिसका कन्सट्रक्शन किया हुआ है और चार दिवारी खींची हुई है, उत्तर में लाजपतराय मार्ग दक्षिण में प्लॉट नं० 3718 पूर्व में भगवान दास रोड व पश्चिम में प्लॉट नं० 37 ए।

प्ररूप आई० टी एन एस०

तारीख 14 मई 1973

निर्देश सं० ए०-4/72(1)/3/600—यतः, मुझे एस०सी० पराशर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 व 2 है, जो रायपुर रोड अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-72 को पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शान्ता कुमारी लोढा, पत्नी (अन्तरक) सेठ सोभागमल लोढा, लोढा भवन नया बाजार अजमेर।
- (2) श्री कुशल सिंह मेहता सुपुत्र (अन्तरिती) श्री नारायण दास मेहता, अशोक मार्ग 'सी' स्कीम जयपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो शहरी प्लॉट एरिया 1052 वर्ग गज जोकि बंगला भगत सिंह की कोठी से जाने वाले का हिस्सा है तथा जयपुर रोड अजमेर में स्थित है।

दिनांक 18 मई 1973

निर्देश सं० जी-2/72 (2) 17/666 :—यतः, मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं०—कृषि भूमि—है, जो—चक नं० 6 जेड गंगानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंगानगर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 नवम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वश्री बाबू राम, किशन और फूलचन्द पुत्र श्री शिवदत्त बजरिए शिवदत्त राम मुख्तयार आम (अन्तरक)।
- (2) श्री श्याम बिहारी लाल पुत्र श्री सूरज भान अग्रवाल (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सिंचित कृषि भूमि 25 बीघा, निम्न नम्बरों वाली :—

67	68	41	21	28	51	26	22
25	6	20	6	13/4	25	13/4	6

(नहरी)

प्ररूप आई० टी० एन० एन० . . . .

निर्देश सं० जे-17/72 (2)/10/627 :—यतः, मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० . . है, जो . . जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 नवम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः एवं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तारा चन्द पुत्र मूलचन्द सिंधी (अन्तरक)।  
(2) श्रीमती जमनी बाई पति धर्मदास सिंधी (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदेश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,

- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 318 का आधा भाग रोड नम्बर 4, सरदार पुरा, जोधपुर में निवास योग्य मकान, क्षेत्रफल 200 वर्गगज।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

निर्देश सं० जे-17/72 (2)/10/627—यतः, मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधि- नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० . . . . . है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (जोधपुर) में भारतीय रजिस्ट्री- कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 नवम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दो दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तारा चन्द पुत्र मूल चन्द (अन्तरक)।
- (2) श्रीमती किशनी बाई विधवा स्वर्गीय श्री लक्ष्मणदास सिधी (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मद्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 318 का आधा भाग निवास योग्य मकान, क्षेत्रफल, 200 वर्गगज रोड नं० 4 सरदारपुरा, जोधपुर।

निर्देश सं० ऐ-8/72(2)/11/654—यतः, मुझे, सं० च० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है  
8—76 GI/73

और जिसकी सं० चोमूगढ सम्पत्ति है जो चोमू कम्पा में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972 दिवस 7 को पूर्वी सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11 या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्रीमती प्रेम कुमारी विधवा श्री ठाकुर राज सिंह जी भूतपूर्व जागीरदार ठिकाना चीनू एवम् श्रीमती शकुन्तला कुमारी उपनाम नीना कुमारी पुत्री श्री ठाकुर राज सिंह जी धर्मपत्नी श्री ठाकुर सुरेन्द्र पाल सिंह जी बजरिए राव सुरेन्द्र पाल सिंह मुख्तार आम : (अन्तरिक)।
- (2) श्री राम गोपाल पुत्र श्री छोटे लाल जी लकाश जाति वैश्य निवासी तोपखाना खुरीजीव माता जयपुर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

\*चीमूगढ़ सम्पत्ति का 1/5 हिस्सा चीमू गढ़ सम्पत्ति कस्बे में स्थित है जो कि जयपुर से 33 कि० मीटर दूरी पर स्थित है। गढ़ सम्पत्ति एक पुरानी बनावट की इमारत है जिसमें करीब 50 कमरे नौकरों के निवास के मकान तथा गोदाम इत्यादि हैं गढ़ तीनों उंची दीवारों (करीब 50 फीट) किला बन्दी है तथा इसके चारों ओर करीब 47 फीट चौड़ी और 40 फीट गहरी खाई। इस गढ़ सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल इसके चौतरफा खाई तथा किले की दीवारों सहित करीब 13 बीघा है।

नि० सं० ऐ०-8/72(2) 12/655-यतः मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० चीमू गढ़ सम्पत्ति है, जो चीमू कस्बा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972 दिसम्बर 7 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम कुमारी विधवा श्री ठाकुर राज सिंह जी भूतपूर्व जागीरदार ठिकाना चौमू एवं श्रीमती शकुन्तला कुमारी उप नाम नीना कुमारी पुत्री श्री ठाकुर राज सिंह जी धर्मपत्नी श्री ठाकुर सुरेन्द्रपाल सिंह बजरिए राव सुरेन्द्रपाल सिंह मुख्तार ग्राम (अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम पुत्र श्री छोटे लाल जी लकड़ा (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

\*चौमूगढ़ सम्पत्ति का 1/5 हिस्सा चौमूगढ़ सम्पत्ति चौमू कस्बे स्थित है जो कि जयपुर से 33 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। गढ़ सम्पत्ति एक पुरानी बनावट की इमारत है जिसमें करीब 50 कमरे नौकरों के निवास के क्वार्टर तथा गोदाम इत्यादि हैं। गढ़ तीनों ऊंची दीवारों (करीब 50 फीट) द्वारा किलाबन्दी है तथा इसके चारों ओर करीब 47 फीट चौड़ी और 40 फीट गहरी खाई है। इस गढ़ सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल इसके चोतरफा खाई तथा किले की दीवारों सहित करीब 13 बीघा है।

निर्देश सं० ऐ-8/72(2) 13/556—यतः, मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० चौमूगढ़ सम्पत्ति है, जो चौमू कस्बा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972 दिसम्बर 7 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11 या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेम कुमारी विधवा श्री ठाकुर राज सिंह जी भूतपूर्व जागीरदार ठिकाना चौमू एवं श्रीमती शकुन्तला कुमारी उप नाम नीना कुमारी पुत्री श्री ठाकुर राज सिंह जी धर्म पत्नी श्री ठाकुर सुरेन्द्रपाल-सिंह, बजरिंग राव सुरेन्द्र पाल सिंह मुख्तार आम (अन्तरक)।

(2) श्री हरी नारायण पुत्र श्री छोटे लाल जी लकड़ा (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चौमू गढ़ सम्पत्ति का 1/5 हिस्सा चौमू गढ़ सम्पत्ति चौमू कस्बे में स्थित है जो कि जयपुर से 33 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। गढ़ सम्पत्ति एक पुरानी बनावट की इमारत है जिसमें करीब 50 कमरे, नौकरों के निवास के क्वार्टर, तथा गोदाम इत्यादि हैं। गढ़ तीनों ऊंची दीवारों (करीब 50 फीट) किलाबन्दी है तथा इसके चारों ओर करीब 47 फीट चौड़ी और 40 फीट गहरी खाई है। इस गढ़ सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल इसके चोतरफा खाई तथा किले की दीवारों सहित करीब 13 बीघा है।

निर्देश सं० ए०- 8/72 (2) 145/657—यतः, मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० चौमू गढ़ सम्पत्ति

है, जो चौमू कस्बा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसम्बर, 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने के लिए सुकर, बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए, सुकर बनाना,

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम कुमारी विधवा श्री ठाकुर राज सिंह जी भूतपूर्व जमींदार टिगना चौमू एवं श्रीमती शकुन्तला कुमारी उपनाम नीता कुमारी पुत्री श्री ठाकुर राज सिंह जी, धर्मपति श्री ठाकुर सुरेन्द्रपाल सिंह बजरिए राव सुरेन्द्रपाल सिंह मुख्तार आम (अन्तरक)।

(2) श्री रामेश्वर लाल (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चौमू गढ़ सम्पत्ति का 1/5 हिस्सा।

चौमूगढ़ सम्पत्ति चौमू कस्बे में स्थित है जो कि जयपुर से 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गढ़ सम्पत्ति एक पुरानी बनावट की इमारत है जिसमें करीब 50 कमरे, नौकरों के निवास के क्वार्टर, तथा गोदाम इत्यादि हैं। गढ़ तीनों ऊंची दीवारों (करीब 50 फीट) किलाबन्दी है तथा इसके चारों ओर करीब 47 फीट चौड़ी और 40 फीट गहरी खाई है। इस गढ़ सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल इसके चौरसफा खाई तथा किले की दीवारों सहित करीब 13 बीघा है।

निर्देश सं०-ए०८(2) 15/650—यतः मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ₹० से अधिक है और जिसकी सं० चौमूगढ़ सम्पत्ति है, जो चौमू कस्बा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922



(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अन्य अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेम कुमारी विधवा श्री ठाकुर राजसिंह जी भूतपूर्व जागीरदार ठिकाना चोमू एवं श्रीमती शकुन्तला कुमारी, उपनाम नीता कुमारी पुत्री श्री ठाकुर राज सिंह जी धर्मपति श्री ठाकुर सुरेन्द्र पाल सिंह, बजरिण राव सुरेन्द्र पाल सिंह मुख्तार आम । (अन्तरक) ।

(2) श्री गोविन्द नारायण पुत्र श्री छोटेलाल जी, लकड़ा जाति-वेष्ट, नियासी तोपखाना हज़ूरी, रास्ता खुरी जीनमाता, जयपुर (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चौमूगढ़ सम्पत्ति का 1/5 हिस्सा ।

चौमूगढ़ सम्पत्ति चौमू कस्बे में स्थित है जो कि जयपुर से 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गढ़ सम्पत्ति एक पुरानी बनावट की इमारत है जिसमें करीब 50 कमरे, नौकरों के निवास के क्वार्टर, तथा गोदाम इत्यादि हैं। गढ़ तीनों ऊंची दीवारों (करीब 50 फीट) किलाबन्दी है तथा इसके चारों ओर करीब 47 फीट चौड़ी और 40 फीट गहरी खाई है। इस गढ़ सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल इसके चोतरफा खाई तथा किले की दीवारों सहित करीब 13 बीघा है।

तारीख: 16 मई 1973

मोहर

एस० सी० पराशर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

काकीनाडा, दिनांक 18 मई 1973

निर्देश सं० 5(9)/72-73—यतः मुझे के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर नं० 1219 ग्राम कैंप है, जो रेट पेट नंदिगामा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नंदिगामा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नकरिकंठि राजगोपालम नंदिगामा (पोस्ट और तालूक) कृष्णा जिला (अन्तरक)

(2) श्री ईस्ट इंडिया टोबाको कं० (P) लि० गुन्टूर वाई० के० एस० प्रकाश राव, गुन्टूर द्वारा प्रतिनिधित्व (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

#### अनुसूची

Godown situated in Ac.—30 (Thirty cents) of site in Nandigama Grama Panchayat Nandigama Taluk, Krishna District—12th ward, Grama Kantham

East	.. Public Bazar 100'
South	.. 30' Road
West	.. Trunk Road
North	.. site of Nakarakanti Ramanayya

निर्देश सं० जे० नं० 5 (10)/72-73 —यतः मुझे

के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलिकपुरम, पोलिस जो स्टेशन रोड मलिकपुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलिकपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम

के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुकुनूर लिंगराजु मुकुनूर नरसिंहराजु मल्लिक पुरम (अन्तरक)।

(2) श्री दिव्य सूर्यनारायण मूर्ति (अन्तरिती)।

(3) श्री जान शंकरय्य तथा सन्स, मोरि और श्री वेदकूर राममूर्ति राजु (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे

और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

Panchayat Ward No. 2 Door No. 58-1 Cinema Theatre in the name of Sri Saraswathi Picture Palace *alias* Sri Venkateswara Picture Palace with compound walls, latrines, projector, elec. fittings, furniture etc.

EAST .. Land No. 76.4

WEST .. Site of M. Lingaraju & another.

SOUTH .. V. Venkatapathi & S. Nagarathnam

NORTH .. Irrigation canal.

के० सुब्बा राव,

संक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, काकिनाडा

#### संघ लोक सेवा आयोग

**भारतीय प्रशासन सेवा आर्बि (निर्मुक्त आपातकालीन/आयुक्त अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी) परीक्षा, 1973**

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1973

सं० एफ० 14/4/72-ई० I (बी०)—भारत के राजपत्र, दिनांक 26 मई, 1973 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार निम्नलिखित सेवाओं में नियुक्ति के लिए उन निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के चयन के लिए जिन्हें 1 नवम्बर, 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला पटना, शिलांग, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम और संबल में 29 सितम्बर, 1973 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा  
(Indian Administrative Service).
- (ii) भारतीय विदेश सेवा,  
(Indian Foreign Service).
- (iii) भारतीय पुलिस सेवा,  
(Indian Police Service)
- (iv) केन्द्रीय सूचना सेवा, (ग्रेड II), क्लास I  
(Central Information Service, (Grade II) Class I,
- (v) भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा सेवा,  
(Indian Audit & Accounts Service).
- (vi) भारतीय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क सेवा  
(Indian Customs & Central Excise Service).
- (vii) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,  
(Indian Defence Accounts Service).

- (viii) भारतीय आयकर सेवा (क्लास I),  
Indian Income Tax Service (Class I)
- (ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, क्लास I,  
(सहायक प्रबन्धक, अप्राविधिक),  
(Indian Ordnance Factories Service, Class I Assistant Managers—Non-technical).
- (x) भारतीय डाक सेवा,  
(Indian Postal Service).
- (xi) भारतीय रेल लेखा सेवा,  
(Indian Railway Accounts Service).
- (xii) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, क्लास I,  
(Military Lands and Cantonments Service Class I)
- (xiii) भारतीय रेल यातायात सेवा,  
(Indian Railway Traffic Service).
- (xiv) दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, क्लास II  
(Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II).
- (xv) केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड, क्लास II।  
(Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Class II).
- (xvi) सीमा-शुल्क मूल्य-निरूपक (एप्रैजर) सेवा, क्लास II  
(Customs Appraisers Service, Class II).
- (xvii) दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह सिविल सेवा, क्लास II  
(Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Class II).
- (xviii) भारतीय विदेश सेवा, शाखा (ख) सामान्य संवर्ग, क्लास II (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) का समेकित ग्रेड II तथा III।  
(Indian Foreign Service, Branch 'B' Integrated Grades II and III of the General Cadre, Class II Section Officers' Grade).
- (xix) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, क्लास II  
(Railway Board Secretariat Service, Class II).
- (xx) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी ग्रेड, क्लास II।  
(Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Class II)
- (xxi) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, क्लास II।  
(Military Lands and Cantonments Service, Class II).
- (xxii) गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा, क्लास II, तथा  
(Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II); and
- (xxiii) पांडिचेरी सिविल सेवा, क्लास II।  
(Pondicherry Civil Service, Class II).

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किन तारीखों को उपस्थित होना है।

विभिन्न सेवाओं की जिन रिक्तियों के लिए इस परीक्षा के आधार पर भर्ती की जानी है, उनकी अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

- |                         |               |
|-------------------------|---------------|
| (i) भारतीय प्रशासन सेवा | *             |
| (ii) भारतीय विदेश सेवा  | 5 (अनारक्षित) |
| (iii) भारतीय पुलिस सेवा | *             |

(iv) केन्द्रीय सूचना सेवा, (ग्रेड II), क्लास I	1 (अनारक्षित)	(xviii) भारतीय विदेश सेवा, शाखा (ख), सामान्य संदर्भ क्लास II (अनुभाग अधि-कारी ग्रेड) का सम्मिलित ग्रेड II तथा III	5 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
(v) भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा सेवा	4 **		
(vi) भारतीय सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा	12 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।		
(vii) भारतीय रक्षा लेखा सेवा	2 (अनारक्षित)		
(viii) भारतीय आयकर सेवा (क्लास I)	20 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।	(xix) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा, क्लास, II	*
(ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, क्लास I, (सहायक प्रबन्धक-अप्राविधिक)	4 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	(xx) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा अधीक्षक ग्रेड, II	4 **
(x) भारतीय डाक सेवा		(xxi) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, क्लास II	*
(xi) भारतीय रेल लेखा सेवा	.. .. *	(xxii) गोआ दमन तथा दियु सिविल सेवा, क्लास II तथा	*
(xii) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, क्लास I	.. .. *	(xxiii) पांडिचेरी सिविल सेवा क्लास II	*
(xiii) भारतीय रेल यातायात सेवा।	.. .. *	*सरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई हैं।	
(xiv) दिल्ली तथा अंजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, क्लास II	1 (अनारक्षित)	**अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां, यदि कोई हों, तो उनकी संख्या भारत सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी। उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।	
(xv) केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, क्लास II	.. .. *	3. मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) की अधिसूचना सं० 15/1/73-अ० भा० से० (I) दिनांक 26 मई, 1973 के उपबंधों के अनुसार उम्मीदवार परीक्षा की योजना में निर्धारित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं के लिए परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है।	
(xvi) सीमा-शुल्क-मूल्य निरूपक (एग्जैजर) सेवा, क्लास II	.. .. *	यदि वह उपर्युक्त अधिसूचना में दी गई पाठ्यता की शर्तों को पूरा करता हो, तो वह अपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं को स्पष्ट उल्लेख करे जिनके लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक हो।	
(xvii) दिल्ली तथा अंजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह सिविल सेवा, क्लास II	1 (अनारक्षित)	उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्होंने जिन सेवाओं का अपने आवेदन-पत्र में उल्लेख नहीं किया होगा उन पर उनकी नियुक्ति के लिए विचार नहीं किया जायगा।	

**ध्यातव्य :—**उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि जिन सेवाओं के लिए वे विचार किए जाने के इच्छुक हैं उनका वरीयता क्रम क्या है। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी इच्छानुसार जितनी भी चाहें सेवाओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता-क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर मनीभाति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले सशस्त्र सेना में कार्य-रत उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सीधे अपनी यूनिट के अफसर कमांडिंग को आवेदन करना चाहिए, जो आवेदन-प्रपत्र के अंत में दिए गए प्रमाण-पत्र को भर कर सचिव, संघ लोग सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड़, नई दिल्ली-110011, को अग्रेषित कर देगा।

जो उम्मीदवार अपनी यूनिट का स्वयं ही अफसर कर्माँडिंग हो, उसे अपना आवेदन पत्र अपने से अगले उच्च अधिकारी के पास सीधे प्रेषित करना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए उपर्युक्त प्रमाण-पत्र को भर कर आयोग को अर्पण कर देगा।

जो उम्मीदवार शासक सेनाओं से निर्मुक्त हो चुका है और इस परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है उसको निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को सीधे आवेदन करना चाहिए।

5. निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भगतन द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबंध पत्र आदि निम्नलिखित सेना मुख्यालयों से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) कमान मुख्यालय।
- (ii) कोर मुख्यालय
- (iii) डिबीजन मुख्यालय
- (iv) एरिया मुख्यालय, तथा
- (v) सब-एरिया मुख्यालय

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र उपाबन्ध में उम्मीदवारों को दिए गए अनुदेशों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र आदि के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 के पास 9 जुलाई, 1973 को या उसके पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

किन्तु विदेशों में/समुद्रपार रहने वाले उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र 23 जुलाई, 1973 तक लिए जाएंगे (यह उन्हीं व्यक्तियों पर लागू होगा जो आवेदन-पत्र भेजते समय वास्तव में विदेश में/समुद्र-पार रह रहे हों।)

7. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट :—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 5 के उप पैरा 2 में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबंध कागजात प्राप्त करने में कोई कठिनाई या देरी अनुभव हो तो उपर्युक्त पैरा 5 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित क्रिया-विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए समय पर अवश्य कार्रवाई करनी चाहिए।

9—76GI/73

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि वे संघ लोक सेवा आयोग को आवेदन-पत्र देर से भेजते हैं या आवेदन-प्रपत्र की मांग देर से करते हैं तो वे अपने वायिख पर ही ऐसा करेंगे।

8. यदि कोई उम्मीदवार 1972 में ली गई भारतीय प्रशासन सेवा आदि (निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी) परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-फल की प्रतीक्षा किए बिना ही निर्धारित तारीख तक अपना आवेदन-पत्र भेज देना चाहिए। यदि वह 1972 के परीक्षा फल के आधार पर नियुक्त हो जाएगा तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. आवेदन-पत्र से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं और उनमें निम्नलिखित ब्यौरा दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित किया गया हो)
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। संघ लोक सेवा आयोग को इस परीक्षा के विषय में लिखे जाने वाले प्रत्येक पत्र और उसके लिफाफे पर उम्मीदवारों को सबसे ऊपर अनिवार्यतः

“भारतीय प्रशासन सेवा आदि (निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी) परीक्षा, 1973,” लिख देना चाहिए।

क० पै० रामकृष्णन्,  
परीक्षा नियंत्रक  
संघ लोक सेवा आयोग

#### उपाबन्ध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र और अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु के रूप में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए।

नोट :—उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के कालम 34 में उन भाषाओं का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनमें से परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट III के पैराग्राफ 2 की मद (I) तथा (III) पर दिए गए प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखना चाहते हों [देखिए उपर्युक्त परिशिष्ट का पैरा 4(क)]। एक बार उल्लिखित विकल्प को ही अंतिम मान लिया जाएगा तथा उक्त कालम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती तो यह मान लिया जायगा कि प्रश्न पत्र (पत्रों) के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जायेंगे।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजना चाहिए, ताकि वे नोटिस में निर्धारित अन्तिम तारीख तक पहुंच जाएं।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जायगा।

(iii) सशस्त्र सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र सीधे अपनी यूनिट के अप्रसर कमांडिंग को भेजना चाहिए जो आवेदन प्रपत्र के अंत में दिए गए प्रमाण-पत्र को भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को अप्रेषित कर देगा।

जो उम्मीदवार अपनी यूनिट का स्वयं ही अफसर कमांडिंग हो उसे अपना आवेदन-पत्र अपने से अगले उच्च अधिकारी के पास सीधे प्रेषित करना चाहिए, जो आवेदन-पत्रके अंत में दिए गए उपर्युक्त प्रमाण-पत्र को भर कर आयोग को अप्रेषित कर देगा।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन पत्र के अंत में दिए गए प्रमाण-पत्र को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. (क) सशस्त्र सेना से पहले ही निर्मुक्त किए गए उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ सेना/वायुसेना/नौ सेना मुख्यालय से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर मूल रूप में (उसकी एक प्रतिलिपि के साथ), भेजना चाहिए कि वह ऐसा आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी है जिसे 1 नवम्बर, 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख के पहले किसी कमीशन

पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गया था किन्तु जिसे उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्रमबद्ध कार्यक्रम के अनुसार (आपातकालीन आयुक्त अधिकारी के मामले में)/अपने सामान्य सेवा काल की समाप्ति पर (अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी के मामले में) निर्मुक्त हुआ है। प्रमाण-पत्र में (i) उम्मीदवार के सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित होने की तारीख (ii) कमीशन प्राप्त करने की तारीख और (iii) सशस्त्र सेना से निर्मुक्त किए जाने का अनुसूचित वर्ष अवश्य लिखा होना चाहिए।

(ख) सशस्त्र सेना से विकलांगता के कारण निर्मुक्त हुए उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ सेना/वायु सेना/नौसेना मुख्यालय से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर मूल रूप में (उसकी एक प्रतिलिपि के साथ) भेजना चाहिए कि वह ऐसा आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी है जिसे 1 नवम्बर, 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गया था किन्तु जिसे उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और वह सैन्य सेवा के कारण घटित या बढ़ गई अपांगता के फलस्वरूप विकलांग हुआ है। प्रमाण-पत्र में (i) उम्मीदवार के सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण, यदि कोई हो, में सम्मिलित होने की तारीख, (ii) कमीशन पूर्व पाने की तारीख, (iii) सशस्त्र सेना से निर्मुक्त किए जाने की वास्तविक तारीख तथा (iv) यदि वह विकलांग न हुआ होता तो, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्रमबद्ध कार्य क्रम के अनुसार (आपातकालीन आयुक्त अधिकारी के मामले में) अपने सामान्य सेवा-काल की समाप्ति पर (अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी के मामले में) उसकी निर्मुक्ति के अनुसूचित वर्ष का अवश्य उल्लेख हो।

नोट :— किन्तु यदि ऐसा उम्मीदवार ए० एम० सी०, ए० एम० सी० (अ-प्राविधिक), ए० डी० सी० या एम० एन० एस० का अधिकारी था तो उसे डी० जी० ए० एफ० एम० एस० से अपेक्षित प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

4. (क) उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

(ख) जिस उम्मीदवार को इस परीक्षा में प्रवेश के लिए अपना आवेदन पत्र भेजने के बाद सशस्त्र सेनाओं में स्थायी कमीशन प्राप्त हो जाता है अथवा वह सशस्त्र सेनाओं से त्याग पत्र दे देता है अथवा दुराचार, अकुशलता अथवा अपने ही अनुरोध पर वह निर्मुक्त हो जाता है तो उसे संघ लोक सेवा आयोग को सारे संगत तथ्यों की सूचना दे देनी चाहिए। ऐसा न करना महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना समझा जाएगा। (द्रष्टव्य : नियम 16)।

5. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ उपर पैरा-ग्राफ 2 और 3 में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों के अतिरिक्त नीचे लिखे प्रमाण-पत्र आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) आयु का प्रमाण-पत्र

- (ii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र  
 (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां।

ऊपर की मद (i), (ii), और (iii) में दिए गए प्रमाण-पत्र आदि का ब्यौरा इस प्रकार है :—

(i) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्व-विद्यालय के मैट्रिक-पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हों। अनुदेशों के इस भाग में प्रसक्त “मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र” के अंतर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

इस प्रकार उम्मीदवारों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आयु के प्रमाण के रूप में मैट्रिकुलेशन का प्रमाण-पत्र हर हालत में भेजना आवश्यक है और आवेदन-पत्र के साथ, आयोग को अनिवार्यतः उसकी मूल प्रति, एक प्रतिलिपि के साथ, भेजी जानी चाहिए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की मूल प्रति, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र में दी गई आयु से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र हो, उसे इस प्रमाण पत्र की मूल प्रति के साथ केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3 :—जिन विस्थापित लोगों के मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो, उन्हें सम्बद्ध विश्वविद्यालय से

उसकी अनुलिपि मंगवा लेनी चाहिए। यदि वे संबद्ध विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न मंगवा सकते हों तो उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट का उद्धरण भेजना चाहिए जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। इस उद्धरण में जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और यह रचिस्ट्रार या हैडमास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

(ii) शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को अपना मूल प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजना चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 10 (क) में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष का प्रमाण-पत्र दिया हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा न भेजा गया तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता के अपने दावे के समर्थन में जो अन्य प्रमाण वह प्रस्तुत कर सकता हो, उसकी मूल प्रति भेजनी चाहिए। आयोग इस प्रमाण की मान्यता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नियम 10(ख) के अंतर्गत इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार को उस संस्था के अध्यक्ष से, जहां उसने सशस्त्र सेना में भरती होने से पूर्व अंतिम बार शिक्षा प्राप्त की थी, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में उस कक्षा का नाम जिसमें वह पढ़ रहा था, वह तारीख जिसको उसने संस्था में अपनी पढ़ाई छोड़ी तथा वह वर्ष, जिसमें वह, यदि सशस्त्र सेना में भर्ती होकर पढ़ाई न छोड़ता तो नियम 10(क) में निर्धारित योग्यताओं में से किसी एक की प्राप्ति के लिए परीक्षा में बैठा होता, लिखा होना चाहिए। प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले को अपना पूरा पदनाम लिखना चाहिए तथा उस विश्वविद्यालय का नाम भी लिखना चाहिए जिससे वह संस्था संबद्ध है।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर नियम 10(क) के अनुसार वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने के पहले समाप्त हो जाए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में, इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iii) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक तो आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नथी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

6. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैराग्राफ 3 और 5 में लिखे प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा तो यह आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृत के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि किन्हीं कारणों से कोई उम्मीदवार विवशतावश ऊपर पैराग्राफ 3 और 5 में लिखे किसी प्रमाण-पत्र को आवेदन-पत्र के साथ न भेज सके तो उसे अपना आवेदन-पत्र भेजते समय उन कारणों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए। आयोग उन के औचित्य पर यथा-स्थिति विचार करेगा। उसे शेष प्रमाण-पत्र अपना आवेदन-पत्र भेजने के तुरन्त बाद भेज देने चाहिए और उन्हें हर हालत में आवेदन-पत्र पहुंचने की निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए। उसे किसी भी हालत में अपना आवेदन-पत्र भेजने में देरी नहीं करनी चाहिए और यह नोटिस के पैराग्राफ 6 में उल्लिखित तारीख को या उससे पहले आयोग के कार्यालय में अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें। और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

7. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी से या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार स्वयं अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से, आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पर्वों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
 \_\_\_\_\_ सुपुत्र/सुपुत्री/श्री\*  
 \_\_\_\_\_ जो गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_ जिला/मण्डल\*  
 \_\_\_\_\_ राज्य/संघ राज्य\* क्षेत्र \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ के/की\* निवासी हैं \_\_\_\_\_ जाति/आदिम\* जाति  
 के/की हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के रूप में मान्यता दी गई है :— बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956.

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959.

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962.

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962.

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964.

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967.

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश 1968.

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_  
 और/या उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ जिला/मण्डल\* \_\_\_\_\_  
 राज्य/संघ राज्य\* क्षेत्र \_\_\_\_\_ में  
 रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
 \*\*पदनाम \_\_\_\_\_  
 (कार्यालय की मोहर)

स्थान \_\_\_\_\_  
 तारीख \_\_\_\_\_  
 राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "आम तौर से रहते/रहती हैं" का वही अर्थ होगा जो "रिप्रजेंटेशन आफ़ दि पिपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/ऐडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल



मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

(i) प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू आफिसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिप्लोमेट अफसर (लवाविद, मिनिक्वाय और अमिनदिबि दीप-समूह)।

8. (i) नियम 6 (ख) (ii) अथवा 6 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व प्रयोजन कर भारत आया था :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्य भार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 6 (ख) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(iii) नियम 6 (ख) (v) अथवा 6 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 6 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ दमन और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार

को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए।

(1) सिविल प्रशासन का निदेशक।

(2) कौंसलहोस के प्रशासक।

(3) मामलातदार।

(v) नियम 6 (ख) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 6 (ख) (ix) अथवा 6 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को भारतीय राजदूतावास रंगून, द्वारा जारी किया गया मूल पहिचान प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(vii) नियम 6 (ख) (xi) अथवा 6 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विफलांग हुआ है, महा निदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय, से नीचे निर्धारित फार्म में इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए/ शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्रों में फ़ौजी कार्रवाई के दौरान विफलांग हुआ और परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुआ है :—

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_  
के रैंक नं० \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ रक्षा  
सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/  
अशांतिग्रस्त क्षेत्र\* में फ़ौजी कार्रवाई के दौरान विफलांग  
हुए और उस विफलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

दिनांक \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हों कृपया काट दें।

(viii) नियम 6 (ख) (xiii) अथवा 6 (ख) (xiv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को अपना मूल "रिफ्यूजी रजिस्ट्रेशन कार्ड" अथवा उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जिसमें वह इस समय निवास कर रहा है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है।

(IX) नियम 6 (ख) (XV) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के उम्मीदवार को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से इस आशय का लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए कि वह अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का वास्तविक निवासी है।

1. मुख्य आयुक्त
2. उप आयुक्त
3. अतिरिक्त उप आयुक्त
4. अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट
5. सहायक आयुक्त

(X) नियम 6 (ख) (XVI) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित उम्मीदवार को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारतीय उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया इस आशय का मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है और श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) सरकार की प्रत्यावर्तन योजना के अन्तर्गत भारत आया है।

9. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजीबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

10. ऊपर के पैरा 3, 5(I), 5(II), 7 और 8 में उल्लिखित मूल प्रमाण-पत्र, प्रतिलिपियों के साथ, अवश्य भेजे जाने चाहिए। आयोग मूल प्रमाण-पत्रों के बिना इन प्रमाण पत्रों की अभिप्रमाणित या किसी अन्य प्रकार की प्रतियां स्वीकार नहीं करता।

ऊपर के पैरा 3, 5(I), 5(II), 7 और 8 के अनुसार भेजे गये सभी मूल प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना देते समय लौटा दिए जाएंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्रमाण-पत्रों को आयोग के पास भेजने से पहले उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां अपने पास रख लें। आयोग आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना भेजने के पूर्व इन प्रमाण-पत्रों को न तो लौटा सकता है और न ही उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां भेज सकता है, चाहे उम्मीदवार को उनकी आवश्यकता किसी भी काम के लिए क्यों न हो।

यदि उम्मीदवार ऊपर के पैरा 3, 5, (I), 5(II), 7 और 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई किसी और परीक्षा के सम्बन्ध में पहले ही भेज चुका हो, और उन्हें अभी तक उसे लौटाया नहीं गया हो, तो उसे अपना आवेदन-पत्र भेजते समय इस तथ्य का उल्लेख कर देना चाहिए और यदि हो सके तो प्रत्येक प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भी साथ भेजनी चाहिए। यदि प्रमाण-पत्र आयोग के पास न हों तो, चाहे उम्मीदवार द्वारा आयोग द्वारा ली गई किसी अन्य परीक्षा में पहले बैठा हो या नहीं, उसे आवेदन-पत्र के साथ प्रमाण-पत्र भेजने चाहिए।

11. यदि परीक्षा से सम्बन्धित आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिली तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

12. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथा शीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। किन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिली तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

13. पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बन्धित पुस्तिकाओं तथा पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर "व्यक्तिगत परीक्षा" हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को दिए गए विस्तृत अंकों से सम्बन्धित पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री मैनेजर आफ पब्लिकेशन सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ, बैरक्स "ए" नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-(110001) और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तिल० नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

14. आवेदन-पत्र से संबन्धित पत्र-व्यवहार : आवेदन-पत्र से संबन्धित सभी पत्र आदि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां, रोड, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (I) परीक्षा का नाम
- (II) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (III) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित किया गया हो)
- (IV) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (V) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

ध्यातव्य—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायगा।

15. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बचले हुए पते पर मिल जायें करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 14 में उल्लिखित 'ब्योरे' के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु, इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### विज्ञापन सं० 21

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है।

ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़ कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़ कर जिनके सम्बन्ध में ऐसा बेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक बेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली -110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं भद संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए : लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ऑर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 25 जून, 1973 (विदेशों में तथा अंजमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिकवाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 9 जलाई, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या 1, 5 तथा 11 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जायगी। क्रम संख्या 9, 10, 12 तथा 13 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिये जाने की संभावना है। क्रम संख्या 2, 4, 6, 7, 14 तथा 15 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 8 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है। क्रम संख्या 3 तथा 16 के पद अस्थायी हैं।

क्रम संख्या 2 के दो पद तथा क्रम संख्या 12 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है।

क्रम संख्या 2 के दो पद तथा क्रम संख्या 8 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम संख्या 2 के चार पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे। क्रम-संख्या 2 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा। क्रम-संख्या 3 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जायेगा। क्रम संख्या 15 में प्रत्येक के लिए दो-दो पद केवल अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

क्रम संख्या 2 के नौ पद तथा क्रम संख्या 15 के पांच पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गये थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों, अन्यथा इन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 2 के नौ पदों में से प्रत्येक के लिए एक-एक पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों से संबद्ध आ० आ० अ०/अ० से० आ० अधिकारियों के लिए आरक्षित है अन्यथा उन्हें सामान्य वर्ग के आ० आ० भ०/अ० से० आ० अधिकारियों के लिए आरक्षित समझा जाएगा और दोनों के न मिलने पर उन्हें अनारक्षित समझा जायेगा। क्रम संख्या 15 के पांच पदों में से प्रत्येक के लिए एक-एक पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, आ० आ० अ०/अ० से० आ० अधिकारी वर्ग से संबद्ध अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं अन्यथा उन्हें सामान्य वर्ग के आ० आ० अ०/अ० से० आ० अधिकारियों के लिए आरक्षित समझा जाएगा और दोनों के न मिलने पर सभी पांचों पदों को अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक निदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली, संस्कृति विभाग। बेतन :—रु० 2000-100-2500। आयु-सीमा : 50 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से ललित कला या पुरातत्व विज्ञान या भारतीय इतिहास या मानवविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संग्रहालय में वरिष्ठ प्रशासक की हैसियत से लगभग 15 वर्ष का अनुभव, अथवा उसी हैसियत से लगभग 10 वर्ष का अनुभव तथा साथ में संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा/(iii) ललित कला या पुरातत्व विज्ञान या भारतीय इतिहास या मानव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान का अनुभव

जो प्रकाशित अनुसंधान कार्य तथा उन्नत अनुसंधान के निर्देशन की योग्यता द्वारा प्रमाणित हो। (iv) संग्रहालयों के लिए संकलन (Collections) प्राप्त करने, प्रदर्शनियों तथा शैक्षिक कार्यक्रमों के आयोजन करने का अनुभव।

2. छत्तीस असैनिक अधिकारी ग्रेड II (बीस उम्मीदवारों को भंडारों के लेखा पालन का अनुभव तथा सोलह उम्मीदवारों को प्रशासन तथा जन प्रबन्ध का अनुभव), सीमा सड़क विकास बोर्ड, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय। वेतन :— रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-880। आयु-सीमा : 30 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। (ii) किसी सरकारी विभाग, सार्वजनिक निकाय या विख्यात वाणिज्य प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षक की हैसियत से सामान्य प्रबन्ध, स्थापना, वित्त एवं लेखा, कार्मिक प्रबन्ध तथा कल्याण का लगभग 5 वर्ष का प्रशासनिक, औद्योगिक या प्रबन्धकीय अनुभव अथवा रक्षा सेवाओं, पुलिस आदि, जैसे संगठनों में सुरक्षा कार्यों का लगभग पांच वर्ष का अनुभव। अथवा किसी सरकारी विभाग या सार्वजनिक निकाय या विख्यात वाणिज्य प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षक की हैसियत से तकनीकी भंडारों के मांग-पत्र तैयार करने, चीजें खरीदने और उनको संभाल कर रखने तथा भंडार-लेखा रखने का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

3. एक सहायक आयुक्त (पशु आनुवंशिकी जीव संख्या), कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा : 45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पशुरोग विज्ञान या पशुपालन विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) जीव संख्या आनुवंशिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। (iii) (क) पशु संवर्द्धन फार्मों के प्रबन्ध का लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। अथवा (ख) पशु संवर्द्धन में अनुसंधान का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

4. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, धन-व्यवस्था भौतिकी प्रयोगशाला, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु: वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) फेराइट्स तथा गार्नेट्स जैसे धन अवस्था संसाधनों की प्रौद्योगिकी में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

5. एक सहायक निवेशक ग्रेड I रंजन (Dyeing) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बंबई, विदेश व्यापार मंत्रालय। वेतन :— रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र रसायन विज्ञान या रसायन प्रौद्योगिकी में डिग्री या रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी वस्त्र, ऊनी या कृत्रिम कपड़ा मिल में रंजक (Dyer), निरंजक (Bleacher) या परिसज्जक (Finisher) के पद पर अथवा कपड़ा या रंग तथा रसायन के प्रसाधन से संबद्ध किसी सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संगठन में दायित्वपूर्ण हैसियत से लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

6. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (सीरम विज्ञान—Serology), केन्द्रीय विधि चिकित्सा विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जीव रसायन विज्ञान, जीवाणु विज्ञान या प्राणिविज्ञान में एम० एस-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लगभग पांच वर्ष का विश्लेषणात्मक/सीरमविज्ञान संबंधी अनुभव।

7. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, आबड़ी, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

8. दो फार्म अधिकारी, मिलिटरी फार्म, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान या डेरीविज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) कृषि से संबद्ध क्षेत्रगत कार्य का लगभग 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

9. रसायन विज्ञान का एक आख्याता, नर्सिंग कालेज, नई दिल्ली, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय। वेतन :—रु० 325-25-500-30-650। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम० एस-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

10. एक प्रिंसिपल, मेरीटाइम स्कूल, गोआ, बमन तथा दिव्य सरकार। वेतन :—रु० 590-30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) "मास्टर" या "मैट" (गृह व्यवसाय)। (iii) मेरीटाइम स्कूल या किसी समतुल्य प्रतिष्ठान में अनुदेशक के पद पर लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

11. एक कम्पनी अभियोजक (Prosecutor) ग्रेड II, कम्पनी कार्य विभाग, विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-575। आयु-सीमा :—35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री। (ii) दंड न्यायालयों (Criminal Courts) में मुकदमें करने अथवा सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संगठनों में कानूनी मामलों से संबद्ध कार्य करने का कम से कम एक वर्ष का अनुभव। (iii) क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान।

12. चार निरीक्षण उप निवेशक, कम्पनी कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—चार्टर्ड लेखाकार/लागत एवं कार्य लेखाकार तथा साथ में चार्टर्ड लेखाकार/लागत एवं कार्य लेखाकार की हैसियत से 8 वर्ष का अनुभव जो वरीयतः संयुक्त पूंजी वाली कम्पनियों का हो।

13. दो निरीक्षण अधिकारी/कम्पनी लेखाकार, कम्पनी कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य संचालन । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—चार्टर्ड लेखाकार/लागत एवं कार्य लेखाकार तथा साथ में चार्टर्ड लेखाकार/लागत एवं कार्य लेखाकार की हैसियत से पांच वर्ष का अनुभव जो वरीयतः संयुक्त पूंजी वाली कम्पनियों का हो ।

14. एक अनुसंधान अधिकारी (अर्थशास्त्र), मंत्रिमंडल सचिवालय (मंत्रिमंडल कार्य विभाग) । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-४० रु०-35-590 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) आर्थिक आंकड़ों के अनुसंधान एवं विश्लेषण का किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

15. अट्टारह आर्थिक अन्वेषक, ग्रेड I, योजना आयोग । वेतन :—रु० 325-15-475-४० रु०-20-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(I) कृषि शाखा में दो पदों के लिए :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि अर्थशास्त्र में "मास्टर" डिग्री या अध्ययन के विषय के रूप में कृषि अर्थशास्त्र सहित कृषि विज्ञान में "मास्टर" डिग्री । (ii) किसी सरकारी या अर्द्ध-सरकारी विभाग या विख्यात अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में आर्थिक अन्वेषण या अनुसंधान का लगभग 2 वर्ष का अनुभव । (II) अर्थशास्त्र में नौ पदों के लिए :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या वाणिज्य में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी कार्यालय या अनुसंधान संस्थान में आर्थिक अनुसंधान/अन्वेषण का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जो वरीयतः निम्नलिखित से संबद्ध हो :—(क) लोक वित्त तथा कराधान—चार पद । (ख) भारतीय व्यापार की समस्या—एक पद । (ग) संस्थागत वित्त बैंकिंग तथा अन्य वित्तीय संस्थाएं—एक पद । (घ) राष्ट्रीय आय तथा वृद्धि एवं नियोजन का प्राक्कलन—एक पद । (ङ) परिवहन अर्थशास्त्र—एक पद । (च) कृषि/औद्योगिक/सामाजिक विकास समस्याओं का विश्लेषण—एक पद । (III) सांख्यिकी शाखा में सात पदों के लिए :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी, गणित/अर्थशास्त्र (सांख्यिकी सहित) में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी के विषय सहित डिग्री तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त सांख्यिकी में डिप्लोमा । (ii) सांख्यिकीय कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें वरीयतः निम्नलिखित से संबद्ध किसी सरकारी कार्यालय या अनुसंधान संस्थान में सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा निर्वचन निहित हो :—(क) स्वास्थ्य योजनाएं—एक पद । (ख) श्रम तथा रोजगार सांख्यिकी—एक पद । (ग) उत्पादन, मूल्य आदि से संबद्ध औद्योगिक विकास कार्य तथा औद्योगिक सांख्यिकी—एक पद । (घ) परिचालन या अर्थमिति अनुसंधान में अनुभव और/या इलेक्ट्रॉनिक संगणक प्रोग्रामिंग का ज्ञान—दो पद । (ङ.) जन शक्ति, रोजगार तथा श्रम शक्ति—एक पद । (च) शिक्षा—एक पद ।

10—76GI/73

16. एक आख्याता (कनिष्ठ वेतनमान) (शारीरिक शिक्षा), अंडमान और निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर । वेतन :—रु० 300-25-600 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से शारीरिक शिक्षा में "मास्टर" डिग्री । अथवा (ii) (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ख) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से शारीरिक शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा ।

### गुडि-पत्र

दो लघु उद्योग प्रवर्द्धन अधिकारी (कांच/मुस्तिकाशिल्प), विकास आयुक्त का कार्यालय, लघु उद्योग, औद्योगिक विकास संचालन । संवर्धन :—9-12-1972 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 50 की मद-संख्या 11 । सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि अब पदों की संख्या दो से बढ़ाकर छह कर दी गई है । अतिरिक्त पद स्थायी है किंतु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी । चार अतिरिक्त पदों में एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और में से तीन पद अनारक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा । अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं । आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 25-6-1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूह में रहने वाले आवेदकों के लिए 9-7-1973 तक बढ़ा दी गई है । जो व्यक्ति आयोग के पिछले विज्ञापन संख्या 50 के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है ।

### भारतीय प्रशासन सेवा आदि (निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी) परीक्षा, 1973

भारत के राजपत्र, दिनांक 26 मई, 1973 में प्रकाशित उक्त परीक्षा के लिए आयोग के नोटिस में उल्लिखित भारतीय प्रशासन सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा तथा केन्द्रीय सेवाओं, क्लास I तथा क्लास II (संघ राज्य क्षेत्रों में सिविल तथा पुलिस सेवाओं क्लास II सहित) में नियुक्ति के लिए उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों का चयन करने के लिए जिन्हें 1 नवम्बर, 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख के पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गये थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 29 सितम्बर, 1973 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी । आयु :—कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित होने अथवा कमीशन पाने (जहां केवल कमीशन के बाद प्रशिक्षण की व्यवस्था थी) के वर्ष की पहली अगस्त को 24 वर्ष से कम, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा कुछ अन्य वर्गों के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है । योग्यताएं : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा इस परीक्षा के लिए मान्य कुछ अन्य योग्यताएं । जो उम्मीदवार, सशस्त्र सेनाओं में आपात कालीन कमीशन/

अल्पकालीन सेवा कमीशन की प्राप्ति हेतु किसी सेवा व चयन बोर्ड के सामने उपस्थित होते समय उपर्युक्त योग्यताओं में से किसी एक की प्राप्ति के लिए किसी मान्यताप्राप्त संस्था जैसे, किसी विश्व-विद्यालय/विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्था में अध्ययन कर रहे थे, किन्तु जो सशस्त्र सेनाओं में सम्मिलित होने के फलस्वरूप पढ़ाई छूट जाने से उक्त योग्यताओं में से कोई योग्यता प्राप्त नहीं कर सके, वे भी आयु से संबद्ध कुछ शर्तें पूरी करने पर इस परीक्षा में बैठने के पात्र हैं। परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 से रु० 1 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर एक रुपया नक़द देकर प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर "भारतीय प्रशासन सेवा" आवि (निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी) परीक्षा 1973 स्पष्ट रूप

से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र (i) कमान मुख्यालय, (ii) कोर मुख्यालय, (iii) डिवीजन मुख्यालय (iv) एरिया मुख्यालय (v) सब एरिया मुख्यालय से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के पास 9 जुलाई, 1973, (विदेशों में/समुद्रपार रहने वाले उम्मीदवारों द्वारा 23 जुलाई, 1973) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

राजेन्द्र लाल

सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th May 1973

No. F.32/157/73-SCA(ii).—Shri B. S. Dhawan, Assistant Registrar, was granted earned leave for five days from 23-4-1973 to 27-4-1973 with permission to prefix thereto Sunday the 22nd April, 1973.

After the expiry of said leave Shri B. S. Dhawan resumed charge of his duties as Assistant Registrar on the forenoon of 28th April, 1973.

(Admn. Br. D)

The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to allow Shri K. Chandramouli, to assume charge of the office of Private Secretary to Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of the 9th April, 1973, consequent upon his reversion from the office of Pay Commission.

R. NARASIMHAN

Deputy Registrar (Admn.)

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th April 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Sunder Lal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 90 days from 2nd April, 1973 to 30th June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th April 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 69 days from 9th April, 1973 to 16th June, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Shimpal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 60 days from 9th April, 1973 to 7th June, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section

Officers' Grade of the Service for a period of 55 days from 9th April, 1973 to 2nd June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT

Under Secretary,  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Central Translation Bureau

New Delhi-16, the 7th May 1973

No. F.7-4/73-Admn.—The following persons at present working as *ad hoc* Translation Officers in the Central Translation Bureau, are appointed to officiate as regular Translation Officers in the Bureau with effect from the dates mentioned against each:—

Name and Date of appointment as regular Translation Officers:

1. Smt. S. Narang.—29-4-1972.
2. Sh. A. K. Malaviya.—29-4-1972.
3. Sh. M. R. Sharma.—29-4-1972.
4. Sh. S. Hasan.—29-4-1972.
5. Sh. N. R. Bajaj.—20-4-1972.
6. Sh. K. K. Gupta.—29-4-1972.
7. Sh. N. N. Abbasi.—23-9-1972.
8. Smt. C. K. Thukral.—23-9-1972.
9. Sh. S. K. Aggarwal.—23-9-1972.

2. The following persons, at present working as Senior Translators in the Central Translation Bureau, are appointed to officiate as Translation Officers in this Bureau on a regular basis with effect from the afternoon of 2-4-1973, until further orders:—

1. Shri Madhav Singh
2. Shri Hari Sharan Das
3. Shri Rameshwar Dayal

G. K. MISHRA

Director

### Office of the Inspector General

(Central Industrial Security Force)

New Delhi-110003, the 25th April 1973

No. E-16014(3)/16/73-Ad I.—On transfer on deputation from Assam State Police, Shri Gopal Chandra Gogoi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant (Junior Administrative Officer), Eastern Zone Central Industrial Security Force, with Headquarters at Calcutta with effect from the forenoon of 16th April, 1973.

No. E-38013(3)/11/73-Ad.I.—On transfer from Jaduguda, Shri John Chauhan, assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 16th Battalion, Central Industrial Security Force, Ranchi, with effect from the afternoon of 12-4-1973.

*The 8th May 1973*

No. E-38013(1)/11/73-Ad.I.—On transfer, Shri Tushar Dutt, IPS (Uttar Pradesh 1953) assumed the charge of the post of Deputy Inspector General (Northern & Western Zone), Central Industrial Security Force, with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 8th May, 1973.

*The 9th May 1973*

No. E-24015/14/73-Ad.I.—Consequent on completion of his re-employment, Shri E. L. Ramanaiah relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, No. 6 Battalion Central Industrial Security Force, Madras Fertilizer Ltd., Madras with effect from 28-3-1973 (A.N.) and proceeded on terminal leave for 61 days with effect from 29-3-1973 (F.N.).

No. E-29018(2)/7/73-Ad.I.—Shri K. Ramamurti, IPS, Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Southern Zone, assumed the charge of the post with effect from the forenoon of 4th May, 1973, with Headquarters at Madras.

M. GOPALAN  
*Inspector General*

**Office of the Registrar General, India**  
*New Delhi-11, the 7th May 1973*

No. 25/11/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri Attar Singh, I.A.S. Director of Census Operations and *ex-officio* Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh, at the disposal of the Government of Himachal Pradesh with effect from the forenoon of the 18th April, 1973.

The President is also pleased to decide that in addition to his normal duties under the Government of Himachal Pradesh, Shri Attar Singh Joint Agricultural Production Commissioner, will function as Director of Census Operations and *ex-officio* Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh in an *ex-officio* capacity with effect from the above date, until further orders.

A. CHANDRA SEKHAR  
*Registrar General, India and  
ex-officio Joint Secretary to the Govt.  
of India in the Ministry of Home Affairs*

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

**Office of the Accountant General, Bihar**  
*Ranchi, the 3rd May 1973*

No. OEI-Audo-58.—The Accountant General, has been pleased to promote Shri Ramji Singh a substantive S.A.S. Accountant of the Office of Examiner of Local Fund Accounts to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office w.e.f. 3-4-1973 (F.N.).

N. P. HARAN  
*Sr. Deputy Accountant General (Admn.)*

**Office of the Chief Pay & Accounts Officer**  
**Department of Supply**

*New Delhi-11, the 4th May 1973*

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/655-58.—The Chief Pay & Accounts Officer, Deptt. of Supply, Ministry of Food & Agriculture and Rehabilitation New Delhi has appointed Shri S. P. Chatterjee S.O. formerly designation SAS Accountant of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Deputy Chief Pay & Accounts Officer, Dept. of Supply, Madras with effect from the forenoon of 12-4-1973 till further orders.

His promotion shall, however, be without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

No. 32014/73-74/Admn(CDN)/663-66.—The Chief Pay & Accounts Officer, Deptt. of Supply, Ministry of Food & Agriculture & Rehabilitation, New Delhi has appointed Shri H. C. Khosla, S.O. (formerly designation SAS Accountant) of his organisation to Officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Min. of Food & Agriculture, Bombay with effect from the afternoon of 12-4-1973 until further orders.

His promotion shall, however, be without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

ARUNA MAKHAN  
*Dy. Chief Pay & Accounts Officer*

**Office of the Accountant General, Andhra Pradesh**  
*Hyderabad-500004, the 5th May 1973*

No. FBI/7-239/73-74/24.—The Accountant General, Andhra Pradesh, I, has been pleased to promote Shri G. Selvarangan a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Andhra Pradesh Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 590-30-830-35-900 with effect from 13-4-1973 A.N. until further orders. The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. NAGARAJAN  
*Sr. Deputy Accountant General (Admn.)*

**Office of the Accountant General, Gujarat**  
*Ahmedabad, the 8th May 1973*

No. Estt(A)/GO/704.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri T. Venkaesan and P. Ramasubramoney, permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in the Office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of the 21st April 1973 until further orders.

K. H. CHHAYA  
*Deputy Accountant General. (A).*

**Office of the Chief Auditor, Northern Railway**  
*New Delhi, the 8th May 1973*

No. Admn/17-14/72.—Shri Jagan Nath Nagpal, Section Officer (Audit) (a permanent member of the sub-ordinate Railway Audit Service), on reversion from the office of the Institute of Agricultural Research Statistics (ICAR) New Delhi, is appointed to officiate as Audit Officer at Hd. Qrs. Office, New Delhi w.e.f. 27-4-1973 (F.N.) until further orders.

G. B. SINGH  
*Chief Auditor*

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT**  
**Office of the Controller General of Defence Accounts**  
*Ahmedabad, the 8th May 1973*

No. 40011(2)/73-AN-A.—Having giving notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459 (i) Civil Service Regulations, Volume I and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri Ram Parkash Dhawan, permanent Accounts Officer (Roster No. P/458) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Central Command, will be transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of the 4th July 1973.

No. 40011(2)/73/AN-A.—Having been permitted to retire from service voluntary with effect from the forenoon of the 23rd August 1973 under the provisions

of Article 459 (i) Civil Service Regulations, Volume I, Shri T. S. Guruswamy, permanent Accounts Officer (Roster No. P/51) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, will be transferred to the Pension Establishment with effect from the same date.

2. Shri Guruswamy has been granted earned leave for 108 days from 7-5-1973 to 22-8-1973 pending retirement. He has also been granted earned leave for 4 days from 23-8-1973 to 26-8-1973.

C. V. NAGENDRA

Deputy Controller General of  
Defence Accounts (AN)

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

### Films Division

Bombay-400026, the 4th May 1973

No. 8/20/50-Est.I.—The Controller-cum-Chief producer, Films Division, hereby appoints Shri A. S. Charles, Officiating Superintendent to officiate as Assistant Administrative Officer in the Films Division, Bombay, with effect from the afternoon of the 30th April, 1973, vice Shri M. K. Jain appointed as Administrative Officer in the leave vacancy of Shri K. S. Kudva.

S. K. ROY

Asst. Administrative Officer  
for Controller-cum-Chief Producer

### Publications Division

New Delhi, the 5th May 1973

No. A22013/3/70-Admn-I.—Shri R. B. Singh, Business Executive is appointed to officiate as Assistant Business Manager on *ad hoc* basis with effect from the 7th May, 1973 to 14th August, 1973 vice Shri Jai Kishore, Assistant Business Manager, granted leave.

K. N. BAMZAI  
Nideshak

### (Directorate of Advertising & Visual Publicity)

No. A.38015/1/72-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri A. Y. Gobole, offg. Field Exhibition Officer in this Directorate retired from Government service on the afternoon of the 24th April, 1973.

R. L. JAIN

Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

### (Civil Construction Wing)

New Delhi-1, the 4th May 1973

No. A-35017/1/73-CW.I.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Junior Engineers of the C.P.W.D. as Assistant Engineer (Civil) in the grade of Rs. 350-900 in the Civil Construction Wing of All India Radio with effect from the dates shown against their names on deputation for a period of one year in the first instance :—

S. No.	Name of the Officer	Post held in the parent office	Post to which appointed	Date of appointment	Place of posting
1	2	3	4	5	6
S. Shri					
1.	G. P. Varshney	Junior Engineer	Assistant Engineer.	17-2-73	Rewa.
2.	B. Choudhury.	Junior Engineer.	Do.	4-4-73	Agartala.

J. J. TOLANI, Engineer Officer to C.E. (Civil)  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th May 1973

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is also pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariate service to officiate in Grade I of the Central Secretariate Service for the following periods :—

- (i) from the 1st March, 1973 to the 11th March, 1973.
- (ii) from the 13th March, 1973 to the 30th April, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above periods.

R. N. SAXENA

Deputy Director Administration

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

### Administration Br. A—6

New Delhi, the 27th April 1973

No. A-6/76(4)/58-XV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Dte. General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Director of Inspection with effect from the date indicated against the name of each officer.

S. No.	Name	Post held	Post in which confirmed	Date of confirmation	Remarks
S. Shri					
1.	A. S. Nagar-katti	Officiating Director of Inspection	Director of Inspection, Gr. I of the Indian Inspection Service, Cl. I.	4-12-71	Vice Shri I.L. Patel retired from service w.e.f. 3-12-71 (AN).
2.	C.R. Sircar	Do.	Do.	1-5-72	Vice Sh. S.R. Ray retired from service w.e.f. 30-4-72. (AN)

VIDYA SAGAR, Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals.

## Office of the Welfare Commissioner, Mica Mines Labour Welfare Fund, Rajasthan

Bhilwara, the 8th May 1973

No. 2(5)73-Estt.I.—Consequent on his appointment as Assistant Engineer under the Mica Mines Labour Welfare Organisation, Rajasthan, Bhilwara, Shree H. K. Sahay, Overseer (Civil) Mica Mines Labour Welfare Organisation, Bihar assumed charge of the post of Asstt. Engineer, Mica Mines Labour Welfare Fund, Rajasthan, Bhilwara on the afternoon of 8th January, 1973.

N. L. SHARMA  
Welfare Commissioner



**MINISTRY OF AGRICULTURE**

(Department of Agriculture)

Directorate of Marketing &amp; Inspection

Head Office

Faridabad, the 7th May 1973

No. F.3/169/66-AF.I.—Consequent on her appointment as Senior Inspecting Officer (Fruit and Vegetable Preservation) under the Department of Food, Kumari R. Susheela, marketing Devt. Officer (F.P.) has been relieved of her duties in this Dte. with effect from 3-4-1973 (A.N.).

N. K. MURALIDHARA RAO  
Agricultural Marketing Adviser

**FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES**

Dehra Dun, the 5th May 1973

No. 16/122/67-Ests-I.—On his attaining the age of superannuation on the afternoon of 18-3-1973, Shri S. N. Mitra, Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore, relinquished the charge of his office with effect from the forenoon of 19-3-1973.

S. K. SETH  
President  
Forest Research Institute and Colleges

**MINISTRY OF COMMERCE**

Office of the Textile Commissioner

Bombay, the 7th May 1973

No. 3(1)/65-CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 4 of the Cotton Textiles (Export Control) Order, 1949, I hereby cancel the Textile Commissioner's General Permission No. 3(1)/65-CLB II dated the 29th January, 1966.

R. C. SAXENA  
Joint Textile Commissioner

**MINISTRY OF STEEL AND MINES**

(Department of Mines)

(India Bureau of Mines)

Nagpur, the 10th May 1973

No. A19011(102)/70-Estt.A.—Dr. R. S. Dinesh, Chemist, Indian Bureau of Mines has been released with effect from the afternoon of 16th April, 1973 to join the post of Senior Chemist in Oil & Natural Gas Commission.

S. BALAGOPAL  
Head of Office  
for Controller

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**

(Small Scale Industries)

New Delhi, the 22nd January 1973

No. 12(713)/72-A(G).—On reversion as Small Industries Promotion Officer, Shri A. B. Saha -relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute Calcutta on the forenoon of 1-1-1973.

No. A-19018(1)/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri N. K. Neogi, a Quasi permanent Small

industry promotion officer, Small Industries Service Institute, Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the same Institute on *ad hoc* basis. Shri Neogi assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) on the forenoon of 20-12-1972.

The 9th March 1973

No. A.19018/30/73-Admn(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, is pleased to appoint Sh. V. Gopalakrishnan, a Quasi-permanent Small Industries Promotion Officer in the Small Industries Service Institute, Trichur to officiate as Asstt. Director (Gr. II), in the Branch Institute, Silchar (under SISI Gauhati) on *ad hoc* basis. Shri Gopalakrishnan assumed charge of the post on the forenoon of 18th January 1973.

The 21st April 1973

No. 12(602)/68-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri M. S. Chauhan (a Small Industry Promotion Officer) in the small Industries Service Institute, Indore to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the SISI, Indore, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the afternoon of 31st March, 1973.

The 26th April 1973

No. A.19018/50/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri R. M. Maithal quasi-permanent Small Industry Promotion Officer, in the E.C. Meerut SISI, Kanpur to officiate as Assistant Director (Grade II) in the E.C. Ranchi, SISI, Patna, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 5-2-1973.

The April 1973

No. A.19018/43/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri Jogankur Roy, Small Industry Promotion Officer in the S.I.S.I., Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the same Institute, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 24-3-1973.

No. A.19018/47/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri N. G. V. Subramaniam (permanent Small Industry Promotion Officer), Small Industries Service Institute, Bombay to officiate as Assistant Director (Gr. II) in S.I.S.I. Bombay. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 26th March, 1973.

No. A.19018/46/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri S. M. Bhatnagar (Small Industry Promotion Officer), Small Industries Service Institute, Bombay to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the SISI, Bombay on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 2nd April, 1973.

New Delhi, the 9th May 1973

No. A.19018/8/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri G. C. Goel (a quasi-permanent Investigator), Small Industries Promotion Officer, in the S.I.S.I. Patna to officiate as Asstt. Director (Gr. II) in the E.C. Ranchi, SISI Patna, until further orders. He assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) in the forenoon of 5th March, 1973.

K. V. NARAYANAN  
Deputy Director (Admn.)

**CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

Office of the Engineer-in-Chief

New Delhi, the 7th May 1973

No. 5/2/70-ECI.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Prasad Bhardwaj on the result of the

Engineering Services Examination, held in 1971 on probation in C.Ls Class I in the C.F.W.D. against a permanent post of A.E.E. (Civil) with effect from the forenoon of 1st March, 1973.

V. P. SARVARIA  
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 8th April 1973

No. 28/9/71-ECI.—The President is pleased to further allow Shri G. G. Ghosh A.E. (Civil) to continue to officiate as Executive Engineer (Civil) in Central Engineer Services, Class I on a purely *ad hoc* and provisional basis upto 30th June, 1973 or till the stay order is vacated by the Calcutta High Court whichever is earlier.

V. P. SARVARIA  
Dy. Director of Administration  
for Engineer-in-Chief

#### CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION

(Water Wing)

New Delhi-22, the 8th May 1973

No. A.19012/399/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Kailash Nath to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) on an *ad hoc* basis, with effect from 16-4-1973 (forenoon) until further orders.

Shri Kailash Nath took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

The 10th May 1973

No. A-19012/315/72-Adm. V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission, is pleased to appoint Shri S. S. Ganguli to the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing), in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, with effect from the forenoon of 26-3-1973, until further orders.

2. Shri S. S. Ganguli will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON  
Under Secretary  
for Chairman, C.W. & P. Commission  
New Delhi, the 10th May 1973

No. A.19012/400/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri K. S. Rangaswamy, Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 with effect from the forenoon of 6-4-1973 until further orders.

Shri K. S. Rangaswamy took over charge of the office of Extra Assistant Director (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON  
Under Secretary  
Central Water and Power Commission

#### Central Ground Water Board

Faridabad, the 11th May 1973

No. 3-297/73/Estt-II.—Shri Rajendra Singh Thakur is appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist,

G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Chandigarh with effect from 30th March, 1973 (forenoon) till further orders.

D. PANDEY  
Superintending Engineer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### Heavy Water Projects

Bombay-8, the 30th April 1973

No. 05000/327.—Kum. Manik Anant Pradhan, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Projects, has changed her name to Smt. Manik Mukund Karnik w.e.f. 17-2-1973, consequent on her marriage.

T. C. SATYAKEERTHY  
Senior Administrative Officer

##### Rajasthan Atomic Power Project

Anushakti, the 4th May 1973

No. RAPP/04627/2(388)/71/S/377.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Smt. Rulamma Daniel, a temporary Assistant Matron in the Rajasthan Atomic Power Project as Matron in the same project in a temporary officiating capacity with effect from 19-10-1972 (AN). Smt. Daniel relinquished charge of the post of Matron on the afternoon of January 30, 1973.

R. K. BALI  
Administrative Officer (Estt.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st May 1973

No. A.32013/4/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkaswamy, Assistant Director of Equipment as Deputy Director (Equipment) in the Civil Aviation Department vice Shri P. G. Barde appointed as Regional Director, with effect from the 12th April, 1973 till regular arrangements are made.

No. A-32013/7/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri P. G. Barde, Deputy Director (Equipment) as Regional Director Delhi in the Civil Aviation Department, with effect from 12th April 1973 (F.N.).

S. L. KHANDPUR  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 9th May 1973

No. A.31013/4/72.EA.—The President has been pleased to appoint Shri S. Mukhopadhyay in a substantive capacity in the grade of Assistant Director (Equipment)/Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, with effect from the 5th October, 1971.

No. A-19014/48/72-EH.—On attaining the age of superannuation, Shri P. G. Barde, Regional Director, Civil Aviation Department, New Delhi retired from Government Service with effect from 7th May, 1973 (forenoon).

S. L. KHANDPUR  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

**CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY***New Delhi-12, the 21st April 1973***Chemical Establishment**

No. 3/1973.—Shri N. Rama Mohana Rao, Chemical Assistant, Gr.I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of the 30th March, 1973 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN  
Chief Chemist, Central Revenues

**Security Paper Mill***Hoshangabad, the 7th May 1973*

No. 3(15)/963.—In continuation of this office Notification No. 3(15)/6853 dated 12th October, 1972, appointing Shri P. L. Narayanan, Inspector Control, to officiate as Assistant Chief Control Officer in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the scale of Rs. 400-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 on an *ad hoc* basis for a period of 6 months w.e.f. 9th October, 1972 (F.N.), it is notified that he is allowed to continue in the same capacity for a further period of six months w.e.f. 9th April, 1973 (F.N.).

P. S. SHIVARAM  
General Manager

**MINISTRY OF RAILWAYS****(Railway Board)***New Delhi, the 4th May 1973*

No. 73/W4/CONL/SC/3.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have sanctioned the Preliminary Engineering and Traffic Surveys for conversion of Miraj-Kurduwadi-Latur Narrow Gauge Section (364 Kms.) into Broad Gauge, and a new BG line from Latur to Latur Road (34 Kms.). The survey is being carried out by the South Central Railway.

H. F. PINTO  
Secretary, Railway Board

**NORTHERN RAILWAY****Headquarters Office***New Delhi, the 6th April 1973*

No. 752-E/167(EIA)—The following Officiating Assistant Personnel Officers in Class II Service on the Northern Railway are confirmed Prov./Final with effect from the date shown against each :—

S. No.	Name	Date of	Confirmation	Department in which confirmed.
		Provisional	Final	
S/Shri				
1.	R. B. Mathur.	25-3-72 (Already confirmed).	12-11-72	Transportation & Commercial.
2.	S. N. Misra.	12-11-72	19-11-72	Civil Engineering.
3.	J. P. Sharma.	19-11-72	—	Do.

C. S. PARAMESWARAN, General Manager.

**COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE***Bangalore, the 11th December 1972*

No. 12/72—The undermentioned Appraiser/Superintendents of Central Excise, Class II, on their promotion as Superintendents of Central Excise, Class I, in pursuance of the Finance Ministry's F.No.A. 22012/8/72-Ad. I dated 16-11-72, in the scale of pay of Rs. 400-400-450-30-510-EB-700-40-1100-50/2-1250, have assumed charge as Superintendents of Central Excise, Class I, on the dates and at the places noted against them:—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of joining
S/Shri			
1.	C. Punnuswamy .	Headqrs. office, Bangalore	22-11-72 F.N.
2.	V. V. Pandit .	Karwar Circle Office	25-11-72 F.N.
3.	B. S. Patil .	I.D.O. Hubli as Supdt. (T)	4-12-72 F.N.

No. 13/72—In pursuance of Finance Ministry's order F. No. 22012/8/72 Ad. I dated 16-11-72, shri T. B. Patsupe, Superintendent of Central Excise, Class II, on promotion as Assistant Collector Central Excise, has assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, Nipani Division on the Afternoon of 30-11-72, relieving Shri S. Kak, Assistant Collector to proceed on transfer to Allahabad.

R. B. SINHA, Collector

*Baroda, the 13th April 1973*

No. 2/19/73-Estt. Pt. II—The following office Superintendents who were appointed to officiate as Class II officers under this office Establishment Order No. 30/1973 dated 13-3-73 have assumed the charge of Administrative Officer on the dates shown against them :—

Sr. No.	Name of the Officer	Posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
S/Shri			
1.	K. K. Mehta .	Administrative Officer, Divisional Office, Nadiad.	22-3-73 F.N.
2.	P. K. Muley .	Administrative Officer, Divisional Office, Ahmedabad-I.	20-3-73 F.N.
3.	M. Y. Patel .	Administrative Officer, Divisional Office, Baroda-II.	13-3-73 A.N.
4.	N. M. Parikh .	Administrative Officer, Divisional Office Customs, Ahmedabad.	20-3-73 F.N.
5.	K. K. Desai .	Administrative Officer, Divisional Office Anand.	29-3-73 F.N.
6.	H. C. Dave .	Administrative Officer Divisional Office, Bhavnagar.	15-3-73 A.N.
7.	K. V. Dave .	Administrative Officer, Customs Divisional Office, Adipur.	15-3-73 A.N.

1	2	3	4
8.	C. C. Bhatt	Administrative Officer, Customs Divisional Office, Jamnagar.	26-3-73 F.N.
9.	P. M. Kansara	Administrative Officer, Divisional Office, Baroda Dn. I.	13-3-73 A.N.
10.	R. C. Mehta	Administrative Officer, Divisional Office, Ahmedabad Dn. II.	20-3-73 A.N.

D. N. LAL, *Collector*

## (Central Excise Wing)

Cochin-3, the 26th April 1973

No. II/3/13/73 ESTT.I—The following Office Superintendents of Central Excise of this Collectorate have been appointed to officiate as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer (Class II) with effect from the dates noted against each :—

S. No.	Name of the officer	Formation to which posted on promotion	Date of joining as Administrative Officer/ Assistant Chief Accounts Officer
1.	S/Shri P. Vasudevan	Administrative Officer, IDO, Ernakulam.	31-3-73 A.N.
2.	T. Usman Koya	Administrative Officer, IDO, Kozhikode.	28-3-73 F.N.
3.	Shri T.T. Govindan Nair	Assistant Chief Accounts Officer, Headquarters Office, Cochin.	26-3-73 F.N.

S. VENKATARAMA IYER, *Collector*

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Knight Club Private Limited

Delhi, the 5th May 1973

No. 4499/4665.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Knight Club Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mimani Electricals Private Limited

Delhi, the 5th May 1973

No. 5171/4667.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mimani Electricals Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. JAIN

Asstt. Registrar of Companies  
Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Nalanda Trading Company Private Limited

Patna, the 7th May 1973

No. 20(843)72-73/883.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nalanda Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL

Registrar of Companies  
Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956, and of DEB Dass & Sons Private Limited

Calcutta, the 8th May 1973

No. 16655/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the DEB, Dass & Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. G. ANANTAKRISHNAN

Registrar of Companies  
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jaitex Private Limited

Jullundur City, the 10th May 1973

No. G/Stat/560/2239/3542.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name the Jaitex Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. P. KHANDPUR

Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mahakoshal Metal Works Private Limited, Jabalpur

Gwalior-1, the 10th May 1973

No. 429/Liq/256.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Mahakoshal Metal Works Private Limited, Jabalpur has been ordered to be wound up by an order dated 30th March, 1973 passed by the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur and the Official Liquidator has been appointed to conduct and complete the winding-up proceedings.

MAHESH PRASAD

Registrar of Companies  
Madhya Pradesh

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE III

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

Bombay-20, the 9th May 1973

No. ACQR-III/22/72-73.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar, I.A.C. of Income-tax Acquisition Range III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing C. S. No. 1139 B.M.C. No. G-3058(1) 522, 1st. Khed Lane, Ward G.522 situated at Sayani Road, Bombay 25 DD. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bombay, during fortnight ended on 30-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yeshwantlal Narottamdas Contractor. (Transferor).
- (2) M/s. Bharat Timber Industries (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that person to whom notice is given under the preceding paragraph shall  
11—76GI/73

have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Elphinstone Road without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 1058 Square Yards or thereabouts (Equivalent to 8864.62 Square Metres approximately) and registered with the Books of Collector of Bombay bearing N.S. Sheet No. 530 Cadastral Survey No. 1139 Lower Parel Division and bounded as follows: on or towards the East by Property of Jao Girgaon D'Souza, on or towards the West by a Private Road, on or towards the North by the Property of Narandas Gopalji and on or towards the South by the Private Road.

Date: 9-5-1973.

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

No. ACQR-III/21/72-73.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar, I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing C.S. No. 1139 B.M.C. No. G-3058(1), 522, 1st. Khed Lane, Ward G.522 situated at Sayani Road, Bombay 25 DD (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bombay, during fortnight ended on 30-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Harilal Narottamdas Contractor. (Transferor).
- (2) M/s. Bharat Timber Industries (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferee).

\* (3) M/s. Bharat Timber Industries (Bombay) Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Elphinstone Road without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 1058 Square Yards or thereabouts (Equivalent to 884.62 Square Metres approximately) and registered with the Books of Collector of Bombay bearing N.S. Sheet No. 530 Cadas-tral Survey No. 1139 Lower Parel Division and bounded as follows: on or towards the East by Property of Jao Girgaon D'Souza, on or towards the West by a Private Road, on or towards the North by the Property of Narandas Gopalji and on or towards the South by the Private Road.

R. G. NERURKAR

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range-III  
Bombay

Date: 9-5-1973.

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

Bombay-20, the 11th May 1973

**No. AP 10/I.A.C.A.R.IV/73-74.**—Whereas, I N. D. Anjaria I.A.C.A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 280, Hissa No. 15 C.T.S. No. 1268 situated at Village Rajan Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 28-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Roland Pereira & Mrs. Annie Pereira 32, B. Rajan, Bandra, Bombay-50. (Transferor).
- (2) Shri/Smt./Kum. Humble Home Coop Housing Society Ltd. Plot No. NA. 345, Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at village Rajan Danda, in Greater Bombay bearing Survey No. 280, Hissa No. 15, C.T.S. No. 1268, admeasuring 326 sq. yds.

**No. A P 9/I.A.C.A.R.IV/73-74.**—Whereas, I N. D. Anjaria I.A.C.A.R.IV Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 439, Hissa, No. 6-Part(A) situated at Kole Kalyan B.S.D. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 24-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kusum Suresh Sadar, Ranga ni 31, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50. (Transferor).
- (2) Shri/Smt./Kum. Linnet Co-op. Housing Society Ltd., Radha Bhawan, Hindu Colony, Road No. 2, Bombay-14. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 422 sq. yds. bearing Survey No. 439, Hissa No. 6-Part(A) at Kole-Kalyan in B.S.D.

*Bombay-20, the 16th May 1973*

No. A.R. II/10/5-73-74.—Whereas, I, Shri N. D. Anjaria, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 292, H. No. 1 (Part) situated at Kurla Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2nd December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Trustees of A. H. Wadia, Charit Trust, Bombay\* (Transferor).

- (2) Shri/Smt./Kum Shushilkumar Dwarkanath Vaidya, 8, Navare Apartment, Sion, Bombay-22 (Transferee).

- \* (1) Ardaseer Cursctjee Pestonjee Wadia.
- (2) Nary Cursctjee Pestonjee Wadia.
- (3) Jchangir Ardaseer Cursctjee Wadia.
- (4) Sherro Ardaseer Cursctjee Wadia.
- (5) Rully Cursctjee Pestonjee Wadia.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate at village Kurla in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban (now Greater Bombay) Taluka South Salsette bearing Survey No. 292 Hissa No. 1 (part) of Village Kurla and measuring 746.41 sq. yds. (equivalent to 624.09 sq. meters or thereabouts and bounded as follows that is to say on or towards the NORTH by Survey No. 292 (part) in the occupation of R. W. Gudal on or towards the SOUTH by Survey No. 292 (part) in occupation of M. S. Khanolkar on or towards the WEST by proposed 60' road and S. No. 292 (part) and on or towards the EAST by Survey No. 292 (part) and delineated on the plan thereof annexed hereto and thereon shown in red colour.

*Bombay-20, the 16th May 1973*

No. A.R. II/11/6-73-74.—Whereas, I, Shri N. D. Anjaria, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 292, H. No. 1 (Part) situated at Kurla Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2nd December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri/Smt./Kum. Trustees of A. H. Wadia, Charity Trust, Bombay\* (Transferor).
- (2) Shri Shushilkumar Dwarkanath Vaidya, 8, Navare Apartment, Slon, Bombay-22 (Transferee).

- \* (1) Shri Ardaseer Cursetjee Pestonjee Wadia.  
 (2) Shri Nary Cursetjee Pestonjee Wadia.  
 (4) Shri Jehangir Ardaseer Cursetjee Wadia.  
 (4) Shri Sherro Ardaseer Cursetjee Wadia.  
 (5) Shri Rutty Cursetjee Pestonjee Wadia.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate at village Kurla in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban (now Greater Bombay) Taluka South Salsette bearing Survey No. 292 Hissa No. 1 (Part) of Village Kurla and measuring 303.78 square yards (equivalent to 254.00 sq. meters) or thereabouts and bounded as follows that is to say on or towards the NORTH by Survey No. 292 (part) in occupation of the S. D. Vaidya, on or towards the SOUTH by Survey No. 292 (part) partly in occupation by the S. D. Vaidya and partly in occupation of R. M. Kupeer on or towards the WEST by proposed 60' wide road and on or towards the EAST by Survey No. 292 (part) in occupation of the S. D. Vaidya and delineated on the plan thereof annexed hereto and thereon shown in red colour.

N. D. ANJARIA

*Inspecting Assistant Commissioner  
 of Income-Tax, Acquisition Range-II  
 Bombay*

Date : 16th May, 1973.

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

Calcutta, the 9th May 1973

No. TR-707/C-127/CAL-I/72-73.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 99/5/1/2 situated at Ballygunge Place Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances No. 5, Government Place North Calcutta-1 on 21-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Salila Ghosh. (Transferor).
- (2) Dr. Samir Kumar Biswas. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Divided northern part of messuage vacant land hereditaments being premises No. 99/5/1/2, Ballygunge



Place, Calcutta, Area 5 Kattaha, 2 Chittaks, 8 sq. ft. approximately.

Date: 9-5-73.

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-I)

Calcutta

Calcutta, the 11th May 1973

No. Ac-3/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 24/1, situated at Belvedere Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances No. 5, Government Place North, Calcutta on 27-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Alokata Patra, (Transferor).
- (2) Kalipada Banerjee, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 24/1, Belvedere Road, Alipore, Calcutta.

Date: 11-5-73.

(Seal)

(Strike off where not applicable)

No. Ac-2/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 24/1, situated at Belvedere Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances No. 5, Government Place North, Calcutta-1 on 27-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Kumari Bijan Bala Das, (Transferor).
- (2) Shri Kalipada Banerjee, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to

every person who has made such objection, and the transferee of he property.

It is hereby further notified that person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 24/1, Belvedere Road, Alipore, Calcutta.  
Date : 11-5-73.

(Seal)

*Calcutta, the 10th May 1973*

\*(Strike off where not applicable)

No. Ac-1/R-II/Cat/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 13, situated at Parkside Road, P. S. Tollygunge, Calcutta-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances No. 5, Government Place North, Calcutta-1 on 21-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Soumyendra Chandr Gupta. (Transferor).
- (2) Shri Pradip Kumar Nandy. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to

every person who has made such objection, and the transferee of he property.

It is hereby further notified that person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 13, Parkside Road, Calcutta-26 P. S. Tollygunge having land area of four cottahs, two chattacks and nineteen square feet with structures thereon.

M. N. TIWARY

*Competent Authority*

*(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II)  
Calcutta*

Date : 10-5-73

(Seal)

(Strike off where not applicable)

*Hyderabad, the 9th May 1973*

No. RAC.1/73-74.—Whereas, I, M. K. Krishnaswamy being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 22-7-688 situated at Dewan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Azampura, Hyderabad on 16-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Abbas Yarjung, S/o Nawab Turab Yar Jung, Dewan Devdi, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri Syed Faizullah Khan, S/o, Syed Saleh Mohd., Punjashah, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice

on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 22-7-688 inside Dewani Devdi (Nizam Bagh) Hyderabad A.P.: Area 829 Sq. Yds. 693 Sq. Mts.

North: Way 40' wide.

South: Ashorkhana of Vendor (Sri Abbas Yar Jung).

East: House of Sri Abbas Yar Jung.

West: House of Sri Abbas Yar Jung.

M. K. KRISHNASWAMY

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, 1st Floor, Room No. 10,

N.T.R. Estate, Hyderabad-500001

Date: 9-5-1973.

Seal:

#### Madras-6. the 30th April 1973

No. F.239/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. No. 359/CC. No. 381 Plot No. B situated at 55, Harrington Road, Egmore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub Registrar-II, Madras on 2nd March 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mr. Kotha Raguramaiah, Mrs. Kotha Lakshminarayana, 14, Ashoka Road, New Delhi. (Transferor).

(2) Mr. M. Krishnamurthy, 26, Sterling Road, Madras-34. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

R. S. No. 359/CC. No. 381/Plot No. B—3 grounds 180 sq. ft. 55, Harrington Road, Egmore, Madras-8.

Date: 30th April 1973.

Seal:

No. F.240/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. No. 359/CC. No. 381 Plot No. B situated at 55, Harrington Road, Egmore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub Registrar-II, Madras on 2nd March 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Kotha Raguramalah, Mrs. Kotha Lakshminarayanamma, 14, Ashoka Road, New Delhi. (Transferor).
- (2) M. Jayaram, 26, Sterling Road, Madras-34. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

R. S. No. 359, CC. No. 381: Plot No. A, 3 grounds 182 sq. ft. 55, Harrington Road, Egmore, Madras-8.

No. F.241/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. No. 359/CC. No. 381 situated at 55, Harrington Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub Registrar-II, Madras on 2nd March 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Kotha Raguramaiah, Mrs. Kotha Lakshminarayanamma, No. 14, Ashoka Road, New Delhi. (Transferor).
- (2) Mrs. M. Sivabagyam, No. 26, Sterling Road, Madras-34. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

R. S. No. 359—C.C. No. 381—Plot No. C, 3 Grounds 433 sq. ft. (Three Grounds and four hundred and thirty three sq. ft.) 55, Harrington Road, Egmore, Madras-8.

No. F.197/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing door No. 6 situated at Rutland Gate, IV St., Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub-Registrar-II, Madras on 7th Feb. 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M. Alagammai, No. 8, Bishop Wallen Avenue Lane, (West) Madras-4. (Transferor).
- (2) Dr. (Mrs.) A. Rahamath Unnisa, No. 51, Kandappa Chetty St., Madras-1. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 6, Rutland Gate, IV Street, Madras-6.

No. F.191/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 17/1 situated at Harrington Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.O. West Madras (Periamet) on 13-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Dhanammal and Shri S. Govindarajulu Naidu, 9/1, Vellala St., Ayanavaram Madras. (Transferor).
- (2) Mrs. Jayalakshmi Sundaramurthy, 58, Theagaraya Road, Madras-17. (Transferee).
- (3) Lady Thamboo Chetty—as a month to month tenant. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of application of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises—Plot No. 17/1 in layout No. 250 of 1959 in lane branching off from Harrington Road, Chetput, Madras-31—Comprised in O.S. No. 91, Re-Survey No. 353 of Egmore Village measuring in extent 2 grounds 260 sq. ft. (110' × 46') within the S.R.O. West Madras.

No. F.183/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 4 situated at Gilchrist Gardens (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub-Registrar-II, Madras on 28th Feb. 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the trans-

feree(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Swaminadhan, (2) Kumari Srilata Swaminadhan, (3) Smt. Revathi Mukerjee and (4) Shri Govinda Swaminathan.
- (2) Sri B. N. Patel & Smt. R. B. Patel, No. 11, Anakara, Harrington Road, Madras-31. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant building site marked as plot No. 4 being part of Schedule 'A' and delineated and coloured red in the sketch attached thereto measuring in extent 3 grounds 13 sq. ft. or thereabouts and measuring North to South on the Western side 55 ft. and Eastern side 45 ft. East to West on the Northern side 117' 6" and Southern side 132' 6" bounded on the North by the "Anakara" property West by Plot marked as 5 in the sketch attached hereto South by 12' passage East by Gilchrist Avenue Road comprised in R.S. No. 321/1 of Egmore bearing Door No. 42, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

No. F.244/72-73.—Whereas, I, T. Sri Rama Narasimham, being the competent authority under Sec.

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and situated at R. S. No. 321/1 (Vacant building site) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub-Register-II, Madras on 15th Feb. 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Swaminathan, (2) Srilata Swaminathan, (3) Smt. R. Mukerjee & (4) Sri Govind Swaminathan, Rep. by Power of Attorney Agent I. Subramaniam. (Transferor).
- (2) Smt. Shalini Ravindran. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.



## THE SCHEDULE.

Vacant building site R. S. No. 321/1.

T. SRI RAMA NARASIMHAM

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range-I  
Madras-6

SEAL :

\*(Strike off where not applicable)

Ernakulam, the 4th May 1973

No. L.C.1/73-74.—Whereas, I K. Rajagopalan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/577, T.B. Road, Palghat situated at Koppam Amsam, Keezhumury Desam, Block 4/16, Palghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palghat on 29-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri (1) Sulaiman (2) Kadar Moideen, S/o E. Noor Mohammed Rauther, Residing at Robinson Road, Koppam Amsam Desam. (Transferor)
- (2) Shri P. S. Lakshmi Narayana Iyer, S/o Subramania Iyer, Pirayiri Amsam, Pallipuram Gramam. (Transferee).
- (3) Shri Deputy Chief Accountant, Kerala State Electricity Board, Revenue Billing Division, T.B. Road, Palghat. (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow on the western side of T.B. Road, Palghat in Koppam Amsam Keezhumury Desam, Block 4/16. Survey No. 855-2A Cent 57 and 860-2B Cent 27—part House No. 20/577, T.B. Road, Palghat).

Seal

No. L. C. No. 2/73-74.—Whereas, I K. Rajagopalan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 421/6G, 6/421 E, 6/421E2 situated at Y.M.C.A. Road, Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calicut on 27-11-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dattathria Raoji Goray, S/o Raoji Anantha-Goray Sastry, Kalathilkunnu, (Transferor).
- (2) Shrimati (1) Parayarakandy Vettath Madhavi, (2) Hemalatha, (3) Sherin, Valavanadu. (Transferee).
- (3) Shri/Shrimati/Kumari Kerala Transport Company and Balakrishnan. (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Pattarakandi Parambe in Kalathilkunnu Amsam Besam, Calicut town-Land & Buildings in Sy No. 40/C4-R.S. 6.8-208-Area 0.208 hectare—50% right.

K. RAJAGOPALAN,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Seal

Poona-411004, the 16th May 1973

Ref. No. C.A. 5/Nov. '72/Haveli-II/73-74.—Whereas, I S.P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 4, 4/1, 4/3, 4/4 and 4/5 situated at Poona opp. General Post Office, Poona-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II on 30-11-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri /Smt./Kumari—X—(Transferor)
2. Shri/Smt./Kumari—@—(Transferee)
3. Shri /Smt./Kumari As per list enclosed (Person in occupation of the property).
4. Shri/Smt./Kumari As per list enclosed (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

X/Transfers C/o Gagrud & Co., Solicitors Advocates, Notaries Ali Chambers, Nagindas Master Road, Fort, Bombay.

- (a) Smt. Eva W/o Kali Rustumji Dastur
- (b) Mrs. Dhunmaj W/o Dhunjishah D. Khambatta.
- (c) Mrs. Hilla W/o Homi R. Thanawalla.

- (d) Miss Silla Nusseswanji Chenop.
- (e) Miss Franly N. Chinoy.
- (f) Mrs. Khorshed J. Chinoy.
- (g) Mr. Nariman J. Chinoy.
- (h) Mrs. Naja K. Thanawalla.

@Transferees C/o M/S Shantinagar Builders 3/5 Nana-bhai Lane Bombay-1.

### Partners

- (a) Shri Bhagwan N. Chotrimal.
- (b) Smt. Chandabai N. Chotrimal.
- (c) Shri Narain Motiram Gidwani
- (d) Shri Daulat R. Masand
- (e) Smt. Chandri S. Kamrani.

Property—Address C.S. No. 4.4/1.4/3.4/4.4/5 Poona-1.

(Known as Poona Hotel)

Name and address of person(s) if any, in occupation of the property:

1. Shanti Nagar Builders.
2. Shanti-sadan Co-operative Housing Society Ltd. and all its members whose list is given under item No. 7.
3. M/s. A. Haq & Co., Construction Contractor.
4. H.H. Aliakbar & H.A. Ghulam, Props: General Restaurant, Tenants.
5. Mr. Nassarwanjee M. Kharadi, Tenant.
6. M/s Caltex (India) Ltd., (Petrolpump & Service Station) Tenants.
7. Dean Doctor (Tenant)
8. Miss Devi Hariram Tenant.
9. Mrs. J. G. Bharucha Tenant
10. Mr. Nankiram Jethani Tenant.
11. Mr. Jethanand Israni Tenant.
12. Mr. Sugnomal Keswani Tenant.
13. Mr. Jivatram N. Mehata Tenant.
14. Mrs. P. Hiranandani Tenant.
15. Miss Kala Shahani, Tenant.
16. Mr. Rangawani, Tenant.
17. Mr. R. J. Baluja, Tenant.
18. Prop. Poona Hotel C/o Shanti nagar Builders, Shanti-Kunj, 4 Sadhu Vaswani Road, Poona-1. (Address for all 18 occupants).

Name and address of any other person(s) interested in the property:

1. Mr. M. G. Ajani.
2. Mrs. Zarani Abdul Budhwani.
3. Mr. P. H. Kripalani.
4. Mr. Hashmatrai Motiram.
5. Mrs. Nihali T. Gurubaxani.
6. Mrs. Shantadevi Navalraj Mirpuri.
7. Mrs. Rukmini W. Keswani.
8. Mrs. Chandra M. Samtani.
9. Mr. M.D. Vaswani.
10. Mrs. Leela B. Tolani.
11. Mrs. Jankibai Ramchand Lalwani.
12. Mr. S. Govardhan Shetty.
13. Mrs. Krishana C. Advani.
14. Mr. G.T. Mahtani.
15. Mr. Jethanand P. Shahani.
16. Miss Chandra K. Lalwani.
17. Mr. Khubchand Daswani.
18. Mrs. Radhi T. Daswani.
19. Mrs. Janaki Parasram Surtani.
20. Mr. Atu L. Relwani
21. Mr. A. K. Mulchandani.
22. Mr. D.M. Vaswani.
23. Mrs. Popati P. Sadrangani.
24. Miss. Mithi B. Thadani.
25. Miss Nirmala T. Jotwani.



26. Mr. T.S. Mulchandani.
  27. Mrs. Sita Motiram.
  28. Mrs. Indira. M. Tolwani.
  29. Mr. Pritram H. Shahani.
  30. Mrs. T.S. Ayyar.
  31. Mrs. Kamini B. Advani.
  32. Mr. J. P. Advani.
  33. Mrs. Pushpa K. Malkani.
  34. Mr. S. V. Chandiramani.
  35. Mr. K. T. Shahani.
  36. Miss. Kishori P. Gidwani.
  37. Mr. Deepak G. Dusija.
  38. Mrs. V. J. Balwani.
  39. Mr. P. K. Adwani.
  40. Mrs. Devi V. Lakhani.
  41. Mr. Indru D. Bhojawani.
  42. Mr. M.H. Thadani.
  43. Mrs. Mohini Punjabi.
  44. Mrs. Lachmi C. Gidwani.
  45. Mrs. Vijayalaxmi D. Asnani.
  46. Mr. Ratan R. Mirchandani.
  47. Miss Savitri Vastiram.
  48. Mr. N.A. Jhangiani.
  49. Mr. J.B. Advani.
  50. Miss. M.J. Mirchandani.
  51. Mrs. Sunita R. Kriplani.
  52. Mrs. Rehma S. Goklaney.
  53. Basantsingh mil D Trust.
  54. Mr. J.B. Mirpuri.
  55. Miss. Devi B. Advani.
  56. Miss. R.R. Malkani.
  57. Mr. C. P. Thadani.
  58. Mr. G.R. Vaswani.
  59. Mr. H. T. Gidwani.
  60. Mrs. Shakuntala L. Madhwani.
  61. Mrs. Devaki B. Shabaney.
  62. Mrs. Chandri U. Kripalani.
  63. Mr. P.M. Indani.
  64. Miss. Anita K. Gidwani.
  65. Mr. N.W. Bhawani.
  66. Miss. Ishwari T. Jotwani.
  67. Mrs. Sundri G. Adwani.
  68. Mrs. Mohini G. Malkani.
  69. Miss Chitra A. Ramchandani.
  70. Mr. Gobindram T. Dadlani.
  71. Mrs. Padma H. Adwani.
  72. Miss. Kamala S. Shivdasani.
  73. Mr. Mulchand S. Tabiliani.
  74. Mr. Shamshersing S. Rathore.
  75. Miss Radhi R. Hiranandani.
  76. Mrs. Pushpa K. Malkani.
  77. Miss Lachmi Motiram.
  78. Mr. Bansidhar T. Punjabi.
  79. Mr. Ramchand G. Chulani.
  80. Mr. Sitalanandsingh Gidwani.
  81. Mr. Hiranand C. Advani.
  82. Mr. Harchandrai Hariram Vatnani.
  83. Miss Sharada Dhanrajani.
  84. Dr. (Miss) Sati S. Mirchandani.
  85. Mrs. Renu Kumar Jethmalani.
  86. Mrs. Shilawanti K. Shahani.
  87. Miss. Mohini S. Sakharani.
  88. Mrs. Vindri J. Hiranandani.
  89. Mr. A.T. Ramchandani.
  90. Mr. K.S. Wadhwani.
  91. Mrs. Devibai B. Kriplani.
  92. Mrs. Mithibai G. Khanchandani.
  93. Mr. Bhag B. Thadani.
  94. Miss Ratna M. Vaswani.
  95. Mrs. Meers S. Keswani.
  96. Mrs. Ratna S. Vaswani.
  97. Mrs. Savitri R. Jagtiani.
  98. Mr. Naraindas P. Gajwani.
  99. Mrs. Rukma Hashmatrai.
  100. Mrs. Savitri T. Mirani.
  101. Mr. Motiram G. Makhijani.
  102. Mr. Bhagawandas D. Datwani.
  103. Mrs. Lajwanti B. Hiranandani.
  104. Mr. Dial G. Jagtiani.
  105. Mr. Bhagwan Motiram.
  106. Mrs. Gul N. Advani.
  107. Mr. S. B. Ghanshani.
  108. Mrs. Tulsibai Harjani.
  109. Mrs. Raranbai Maghji.
  110. Mr. Sunder B. Thadani.
  111. Mr. Naraindas Ladharam.
  112. Mrs. Sunita K. Dinani.
  113. Mr. G. G. Mahtani.
  114. Mr. Mohamed Dawood.
  115. Miss Kavita Hashmatrai.
  116. Mr. Salim Eshak Lakdwala.
  117. Mr. Shaikat Eshak Lakdwala.
  118. Mr. T.T. Daswani.
  119. Mr. T.T. Daswani.
  120. Mr. Mansoorali Gulam.
  121. Mr. Arjan L. Lahori.
  122. Mr. R.S. Shetty.
  123. Mrs. Rahamatbai A. Budhani.
  124. Mrs. C.G. Shetty.
  125. Mr. T.T. Daswani.
  126. Mr. Chandru M. Makhijani.
  127. Mr. R.S. Shetty.
  128. Mr. Prakash B. Indani.
  129. Mr. Gopal V. Punwani.
  130. Mr. Kan H. Malkani.
  131. Prop. Poona Hotel C/o The Secretary Shanti-sadan Co-Operative Housing society Ltd., Shanti-Kunj, 4 Sadhu waswani Road, Poona-1.
  132. Shanti Nagar Builders, 3/5 Sindhu house, Nanabhoy Lane, Folra Fountain, Bombay-1.
  133. Shanti-sadan Co-operative Housing Society Ltd.
  134. M/s A. Haq & Co. Construction Contractors.
  135. Mr. Nassarwanjee M. Kharadi, Tenant.
  136. M/S Caltex (India) Ltd. (Petrol Pump & service Station) Tenants.
  137. M/s H.H. Alia, bar & H.A. Ghulam, Prop.; General Restaurant, Tenants.
  138. Deen Doctor, Tenant.
  139. Miss Devi Hariram, Tenant.
  140. Mrs. J. G. Bharucha.
  141. Mr. Nanikaram Jethani, Tenant.
  142. Mr. Jethanand Israni Tenant.
  143. Mr. Sugnomal Keswani Tenant.
  144. Mr. Jivatram N. Mehata, Tenant.
  145. Mrs., P. Hiranandani, Tenant.
  146. Miss Kala Shahani, Tenant.
  147. Mr. Rangwani, Tenant.
  148. Mr. R.J. Baluja, Tenant.
- All C/o Shanti Nagar Builders 'Shanti-Kunj' 4, Sadhu Waswani Road, Poona-1.
- It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.
- Explanations.*—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as 'Poona Hotel', Poona-1. Opp. General Post Office, Poona; situated at S. No. 4, 4/1, 4/3, 4/4 & 4/5 Total area—12442 sq. meters.

Seal

Ref. No. C.A.5/Dec-72/Kalyan/73-74.—Whereas, I. S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15(B) Rambag Lane-5 situated at Kalyan, Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan, Dist. Thana on 13-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. (a) Shri Ganpat Balkrishna Adyal (b) Smt. Radhabai Balkrishna Adyal and (c) Smt. Vimal V. Ulap, all at 5-Rambag Lane-5 Murbad Rd, Kalyan. (Transferor)
2. Shri Zujar Kalabhai, Zujiwala Station Road, Kalyan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot and Building thereon in Rambag Lane-5. House No. 15(B), Kalyan, Dist. Thana Plot area—764 Sq. metres and 2 storeyed building. (R.C.C. Construction).

Seal

No. CA.5/Dec72/Thana/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 6(P), 7 (P), Chendani situated at Thana Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thana on 30-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Indian Hume Pipe Co. Construction House. Ballard Estate, Fort Bombay. (Transferor)
2. (a) Shri Keshav T. Ranade, C/o Shri M. V. Patwardhan, Reserve Bank Colony, Ghantali, Thana; (b) Shri Mukund K. Nattu, 4 Rajhans, Shavaji Path, Thana; (c) Smt. Sudha Madhukar Patwardhan, C/o Shri M. V. Patwardhan, Reserve Bank Colony, Ghantali, Thana; (d) Shri Chandrashekhar P. Paranjape, C/o Shri M. Y. Paranjape Paranjape Building, Navpada, Thana; (e) Shri M. Y. Paranjape, Paranjape Building, Navpada, Thana; (f) Shri Madhav K. Nattu, 13/336 Charai, Thana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 6(P), 7 (P) Chendani, Thana, Dist. Thana. Free-hold plot-Area : 927.96 sq. mtrs.

Seal

No. CA.5/Dec72/Thana/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 6, Chendani, situated at Thana, Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thana on 30-12-72 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Indian Hume pipe co. construction House, Ballard Estate, Fort, Bombay. (Transferor)
2. (a) Shri Keshav T. Ranade C/o Shri M. V. Patwardhan, Reserve Bank Colony, Ghahtall, Thana; (b) Shri Mukund K. Natu, 4 Rajhans, Shivaji Path, Thana; (c) Smt. Sudha Madhukar Patwardhan, C/o Shri M. V. Patwardhan, Reserve Bank Colony, Ghahtall, Thana; (d) Shri Chandrashekhar P. Paranjape, C/o Shri M. Y. Paranjape, Paranjape Building, Nannada, Thana; (e) Shri M. Y. Paranjape, Paranjape Building, Nannada, Thana and (f) Shri Madhav K. Natu, 13/336, Charal, Thana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 6. Chendani, Thana, Dist. Thana.  
Free-hold plot-area—1688.92 sq. mtrs.

Bombay-20, the 1st May 1973

Ref. No. C.A.5/Dec'72/Ullhasnagar/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 668, Section 7-B situated at Ullhasnagar No. 3, Dist.—Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thana on 8-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Shervanand Jethram Wadhwani, Barrack No. 405, Camp-I, Ullhasnagar, Dist. Thana. (Transferor)
- (2) Shri Gian Chand Verohmal, Chairman, Jai Apartments Co-op. Housing Society, Thana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 668, Section—7—B, Ullhasnagar-3.

Dist.—Thana.

Area—585 sq. meters.

Ref. No. C.A. 5/Feb. 73-Haveli-II/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 372-A/1, Poona, Plots No. 4 (part) 5 6 (part). 9 (part). 10 & 11 (part) situated at Koregaon Part, Poona-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Poona Haveli—II Poona on 5-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shamlata Kumari W/o B. N. Sinha, Sinha House, Koregaon North, Main Road, Poona-1. (Transferor),
- (2) Miss Soonibai d/o Shapurji Anklesria, 5 Prince of Wales Drive, Poona-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE.

Open Land & plots No. 4 (parts), 5, 6 (part) 9 (part), 10 & 11 (part) in Survey No. 372-A/1 at Koregaon Park, Poona-1.

Area:—22325 sq. ft.

Ref. No. C.A.5/Feb'73/Haveli-II/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 372-A/1 Plot Nos. 3&4 (part) and 11 (part) situated at Koregaon Park, Poona-1. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Poona Haveli-II, Poona on 5-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shamlata Kumari W/o B. N. Sinha, Sinha House, Koregaon North, Main Road, Poona-1.
- (2) Shri Dinshaw Shapurji Anklesaria No. Fredrick Terraces, M. G. Road, Poona-1. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE.

Open plots No. 3&4 (part) and 11 (part) in S. No. 372-A/1, Poona. Koregaon Park, Poona-1.

Area:—9773 sq. ft.

Ref. No. C.A.5/Feb. '73/Haveli-II/73-74.—Whereas, I S. P. Krishnamurthy being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 2 in S. No. 372-A/1 situated at Koregaon Park, Poona-1. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Poona Haveli-II, Poona on 5-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shantidevi w/o. S. Sinha, Sinha House, Koregaon North, Main Road, Poona-1. (Transferor).
- (2) Shri Dinshaw Shapurji Anklesaria No. 7, Fredrick Terraces, M. G. Road, Poona-1. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE.

Open Plot No. 2 in S. No. 372/A/1, Koregaon Park, Poona-1.

Area—7294 Sq. Ft.

S. P. KRISHNAMURTI,

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.*

SEAL :

Date : 16th May 1973.

New Delhi, the 18th May 1973

No. IAC(Acq.-R-I)/A(4)/9(23)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E4/25 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be-

lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Nasim Ansari S/o. Mohd. Naiman Ansari, E4/25, Model Town, Delhi-9. (Transferor).
- (2) Smt. Tara Devi Kokila W/o. Sh. Shiv Narain Shastri, E4/25, Model Town, Delhi-9. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E4/25, Model Town, Delhi constructed on a freehold plot measuring 324 Sq. vds., and bounded as under:

South: House No. E4/24 B.  
North: Road.  
East: House No. E4/28.  
West: Road.

No. IAC/AcqI/A(6)/9(26)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-11/5 situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 5-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

- (1) (i) Shri Mangat Ram S/o Shri Baru Mal R/o Vill. & P.O. Jainpur, Teh. Sonapat, Distt. Rohtak (Haryana). (Transferor).  
(ii) Smt. Kala Wati wd/o Sh. Jai Narain, 4316 Gali Bahuji, Pahari Dhiraj Delhi.
- (2) Shri Maneal Sain Tandon S/o Sh. Sardar Mal R/o F 14/9, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot No. C 11/5, Model Town Delhi measuring 450 Sq. yds. and bounded as under :—

- North : Plot No. C 11/6.  
South : Others land.  
East : Plot No. C 11/3.  
West : Road.

*No. IAC(Acq.)/4(7)/24(65)/72-73.*—Whereas I. P. K. Sharan being the Competent Authority under section 269C of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at South Patel Nagar Market, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 28-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lakshmi Devi w/o Shri Sahib Daya Kehurana, 5/5 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ravi Kiran S/o Shri Ram Lal 30-15A, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)
- (3) S/Shri (i) Vidya Sagar Kapoor (ii) Shri M. L. Sharma (iii) Shri T. N. Chadha 60, South Patel Nagar, Market, New Delhi, (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Double storey shop No. 60, South Patel Nagar Market, South Patel Nagar, New Delhi built on the land measuring about 68 Sq yds. and bounded as under :

North : Shop No. 59.

South : Shop No. 61.

East : Lane.

West : Road.

No. IAC(Acq.1)/SR-1/March(1)/14(41)/73-74.—Whereas I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 situated at Market Sector No. 1, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhim Sen Phull S/o Late Sh. Mathra Dass, C/o Nagrath Paints Ltd., Mall Road, KANPUR. (Transferor).
- (2) Shri Mohan Lal Mahajan S/o Shri Munshi Ram Mahajan, 25/122, Shakti Nagar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold plot No. 14, Market Sector No. 1, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 142 Sq. yds. and bounded as under :—

North : Shop No. 12.

South : Road.

East : Road.

West : Compound of the Market.

No. IAC(Acq.1)/A(7)/11(29)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-33 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Prakash S/o L. Khushi Ram, R/o H-60, Dhaka, Delhi-9. (Transferor)
- (2) Shri Harish Chander S/o Sh. Moti Ram R/o E-35, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.



It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot No. G-33 Bali Nagar, New Delhi measuring 200 Sq. yds. and bounded as under :

North : Service Lane.

South : Road.

East : Plot No. G-34.

West : Plot No. G-32.

P. K. SHARAN,

*Competent Authority,*

*Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range 1, New Delhi.*

Date : 18-5-1973

Seal

*Ludhiana, the 15th May 1973*

No. LDH/141/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 586, Model Town Ldh. situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Gill 2557, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Smt. Pritibha Kumar 179, Model Town, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 586, Model Town, Ludhiana Municipal No. B-XVIII-301.

No. LDH/141/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 586, Model Town, Ldh. situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Gill 2557, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Bahadur Singh 199, Model Town, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.



It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Plot No. 586/3 H. No. 586 M.C.No. B-XVIII-301 Model Town, Ludhiana measuring 853/7/9 sq. Yards.

No. LDH/143/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- behind H. No. B-XIX, on Rani Jhansi Road (Ghumar Mandi) Civil Lines, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana, on 22-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sh. Romesh Chander, (ii) Sh. Waresch Chander, (iii) Sh. Rajesh Chander, (iv) Smt. Darshna Singla & (v) Smt. Achala Prakash 19-Kanungo, Lala Ka Meerut City, (Transferor)
- (2) Shri Gian Chand C/o M/s Ved Prakash Gian Chand, Paper Marchants, Mandi Khazanchian, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Plot Measuring 1130 sq. Yards in the side of Gole Wall, Civil Lines, Ludhiana [behind H. No. B-XIX, Rani Jhansi Road (Ghumar Mandi), Ludhiana].

LDH/144/73-74.—Whereas I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of I. Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1322, Rajinder Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana, on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Nath Rai Lakhan Pal, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Ram Lal C/o M/s Anand Jewellers, Bazar Sarafan, Ludhiana. (Transferee).
- (3) Smt. Sachi Geeta Pathshala, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana, [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana consisting of three rooms, Electric Fittings, Area 68 sq. Yards.

No. LDH/144/73-74.—Whereas I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of I. Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1322, Rajinder Nagar, situated at Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 23-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section(1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Nath Rai Lakhan Pal, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Anand Prakash, B-VIII, 105/Kothi Megh Singh, Ludhiana. (Transferee).
- (3) Sachi Geeta Pathshala, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana consisting of one kitchen, Bath, Stairs, two rooms, passage, verandah, compound etc. Hand Pump and Electric Motor.  
Area 104 Sqs. Yards.

No. LDH/144/73-74.—Whereas I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of I. Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1322, Rajinder Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 23-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Nath Rai Lakhan Pal, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Anand Prakash, B-VIII, 105/Kothi Megh Singh, Ludhiana. (Transferee).
- (3) Sachi Geeta Pathshala, 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H.No. 1322, Rajinder Nagar, Ludhiana consisting of one store, two rooms, one verandah, compound, Electric fittings etc.  
Area 102/3/10 Sq. Yards.

G. P. SINGH  
Competent Authority

Date : 15-5-73  
Seal :

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range  
Chandigarh Camp Ludhiana

Chandigarh, the 18th May 1973

No. LDH/145/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ——— situated at Tagore Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 17-11-1972, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdip Singh, S/o Balwant Singh, Surjit Singh S/o Bhagat Singh and Pritam Singh S/o Ganda Singh r/o Narangwal Teh. and Distt. Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Om Parkash Bhalla, Banwari Lal Bhalla s/o Kishori Lal r/o 1017 Tagore Nagar. Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

400 Sq. Yds. Residential Plot in Tagore Nagar, Ludhiana.

No. LDH/146/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XVIII/2173 situated at Peeru Banda (Moh. Abdulapur Dugri Road, Ludhiana) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 21-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Kaur wd/o Sh. Bhagat Singh r/o 500/3 Model Town Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Harmohan Singh s/o Bhagat Singh r/o 500/3 Model Town, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. B-XVIII/2173, area 1228½ Sq. Yds, three rooms, one hall, two store, one office room, stairs, latrine etc. and electric fittings etc. situated in Peeru Banda (Moh. Abdulapur, Dugri Road) Ludhiana.

No. LDH/147/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. \_\_\_\_\_ situated at Akashpuri Bindraban Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfers; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1958 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sat Paul, Prem Chand, Amerjit ss/o Manohar Lal r/o Mandalj Teh. Nawanshahar, Distt. Jullundur. (Transferor).
- (2) Shri Manohar Lal, Ram Saroop, Krishan Dev, Janak Raj s/o Kirpa Kalia r/o H. No. B-II-016/10 Akashpuri Civil Lines, Ludhiana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

484 Sq. Yds. Residential Plot situated in Akashpuri Bindra-ban Road, Ludhiana.

No. LDH/148/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 71-L situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 29-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh s/o Sant Singh r/o SCB-4 Basant Road, New Delhi. (Transferor).
- (2) Smt. Shukla Kohli w/o Inder Mohan Kohli, 71-L, Model Town, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 71-L area 526/4/9 Sq. Yds. Model Town, Ludhiana.

No. CHD/149/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 Street(s) (New House No. 3498) Sector 23-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 21-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaswant Singh Gill S/o Shri Atma Singh S.C.F. No. 10, Sector 15-C, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Smt. Joginder Devi W/o Shri Ram Chand S.C.F. No. 10, Section 15-C, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, Street S (New H. No. 3498) Sector 23-D, Chandigarh.

No. CHD/150/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 Street T (New House No. 109), Sector 20-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 25-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dwarka Dass S/o Shri Hashmat Rai Madan, D-39 Naraina D.D.A., New Delhi (Transferor).
- (2) Smt. Asha Lata Bhardwaj W/o Shri Rajinder Pal Bhardwaj, New Krishna Nagar, Batala (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6 Street T (New House No. 109), Sector 20-A, Chandigarh.

No. CHD/151/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3118 Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sections (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Capt. Parunkar Singh Sibia S/o Maj. Darbara Singh 5-B Saraba Nagar, Ludhiana (Transferor).

- (2) Shri Sewa Singh S/o Shri Sham Singh Vill, Kilon Teh., Kharar (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 3118 Sector 35-D, Chandigarh.

No. CHD/152/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3011 Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mai. Rattan Singh S/o Late Goni Ram. Vill, & P.O. Neswala, District Hoshiarpur (Transferor).
- (2) Shri Mehma Singh S/o Shri Darshan Singh, Banga Singh S/o Bakhshish Singh, Vill Rangian Distt. Ropar (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 3011 Sector 35-D, Chandigarh.

No. CHD/153/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3006 Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 27-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Capt. Amrik Singh S/o Shri Awtar Singh, Vill. Rangian Distt. Ropar (28 Jawahar Nagar Lado Wali Road, Jullundur) (Transferor).
- (2) Shri Jagat Singh S/o Shri Gurmukh Singh, Vill. Saharoun, Teh., Kharar (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.



It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 3006 Sector 35-D, Chandigarh.

No. CHD/154/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 Street V-2 (New H. No. 2361) Sector 23-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 29-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bali Virender Kaur W/o Shri Narinder Vir Singh, 62-A Defence Colony, New Delhi (Transferor).
- (2) Shri Jagjit Singh, Harbhajan Singh, Harpal Singh S/o Joginder Singh, Vill. Ikolaka Dist. Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7, Street V-2, (New H. No. 2361) Sector 23-C, Chandigarh.

No. CHD/155/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3342 Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on 29-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishori Lal S/o Shri Gurdas through Amarjit Singh S/o Mehar Singh 1670/22-B, Chandigarh (Transferor).
- (2) Smt. Bali Pritam Kaur W/o Harmohinder Singh Railway Road, Jullundur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 3342 Sector 35-D, Chandigarh.

No. HSR/156/73-74.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 40 Block A Moh, Wazirpura situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hissar on 21-11-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bahadur Singh S/o Ganga Jal Moh. Sainia Mukhtine-a-am, Sh. Veja Kumar S/o Chhabil Dass, Chhabil Dass S/o Lekh Raj Moh. Sainia, Hissar (Transferor).
- (2) Smt. Bhagwanj Devi W/o Nobat Rai Geol, Vijay Nagar Near Telegraph Office, Hissar (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 40 Block 'A' Moh, Wazirpura, Hissar.

Date 18-5-1973

Seal

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range  
Chandigarh

Jaipur, the 19th May 1973

No. J-3/72(1)/83/398/193.—Whereas, I S. C. Prashar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-8, Raja Park situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 23-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX4 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramavatar Gupta S/o. Shri Radhumal Choudhary. Through Shri Prabhudayal Agarwal holding special power of attorney for him. (Transferor).
- (2) Shrimati Jiواني Davi Goyal w/o. Sarwan Ram Goyal. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Northern half part of plot No. B-8, Area 1050 Sq. yards, Chowkari Haveli City Scheme, Adarsh Nagar, Raja Park, Govind Marg, Pagal Khana Road, Jaipur.



Jaipur, the 19th May 1973

Ref. No. J-3/72(1)/82/397/194.—Whereas, I, S. C. Prasnar, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-8 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 23-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the income-tax Act, 1951 (43 of 1951) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Shanti Devi Tijoriwalla W/o Bhawani Shanker Tijoriwalla, Through Shri Prabhudayal Agarwal holding special power of attorney for her.
- (1) Shri Moolchand Agarwal & Mahavir Prasad Agarwal, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Southern half part of plot No. B-8, Area 1050 Sq. Yards with construction thereon in chokri Haveli City Scheme, Adarsh Nagar Rajpark, Govind Marg, Jaipur.

Jaipur, the 19th May 1973

No. J-3/72(1)/103/406/195.—Whereas, I, S. C. Prasnar, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 82 situated at Chowkari Haveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 25-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the

Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Madhendra Singh Through Maj. Gen. Kanwar Bhagwati Singh S/o Thakur Devi Singh holding special power of attorney. (Transferor).
- (2) Shri Bhola Ram S/o Shri Bhojia Ram. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 82 Area 856 Sq. yards in Chowkri Hawali Shahar West, Sardar Patel Marg, Dhuleshwar Garden, Jaipur.

No. J-3/73(1)/18/119/196.—Whereas I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. C-37 situated at B. D. Road, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 17-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Manoharlal Oberoi S/o Shri Bhagat Baliram  
(Transferor)

(2) (a) M/s. Phoolchand Virendra Kumar Karta, Shri Phoolchand Jain.

(b) M/s. Virender Kumar Samesh Kumar Karta Shri Virendra Kumar.

(Transferee)

(3) Mrs. Dlawrie.

(Person in occupation of Property)

(4) (i) Shri Phoolchand

(ii) Shri Virender Kumar

(iii) Smt. Pushpa Jain

(iv) Smt. Padma Jain

(v) Shri Virender Kumar Guardian of Minor Samesh Kumar.

(Person whom the undersigned knows to be interest in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot No. C, 37 situated at Bhagwandass Road in the City Jaipur measuring 1336 Sq. yards alongwith the constructions thereon and its compound walls, On the North Lajpat Rai Marg, On the South Plot No. 3718, on the East B. D. Road, On the West Plot No. 37-A.

No. A-4/72(1)/3/600/191.—Whereas I, S. C. Prashar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1 & 2 situated at Jaipur Road, Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 17-11-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanta Kumari Lodha W/o Seth Subhagmal Lodha, Lodha House, Naya Bazar, Ajmer.

(Transferor)

(2) Kushal Singh Mehta S/o Shri Naryan Dass Mehta, Prop. Laxmi Agencies, 1-Ashok Marg, C. Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two urban plots with a total area of 1052 Sq. yards, Part of the Bunglow known as Bhagat Singh Wall Kothi, situated on Jaipur Road, Ajmer.

No. A-8/72(2)/11/654.—Whereas, I, S. C. Prashar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Choumu Fort situated at Choumu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amber on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Kumari widow of Thakur Raj Singhii, Ex-Jagirdar, Choumu Thikana and Smt. Shakuntala Kumari Alias Smt. Nina Kumari D/O Thakur Raj Singh and W/O Thakur Surender Pal Singh Caste, Rajput. Through Rao Surendra Pal Singh holding General power of attorney for them. (Transferor).
- (2) Shri Ram Gopal S/O Chotilal Lakra. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One fifth share of the Choumu Garh property situated in Choumu town at distance of 33 K.M. from Jaipur. The garh property is an old construction consisting of about 50 rooms, servants' quarters and godowns etc. The garh is fortified by three high walls (Apr. 50 ft. high) and Khai (Trench all around it which is approximately 47 feet wide and 40 feet deep. The total area under the garh property including the Khai around it and the fort walls surrounding it is reported to be 13 bighas.

No. A-8/72(2)/12/655.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Choumu Fort situated at Choumu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amber on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Kumari widow of Thakur Raj Singhii, Ex-Jagirdar Choumu Thikana and Smt. Shakuntala Kumari Alias Smt. Nina Kumari D/o Thakur Raj Singh and W/o Thakur Surender Pal Singh, Caste, Rajput Through Rao Surendra Pal Singh holding general power of attorney for them. (Transferor)
- (2) Shri Radhey Shaym S/o Shri Chotelal Lakra (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One fifth share of the Choumu Garh property situated in Choumu town at distance of 33 K.M. from Jaipur. The property is an old construction consisting of about 50 rooms, servants quarters and godowns etc. The garh is fortified by three high walls, (Apr. 50 ft. high) and Khai (Trench) all around it which is approximately 47 feet wide and 40 feet deep. The total area under the garh property including the Khai around it and the fort walls surrounding it is reported to be 13 bighas.

No. A-8/72(2)/13/656.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Choumu Fort situated at Choumu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amber on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Nok, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Kumari Widow of Thakur Rai Singhji, Ex-Jasirdar Choumu Thikana and Smt. Shakuntala Kumari Alias Smt. Nina Kumari D/o Thakur Rai Singh and W/o Thakur Surender Pal Singh, Caste, Rajput, Through Rao Surender Pal Singh holding general power of attorney for them (Transferor).
- (2) Shri Hari Narin S/o Chotilal Lakra (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One fifth share of the Choumu Garh property situated in Choumu town at distance of 33 K.M. from Jaipur. The property is an old construction consisting of about 50 rooms, servants quarters and godowns etc. The garh is fortified by three high walls, (Apr. 50 ft. high) and Khai (Trench) all around it which is approximately 47 feet wide and 40 feet deep. The total area under the garh property including the Khai around it and the fort walls surrounding it is reported to be 13 bighas.

No. A-8/72(2)/14/657.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Choumu Fort situated at Choumu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amber on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prem Kumari Widow of Thakur Rai Singhji, Ex-Jasirdar Choumu Thikana and Smt. Shakuntala Kumari Alias Smt. Nina Kumari D/o Thakur Rai Singh and W/o Thakur Surender Pal Singh, Caste, Rajput, Through Rao Surender Pal Singh holding general power of attorney for them (Transferor).
- (2) Shri Rameshwarlal S/o Shri Chotilal Lakra (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

\* One fifth share of the Choumu Garh property situated in Choumu town at distance of 33 K.M. from Jaipur. The garh property is an old construction consisting of about 50 rooms, servants quarters and godowns etc. The garh is fortified by three high walls. (Apr. 50 ft.) high and Khai (Trench) all around it which is approximately 47 feet wide and 40 feet deep. The total area under the garh property including the Khai around it and the fort walls surrounding it is reported to be 13 bighas.

No. A-8/72(2)/658.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Choumu Fort situated at Choumu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amber on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Prem Kumari Widow of Thakur Raj Singhji, Ex-Jagirdar Choumu Thikana and Smt. Shakuntala Kumari Alias Smt. Nina Kumari D/o Thakur Raj Singh and W/o Thakur Surender Pal Singh, Caste, Rajput. Through Rao Surendra Pal Singh holding general power of attorney for them (Transferor).
- (2) Shri Govind Narain S/o Chotelal Lakia Vaishya, resident Chowkri Topkhana Hazuri, Rasta Khurra Jin Meta, Jaipur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

\* One fifth share of the Choumu Garh property situated in Choumu town at distance of 33 K.M. from Jaipur. The property is an old construction consisting of about 50 rooms, servants quarters and godowns etc. The garh is fortified by three high walls. (Apr. 50 ft. high) and Khai (Trench) all around it which is approximately 47 feet wide and 40 feet deep. The total area under the garh property including the Khai around it and the fort walls surrounding it is reported to be 13 bighas.

Date : 16-5-1973  
Seal

Jaipur, the 18th May 1973

No. G-2/72/17.—Whereas, I, S. C. PRASHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak No. 6Z, Ag. Land situated at Ganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ganganagar on 25th November, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babu Ram, Shri Kishan Lal & Shri Phool Chand S/o Shri Shiv Dutta through Shri Shiv Dutta Rai holding general power of attorney for these three. (Transferor),
- (2) Shri Shyam Behari Lal S/o Shri Suraj Bhan Agrawal (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

25 Bigha irrigated Agriculture land being No. 67/25, 68/6, 41/20, 21/6, 28/1½, 51/25, 26/1½, 22/6 (Irrigated by Canal).

No. J-17/72(2)/10/627.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 25th November, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to

the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand S/o Mool Chand (Transferor).
- (2) Smt. Jamni Bai W/o Dharam Dass Sindhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 318 (half portion) Residential House at Road No. 4, Sardar Pura, Total area 200 Sq. yards at Jodhpur.

No. ....—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 25th November, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand S/o Mool Chand (Transferor).
- (2) Smt. Kishni Bai W/o Laxman Das Sindhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from



the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 318 (one half portion) Residential House at Road No. 4, Sardar Pura, Total Area 200 Sq. yards at Jodhpur.

S. C. PRASHAR

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Kakinada, the 18th May 1973

No. J. 5(9)/72-73.—Whereas, I, K. SUBBA RAO being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Door No. 12/9 Grama Khantam situated at Rayotpet, Nandigama (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration office at Nandigama on 29th Nov. 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nakarikanti Rajagopalan, Nandigama (Post & Taluq) Krishna Dist. (Transferor)
- (2) East India Tobacco Company (Pvt.) Ltd., Guntur. Represented by Y. K. S. Prakasa Rao, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and

notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown situated in Ac. 0—30 cents of site in Nandigama Grama Panchayat, Nandigama Taluk, Krishna District,—12th Ward, Grama Kantham:—

EAST—Public Bazar 100'

SOUTH—30' Road

WEST—Trunk Road

NORTH—Site of Nakarakanti Ramanayya.

No. J 5(10)/72-73.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. situated at Malkipuram, Police Station Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Malkipuram on 28-11-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mudunuri Lingaraju Adopted son of Madunuri Lingaraju, Malkipuram. (Transferor)
- (2) Shri Mudunuri Narasimha Raju S/o Lingaraju. Malkipuram Rajole Tq. Divvi Suryanarayana Murthy S/o Danaiali, Coconut Merchant, Malkipuram. (Transferee)
- (3) M/s. Jana Sankariah & Sons, Mori Village. Sri. Vekukuri Ramamurthy Raju. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Panchayat Word No. 2 Door No. 58-1 Cinema Theatre in the name of Sri Saraswathi Picture Palace alias Sri Venkateswara Picture Palace with compound walls, latrines, projector, Elec. fittings, furniture etc.

EAST—Land No. 76.4, SOUTH—V. Venkatapathi & S. Nagarathnam, WEST—Site of M. Lingaraju & another, NORTH—Irrigation canal.

K. SUBBA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC. (RELEASED  
EC/SSC OFFICERS) EXAMINATION, 1973  
F. 14/4/72-E.I.(B)

New Delhi, the 26th May 1973

A combined competitive examination for selection of Released Emergency Commission Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, but before 10th January, 1968, or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but were commissioned on or after that date, for appointment to the following Services:—

- (i) The Indian Administrative Service.
- (ii) The Indian Foreign Service.
- (iii) The Indian Police Service.
- (iv) The Central Information Service, (Grade II), Class I.
- (v) The Indian Audit & Accounts Service.
- (vi) The Indian Customs & Central Excise Service.
- (vii) The Indian Defence Accounts Service.
- (viii) The Indian Income-tax Service (Class I).
- (ix) The Indian Ordnance Factories Service, Class I. (Assistant Managers—Non-Technical).
- (x) The Indian Postal Service.
- (xi) The Indian Railway Accounts Service.
- (xii) The Military Lands and Cantonments Service Class I.
- (xiii) The Indian Railway Traffic Service.
- (xiv) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II.
- (xv) The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Class II.
- (xvi) The Customs Appraisers' Service, Class II.
- (xvii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Class II.
- (xviii) The Indian Foreign Service, Branch 'B' Integrated Grades II and III of the General Cadre, Class II (Section Officers' Grade).
- (xix) The Railway Board Secretariat Service Class II.
- (xx) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Class II.
- (xxi) The Military Lands and Cantonments Service, Class II.
- (xxii) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II, and
- (xxiii) The Pondicherry Civil Service, Class II.

will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SRINAGAR, TRIVANDRUM and LONDON commencing on the 29th September, 1973, in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 26th May 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the various services for which recruitment is to be made on the basis of this examination is given below:—

- (i) The Indian Administrative Service
- (ii) The Indian Foreign Service. . . . . 5 (unreserved)
- (iii) The Indian Police Service. . . . .
- (iv) The Central Information Service, Grade II, Class I. . . . . 1 (unreserved)
- (v) The Indian Audit & Accounts Service . . . . . 4\*\*
- (vi) The Indian Customs & Central Excise Service . . . . . 12 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidate and 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates)
- (vii) The Indian Defence Accounts Service . . . . . 2 (Unreserved)
- (viii) The Indian Income-tax Service (Class I) . . . . . 20 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (ix) The Indian Ordnance Factories Service Class I (Assistant Managers—Non-Technical) . . . . . 4 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates and 1 for Scheduled Tribes candidates.)
- (x) The Indian Postal Service . . . . . \*
- (xi) The Indian Railway Accounts Service . . . . . \*
- (xii) The Military Lands and Cantonments Service Class I . . . . . \*
- (xiii) The Indian Railway Traffic Service . . . . . \*
- (xiv) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II . . . . . 1 (unreserved)
- (xv) The Central Secretariat Service, Section Officers Grade, Class II . . . . . \*
- (xvi) The Customs Appraisers, Service, Class II . . . . . \*
- (xvii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Class II . . . . . 1 (unreserved)
- (xviii) The Indian Foreign Service, Branch 'B' Integrated Grades II and III of the General Cadre, Class II (Section Officers' Grade) . . . . . 5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates)
- (xix) The Railway Board Secretariat Service, Class II. . . . . \*
- (xx) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Class II . . . . . 4\*\*
- (xxi) The Military Lands and Cantonments Service, Class II. . . . . \*
- (xxii) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II, and . . . . . \*
- (xxiii) The Pondicherry Civil Service, Class II . . . . . \*

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the Services covered by the scheme of the Examination in accordance with the provisions of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) Notification No. 15/1/73-AIS(I), dated 26th May 1973.

Subject to his eligibility in terms of the aforesaid notification, he may specify in his application as many of these Services as he may wish to be considered for. Candidates are warned that they will not be considered for appointment to any Service not specified by them.

N.B.: Candidates are required to specify clearly in their applications the order of preferences for the Services for which they wish to be considered. They are advised to indicate as many Service as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.



4. A candidate serving in the Armed Forces and seeking admission to the examination must apply on the prescribed form of application, direct to the Officer Commanding his Unit, who will complete the certificate at the end of the application form and forward it to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. A candidate who is himself the Officer Commanding his Unit, must submit his application direct to his next superior Officer who will complete the said certificate at the end of the application, and forward it to the Commission.

A candidate who has been released from the Armed Forces and seeks admission to the examination must apply direct to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011, on the prescribed form of application.

5. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order, to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from the following Army sources :—

- (i) Command Headquarters,
- (ii) Corps Headquarters,
- (iii) Division Headquarters,
- (iv) Area Headquarters, and
- (v) Sub Area Headquarters.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011 on or before the 9th July 1973 accompanied by necessary documents in accordance with the instructions to candidates contained in the Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates who are abroad/overseas will however, be accepted up to the 23rd July 1973. (This is applicable to persons actually residing abroad/overseas at the time of submission of their applications).

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence authorities mentioned in the second sub-para of para 5 above, must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 5 *ibid*.

Candidates are warned that if they send their applications or requests for application forms to the Union Public Service Commission at a late date, they will do so at their own risk.

8. If any candidate who took the Indian Administrative Service etc. (Released EC/SSC Officers) Examination held in 1972 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is appointed on the results of the 1972 examination, his candidature for this examination will be cancelled on request.

9. All communications in respect of an application should be addressed to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION,
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION,
- (iii) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE),
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS),
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Union Public Service Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words "INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE, ETC. (RELEASED EC/SSC OFFICERS) EXAMINATION 1973".

K. V. RAMAKRISHNAN,  
Controller of Examinations,  
Union Public Service Commission

## ANNEXURE

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and other authorities in accordance with para 5 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 34 OF THE APPLICATION FORM THE NAME OF THE LANGUAGES IN WHICH THEY WISH TO ANSWER PAPERS AT ITEMS (i) AND (ii) IN PARAGRAPH 2 OF APPENDIX II TO THE RULES OF THE EXAMINATION *VIDE* PARAGRAPH 4(a) OF THE AFORESAID APPENDIX. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL; AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER(S) WILL BE ANSWERED IN ENGLISH.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.

(iii) A candidate serving in the Armed Forces must submit his application direct to the Officer Commanding his Unit, who will complete the certificate at the end of the application form and forward it to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. A candidate who is himself the Officer Commanding his Unit must submit his application direct to his next superior officer who will complete the said certificate at the end of the application, and forward it to the Commission.

A candidate in civil employ of Government whether in a permanent or a temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the certificate at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. (a) A candidate who has already been released from the Armed Forces should submit along with his application a certificate in original, (with a copy thereof) from the Army/Air Force/Naval Headquarters to show that he is an Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officer who joined the pre-commission training or was granted the

Commission in the Armed Forces after 1st November, 1962 but before 10th January, 1968 or had joined any pre-Commission training before the latter date, but was commissioned on or after that date and released according to the phased programme approved by the Government of India in the Ministry of Defence (in the case of an Emergency Commissioned Officer) at the end of the normal tenure (in the case of a Short Service Commissioned Officer). The certificate must indicate (i) the date of his joining pre-Commission training, if any, in the Armed Forces, (ii) the date of his getting Commission and (iii) the Scheduled year of his release from the Armed Forces.

(b) candidate who has been released from the Armed Forces on invalidment should submit along with his application a certificate in original (with a copy thereof) from the Army/Air Force/Naval Headquarters to show that he is an Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officer who joined the pre-Commission training or was granted the commission in the Armed Forces after 1st November 1962, but before 10th January, 1968 or had joined any pre-Commission training before the latter date, but was commissioned on or after that date, and has been invalided owing to disability attributable to or aggravated by military service. The certificate must indicate (i) the date of his joining pre-Commission training, if any, in the Armed Forces, (ii) the date of his getting Commission, (iii) the actual date of his release from the Armed Forces, and (iv) the scheduled year of his release, according to the phased programme approved by the Government of India in the Ministry of Defence (in the case of an Emergency Commissioned Officer) at the end of the normal tenure (in the case of a Short Service Commissioned Officer), if he had not been invalided.

NOTE.—In case, however, such a candidate was an officer of the AMC, AMC (non-technical), ADC or MNS, he should submit the required certificate from the DGAFMS.

4. (a) Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

(b) A candidate who after submitting his application for admission to this examination, is granted permanent commission in the Armed Forces or resigns from the Armed Forces or is released therefrom on account of misconduct, inefficiency or at his own request, should communicate *immediately*, all relevant facts to the Union Public Service Commission. Failure to do so will be deemed to be a suppression of material information. (cf. rule 16).

5. In addition to the certificate mentioned in paragraphs 2 and 3 above a candidate must send the following documents with his application:—

- (i) Certificate of Age.
- (ii) Certificate of Educational Qualification.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii) and (iii), are given below:—

(i) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Candidates will thus understand that the Matriculation Certificate is required in all cases as evidence of age, and it must invariably be sent to the Commission, in original, with a copy thereof, together with the application.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send, in addition to the Matriculation or equivalent certificate, an original certificate, together with a copy thereof, from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation or equivalent examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit with the original a copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—Displaced persons, who have lost their original Matriculation Certificate in Pakistan, should obtain duplicate certificate from the University concerned. If they are unable to obtain the duplicate Matriculation certificate from the University, they should submit an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth and certified by the Registrar or the Headmaster.

(ii) *Certificate of Educational Qualifications*.—A candidate must submit a certificate or diploma, in original, with a copy thereof, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 10(a). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If such a certificate or diploma is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, in original, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

A candidate appearing at this examination under Rule 10(b) must submit in original, with a copy thereof, a certificate from the Head of the Institution last attended by him before joining the Armed Forces, showing the class in which he was studying, the date on which he discontinued his studies at the Institution, and the year in which he would have appeared at an examination for the award of any of the qualifications prescribed in Rule 10(a), if he had not discontinued his studies on joining the Armed Forces. The signatory of the certificate should give his designation in full, and also indicate the name of the university etc. to which Institution is affiliated.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination *vide* Rule 10(a) but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

(iii) *Two copies of Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

6. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any of the documents mentioned under paragraphs 3 and 5 above, it is liable to be rejected, and no appeal against its rejection will be entertained. If for reasons beyond his control a candidate is not able to submit any of the documents mentioned in paragraphs 3 and 5 above with the application, he should state the reasons while submitting the application which will be considered by the Commission on merits. He should submit the remaining documents soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date prescribed for receipt of applications. He should in no case delay submission of application

which must reach the Commission's Office before the date specified in paragraph 6 of the Notice.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

7. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a certificate, in original, with a copy thereof, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter\* of ..... of village/town\* ..... in District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* of ..... belongs to the ..... Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act 1966.\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of ..... District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* of .....

Signature.....

\*\* Designation.....

(with seal of Office)

Place.....

Date.....

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy

Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner, †(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Islands.)

8. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 6(b) (iv) should produce, should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from the erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 6(b) (ii) or 6(b) (iii) in original, together with a copy thereof, a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(iii) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) under Rule 6(b) (v) or 6(b) (vi) should produce in original together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian Citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 6(b) (vii) should produce a certificate in original, together with a copy thereof from one of the following authorities in support of his claim :—

(1) Director of Civil Administration.

(2) Administrator of the Concelhos.

(3) Mamlatdars.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 6(b) (viii) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Burma under Rule 6(b) (ix) or 6(b) (x) should produce, in original, together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(b) (xi) or 6(b) (xii) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he

was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(viii) A displaced person from Pakistan claiming age concession under Rule 6(b)(xiii) or 6(b)(xiv) should produce, in original, his refugee registration card or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* displaced person.

(ix) A candidate from the Andaman and Nicobar Islands claiming age concession under Rule 6(b)(xv) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from one of the following authorities stating that he is a *bona fide* resident of the Andaman and Nicobar Islands :—

1. Chief Commissioner.
2. Deputy Commissioner.
3. Additional Deputy Commissioner.
4. Additional District Magistrate.
5. Any of the Assistant Commissioners.

(x) A candidate claiming age concession as a repatriate from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) under Rule 6(b) (xvi) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka stating that he is an Indian citizen who has come to India under the Repatriation Scheme of the Government of Sri Lanka (formerly known as Ceylon).

9. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

10. THE CERTIFICATES MENTIONED IN PARAGRAPHS 3, 5(i), 5(ii), 7 AND 8 ABOVE SHOULD INVARIABLY BE SENT IN ORIGINAL (WITH COPIES THEREOF). THE COMMISSION DO NOT ACCEPT ONLY COPIES OF THESE CERTIFICATES WHETHER ATTESTED OR OTHERWISE.

THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES FORWARDED IN ACCORDANCE WITH PARAGRAPHS 3, 5(i) 5(ii) 7 AND 8 ABOVE WILL BE RETURNED WHEN THE RESULT OF THE APPLICATION IS COMMUNICATED. CANDIDATES ARE ADVISED TO KEEP ATTESTED COPIES OF THEIR CERTIFICATES BEFORE SUBMITTING THEM TO THE COMMISSION. THE COMMISSION CANNOT RETURN THE CERTIFICATES EARLIER THAN THE DATE OF COMMUNICATION OF THE RESULT OF THE APPLICATION FOR WHATEVER PURPOSE THEY MAY BE REQUIRED, NOR CAN THEY SUPPLY ATTESTED COPIES.

If a candidate has already submitted the certificates required in paragraphs 3, 5(i), 5(ii), 7, and 8 above in connection with another examination conducted by the Union Public Service Commission and if they have not yet been returned to him, he should mention the fact when submitting his application, and if possible enclose a copy of each certificate. If the certificates are not with the Commission, they should be sent with the application, irrespective of whether the candidate appeared at a previous examination conducted by the Commission or not.

11. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

12. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not

receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

13. Copies of pamphlets containing *inter alia* the question papers of the Indian Administrative Service etc. Examination held in the past are on sale with the Manager of Publications, Civil Times, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14 Janpath, Barracks 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

14. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-(110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### Advertisement No. 21

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 × 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after, 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 25th June, 1973 (9th July, 1973 for applicants from abroad

and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 1, 5 and 11 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 9, 10, 12 and 13 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 2, 4, 6, 7, 14 and 15 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. No. 8 temporary but likely to continue. Posts at S. Nos. 3 and 16 temporary.

Two posts at S. No. 2 and one post at S. No. 12 reserved for Scheduled Castes candidates. Two posts at S. No. 2 and one post at S. No. 8 reserved for Scheduled Tribes candidates. Four posts at S. No. 2 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates. One post at S. No. 2 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates. Post at S. No. 3 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. Two posts each at S. No. 15 exclusively reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates.

9 posts at S. No. 2 and 5 posts at S. No. 15 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released, if available; otherwise to be treated as unreserved. Out of the 9 posts at S. No. 2, one each reserved for ECOs/SSCOs belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes community, if available, otherwise to be treated as reserved for ECOs/SSCOs belonging to the general category and failing both to be treated as unreserved. Out of the 5 posts at S. No. 15, one post each is reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates belonging to the category of ECOs/SSCOs if available, otherwise to be treated as reserved for general candidates belonging to the category of ECOs/SSCOs and failing both all these five posts will be treated as unreserved.

1. ONE DIRECTOR, NATIONAL MUSEUM, NEW DELHI, DEPARTMENT OF CULTURE. PAY: Rs. 2000-100-2500. AGE LIMIT: 50 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) At least a Second Class Master's Degree in Fine Arts or Archaeology or Indian History or Anthropology from a recognised University or equivalent. (ii) About 15 years' experience in a senior administrative position in a museum of national/international repute; or about 10 years experience as such with a Diploma in Museology. (iii) Research experience in the field of Fine Arts or Archaeology or Indian History or Anthropology with evidence of published research work and ability to guide advanced research. (iv) Experience in acquiring collections for museums, organising exhibitions and educational programmes.

2. THIRTY-SIX CIVILIAN OFFICERS GRADE II (TWENTY CANDIDATES HAVING EXPERIENCE IN STORES ACCOUNTING AND SIXTEEN CANDIDATES HAVING EXPERIENCE IN ADMINISTRATION AND MAN MANAGEMENT), BORDER ROADS DEVELOPMENT BOARD, MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT. PAY: Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-880. AGE LIMIT: 30 years. Not relaxable for Government servants. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) A Degree from a recognised University. (ii) About 5 years' administrative, industrial or managerial experience in General Management, Establishment, Finance and Accounts, Personnel Management & Welfare in supervisory capacity in a Government department, public body or commercial concern of repute or about 5 years' experience of security works in organisations like Defence Services, Police etc. OR About 5 years' experience in a supervisory capacity in indenting, purchase and maintenance of technical stores and keeping of stores accounts in a Government department or a public body or a commercial concern of repute.

3. ONE ASSISTANT COMMISSIONER (ANIMAL GENETICS POPULATION), MINISTRY OF AGRICULTURE. PAY: Rs. 700-40-1100-50/2-1250. AGE LIMITS: 45 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) Degree in Veterinary Science or Animal Husbandry of a recognised University or equivalent. (ii) Post-Graduate Degree in Population Genetics. (iii) (a) About 5 years' practical experience in management of Cattle Breeding Farms. OR (b) About 5 years' research experience in Cattle Breeding.

4. ONE SENIOR SCIENTIFIC OFFICER, GRADE I, SOLID STATE PHYSICS LABORATORY, MINISTRY OF DEFENCE. PAY: Rs. 700-50-1250. AGE: Preferably below 40 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) At least Second Class Master's Degree in Physics of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in the technology of Solid State materials such as ferrites and garnets.

5. ONE ASSISTANT DIRECTOR GRADE I (DYEING), OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER, BOMBAY, MINISTRY OF FOREIGN TRADE. PAY: Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) Degree in Textile Chemistry or Chemical Technology or Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in a responsible capacity in a textile/woollen or artificial fabrics mill as Dyer, Bleacher or Finisher or in a Government or semi-Government Organisation dealing in processing of fabrics or with Dyes and chemicals.

6. ONE SENIOR SCIENTIFIC OFFICER (SEROLOGY), CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS. PAY: Rs. 400-40-800-50-950. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) M.Sc. Degree in Bio-Chemistry Bacteriology or Zoology of a recognised University or equivalent. (ii) About five years' analytical/serological experience.

7. ONE JUNIOR SCIENTIFIC OFFICER, VEHICLES RESEARCH & DEVELOPMENT ESTABLISHMENT, AVADI, M/N. OF DEFENCE. PAY: Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. AGE: Preferably below 30 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: Second Class Degree in Metallurgy of a recognised University or equivalent.

8. TWO FARMS OFFICERS, MILITARY FARMS, MINISTRY OF DEFENCE. PAY: Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) Degree in Agriculture or Dairying of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' practical experience of field work in Agriculture.

9. ONE LECTURER IN CHEMISTRY, COLLEGE OF NURSING, NEW DELHI, DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES. PAY: Rs. 325-25-500-30-650. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: At least Second Class M.Sc. Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.

10. ONE PRINCIPAL, MARITIME SCHOOL, GOVERNMENT OF GOA, DAMAN & DIU. PAY: Rs. 590-30-830-35-900. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) Matriculation or equivalent. (ii) Master or Mate (Home Trade). (iii) About 2 years' experience as Instructor in a Maritime School or any similar establishment.

11. ONE COMPANY PROSECUTOR GRADE II, DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS, MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS. PAY: Rs. 350-25-575. AGE LIMIT: 30 years. Not relaxable for Government servants. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: (i) Degree in Law of a recognised University. (ii) At least one year's experience of conducting cases in criminal courts or dealing with legal matters in Government or quasi-Government Organisations. (iii) Knowledge of Regional Language.

12. FOUR DEPUTY DIRECTORS OF INSPECTION, DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS, MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS. PAY: Rs. 1100-50-1400. AGE LIMIT: 40 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: Chartered Accountant/Cost and Works Accountant with 8 years' experience as Chartered Accountant/Cost and Works Accountant preferably with Joint Stock Companies.

13. TWO INSPECTING OFFICERS/COMPANY ACCOUNTANT, DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS, MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS. PAY: Rs. 700-40-1100-50/2-1250. AGE LIMIT: 35 years. QUALIFICATIONS: *ESSENTIAL*: Chartered Accountant/Cost and Works Accountant with five years' experience as Chartered Accountant/Cost and Works Accountant preferably with Joint Stock Companies.

14. ONE RESEARCH OFFICER (ECONOMICS), CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF CABINET AFFAIRS). PAY: Rs. 400-40-450-30-600-35-670-EB-35-950. AGE LIMIT: 30 years. QUALIFICATIONS:

**ESSENTIAL :** (i) Second Class Master's degree in Economics from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in research and analysis of economic data in a responsible post.

**15. EIGHTEEN ECONOMIC INVESTIGATORS, GRADE I, PLANNING COMMISSION. PAY : Rs. 325—15—475—EB—20—575. AGE LIMIT : 30 years. QUALIFICATIONS :** **ESSENTIAL :** I. *For two posts in the Agriculture Discipline :* (i) Master's degree in Agricultural Economics of a recognised University or Master's degree in Agriculture with Agricultural Economics as a subject of study. (ii) About 2 years experience in Economic Investigation or research in the field of agriculture under Government or Semi-Government Department or a Research Institute of repute. II. *For Nine posts in the Economics Discipline :*—(i) Master's degree in Economics or Commerce of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years experience of economic research/investigation in a Government office or research institute preferably relating to : (a) Public finance & taxation—4 posts. (b) Problem of Indian trade—one post. (c) Institutional finance—Banking and other financial institutions—one post. (d) Estimation of National income and savings and investment—one post. (e) Transportation Economics—one post. (f) Analysis of agriculture/industrial/social development problems—one post. III. *For Seven posts in the Statistics Discipline :*—(i) Master's degree in Statistics, Mathematics/Economics (with Statistics) of a recognised University or equivalent OR Degree of a recognised University with Mathematics/Economics/Statistics as a subject and a diploma in Statistics, after at least 2 years post-graduate training in a recognised institution. (ii) About 2 years experience of Statistical work involving collection compilation and interpretation of Statistical data in a Govt. office or research institute preferably relating to : (a) Health Schemes—one post. (b) Labour and Employment Statistics—one post. (c) Industrial development work and Industrial Statistics relating to production prices etc.—one post. (d) Experience in operational or econometric research and/or knowledge of electronic computer programming—two posts. (e) Manpower, employment and labour force—one post. (f) Education—one post.

**16. ONE LECTURER (JUNIOR SCALE) (PHYSICAL EDUCATION), ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION, PORT BLAIR. PAY : Rs. 300—25—600. AGE LIMIT : 30 years. QUALIFICATIONS :** **ESSENTIAL :** (i) Master's Degree in Physical Education from a recognised University/Institution OR (ii) (a) Master's Degree from a recognised University or equivalent. (b) Degree or Diploma in Physical Education of a recognised University/Institution.

#### CORRIGENDUM

**TWO SMALL INDUSTRIAL PROMOTION OFFICERS (GLASS/CERAMICS), OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER, SMALL SCALE INDUSTRIES, MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT.** Reference item 11 of Commission's Advertisement No. 50, published on 9-12-72. It is notified for general information that the number of posts has since increased from two to six. The additional posts are permanent but appointment will be made on temporary basis. Of the additional four posts, three posts are un-

reserved and one post is reserved for Scheduled Castes candidates failing which for Scheduled Tribes candidates and failing both the post is to be treated as unreserved. Other conditions remain unchanged. Closing date for receipt of applications extended to 25-6-73 (9-7-73 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Those who have already applied in response to Commission's earlier advertisement No. 50 need not apply again.

#### INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC. (RELEASED EMERGENCY COMMISSIONED/SHORT SERVICE COMMISSIONED OFFICERS) EXAMINATION, 1973.

The Union Public Service Commission will hold a competitive examination commencing on 29th September, 1973, for selection of "Released" Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November 1962, but before 10th January 1968 or who had joined any pre-Commission training before the later date but were commissioned on or after that date, for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service, Indian Police Service, and Central Services, Class I and Class II (including Civil and Police Services, Class II in Union Territories), as specified in Commission's Notice for this examination published in the Gazette of India dated 26th May, 1973. **AGE :** Below 24 years on 1st August of the year of joining pre-Commission training or getting Commission (where there was only post-Commission training); relaxable in favour of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories. **QUALIFICATIONS :** Degree of a recognised University or certain other qualifications recognised for the purpose. Candidates who, when they appeared before a Services Selection Board as candidates for grant of Emergency Commission/Short Service Commission in Armed Forces, were studying in a recognised institution, e.g., a University/an institution affiliated to a University for award of any of aforesaid qualifications, but who having discontinued their studies because of joining Armed Forces have not acquired such qualification, also eligible to appear at the examination, subject to certain conditions regarding age. Full particulars and application forms obtainable from Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011) by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in Commission's office. Candidates must state clearly on money order coupons "INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC. (RELEASED EMERGENCY COMMISSIONED/SHORT SERVICE COMMISSIONED OFFICERS) EXAMINATION, 1973" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Full particulars and application forms also obtainable free from (1) Command Headquarters, (2) Corps Headquarters, (3) Division Headquarters, (4) Area Headquarters and (5) Sub-Area Headquarters. Completed applications **MUST** reach Union Public Service Commission by 9th July, 1973 (23rd July, 1973 for candidates residing abroad/overseas).

RAJENDRA LAL, Secretary,  
Union Public Service Commission.